राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 13 , अंक : 34, पृष्ठ : 08, नई दिल्ली सोमवार 21 अगस्त 2023, मूल्य : 1.50/-

नई दिल्ली से प्रकाशित

RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने रोहिणी से किया छठवें वन महोत्सव का शुभारंभ
.... पेज 03

14 जनपदों में 101 से अधिक व कुल 65 जनपदों ने 100 फीसदी पौधरोपण अभियान का लक्ष्य
.... पेज 05

पाकिस्तान के मैच तटस्थ देश में होते तो कार्यक्रम न बदलना पड़ता : सेठी
.... पेज 07

मणिपुर पुलिस ने 20 केस सीबीआई को सौंपे

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने 20 केस सीबीआई को सौंपे हैं। इनमें दो मामले प्रमुख हैं, पहला- 7 साल के बच्चे को उसकी मां और आंटी समेत एंबुलेंस में जला दिया गया था। दूसरा- एक मैतेई महिला ने आरोप लगाया था कि 3 मई को कुकी नेताओं ने उसके साथ रेप किया था।

एक मामले की दो अलग-अलग एफआईआर

तोन्शिंग हेंगसिंग (7) को उसकी मां मीना हेंगसिंग और आंटी लीडिया लॉरेनबाम इंफाल के अस्पताल ले जा रही थीं। तोन्शिंग को सिर में गोली लगी थी। बच्चे की मां मैतेई थी और पिता कुकी है। वेस्ट इंफाल में 4 जून को भीड़ ने उनकी एंबुलेंस को आग लगा दी, जबकि सुरक्षा में पुलिस चल रही थी। इस मामले में सीबीआई को दो एफआईआर सौंपी गई हैं। लाम्फेल में एक एफआईआर पुलिस की तरफ से कराई गई, दूसरी कांगपोकपी में बच्चे के पिता जोशुआ हेंगसिंग ने दर्ज कराई। लाम्फेल की एफआईआर में हत्या की धारा लगाई गई, जबकि कांगपोकपी की एफआईआर में गैर इरादतन हत्या करने बात लिखी गई, जो मर्डर की श्रेणी में नहीं आता।

मैतेई महिला का कुकी नेताओं पर रेप का आरोप

कांगपोकपी में दो दिन से महिलाओं का प्रदर्शन

मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार (18 अगस्त) को थोवाई कुकी गांव पर हमला हुआ था, जिसमें कुकी समुदाय के 3 लोगों की हत्या कर दी गई थी। इस हमले के विरोध में कांगपोकपी में दो दिन से महिलाओं का प्रदर्शन जारी है। ये महिलाएं एनएच-2 पर पोस्टर लेकर बैठी हैं। इनकी मांग है कि पहाड़ी इलाकों में बीएसएफ और असम राइफल्स को तैनात किया जाए। इन लोगों ने विवादों में रहे सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम को दोबारा लागू करने की मांग भी की है।

इंफाल में 7 विधानसभा के कुल 19 पुलिस स्टेशनों को AFSPA से बाहर रखा गया है, जो हिंसा से जूझ रहे इलाकों में सेना को व्यापक शक्तियां देता है।

आईएनएस त्रिकंद

बंदर अब्बास में क्षेत्रीय देशों के साथ सहकारी समुद्री जुड़ाव की दिशा में भारतीय नौसेना की परिचालन तैनाती के हिस्से के रूप में ईरान की यात्रा के दौरान आईएनएस त्रिकंद।

गंगोत्री हाईवे पर हादसा, 8 की मौत

बस 50 मीटर गहरी खाई में गिरी; 27 का रेस्क्यू

गंगोत्री। उत्तराखंड के गंगोत्री नेशनल हाईवे पर गंगनानी के पास रविवार (20 अगस्त) शाम को एक बस खाई में गिर गई। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। 27 लोगों को रेस्क्यू कर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिसमें से 10 की हालत गंभीर है। बस में 32-33 पैसेंजर्स सवार थे।

उत्तरकाशी के डीएम और एसपी ने बताया कि बस नंबर यूके07पीके-8585 50 मीटर गहरी खाई में गिरी है। रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है।

न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक बस में गुजरात के लोग सवार थे। ये गंगोत्री धाम की यात्रा करके लौट रहे थे।

गंगनानी के पास ड्राइवर ने बस पर कंट्रोल खो दिया। इससे बस क्रैश बैरियर को तोड़ते हुए 50 मीटर गहरी खाई में लुढ़कने के बाद पेड़ों के बीच जाकर अटक गई।

सीएम ने हादसे पर दुख जताया

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ट्वीट कर हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने लिखा- हादसे में कुछ लोगों की जान जाने और कुछ के घायल होने की खबर मिली है। रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। ईश्वर हादसे में जान गंवाने वाले लोगों की आत्मा को शांति दे। सभी घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

ईडी के डर से नेताओं ने पार्टी छोड़ी : पवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने कहा कि श्वेष्ठ हमारी पार्टी के कुछ लोगों की जांच कर रही थी। जिससे बचने के लिए कुछ दिनों पहले उन्होंने अजित पवार के साथ बीजेपी से हाथ मिला लिया। सरकार में शामिल होने के बाद वे कह रहे थे कि हम विकास के मुद्दों पर बीजेपी के साथ आए हैं, लेकिन सच तो यह है कि वे जांच का सामना नहीं करना चाहते थे। उन्हें भाजपा की ओर से कहा गया था कि आप अगर हमारे साथ आते हैं तो आपके मामले में कुछ नहीं होगा, नहीं तो आपको जेल में डाल देंगे। इस दौरान शरद पवार ने महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख का जिक्र किया। एनसीपी चीफ ने कहा कि उन्हें भी बीजेपी में शामिल होने का ऑफर मिला था, लेकिन देशमुख ने जेल जाना स्वीकार किया और वहां 14 महीने बिताए। उन्होंने कोई क्राइम नहीं किया था, इसीलिए अपनी विचारधारा नहीं छोड़ी।

सीवीसी की रिपोर्ट में खुलासा : एमएचए रेलवे और बैंक अधिकारियों के खिलाफ सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार की शिकायतें

नई दिल्ली। पिछले साल (2022) भ्रष्टाचार की सबसे अधिक शिकायतें केंद्रीय गृह मंत्रालय और इसके बाद रेलवे और बैंकों में काम करने वाले अधिकारियों के खिलाफ आईं। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2022 में केंद्र सरकार के विभागों और संगठनों में सभी श्रेणियों के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए कुल मिलाकर 1,15,203 ऐसी शिकायतें प्राप्त हुईं। रिपोर्ट के अनुसार, इनमें से 85,437 का निपटारा कर दिया गया और 29,766 लंबित थे, जिनमें से 22,034 मामले तीन महीने से ज्यादा समय से लंबित थे।

एक अधिकारी ने कहा कि केंद्रीय सतर्कता आयोग ने शिकायतों की जांच करने के लिए मुख्य सतर्कता अधिकारियों के लिए तीन महीने की समय-सीमा निर्धारित की है। मुख्य सतर्कता अधिकारी शिकायतों की जांच करने के लिए ईमानदार प्रहरी की दूरस्थ शाखा के रूप में कार्य करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल गृह मंत्रालय को अपने कर्मचारियों के खिलाफ 46,643 शिकायतें मिलीं, जबकि रेलवे को 10,580 और बैंकों को 8,129 शिकायतें मिलीं। इसमें कहा गया है कि गृह मंत्रालय के कर्मचारियों के खिलाफ कुल शिकायतों में से 23,919 का निपटारा कर दिया गया और 22,724 लंबित थीं, जिनमें से 19,198 तीन महीने से अधिक समय तक लंबित थीं।

रिपोर्ट को हाल ही में सार्वजनिक किया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि रेलवे ने 9,663 शिकायतों का निपटारा कर दिया, जबकि 917 का निपटान लंबित रहा, जिनमें से नौ तीन महीने से अधिक समय तक लंबित रहा। बैंकों ने भ्रष्टाचार की 7,762 शिकायतों का निपटारा कर दिया था और 367 लंबित रहीं, जिनमें से 78 तीन महीने से अधिक समय तक लंबित रहीं। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के कर्मचारियों के खिलाफ 7,370 शिकायतें थीं। इनमें से 6,804 का निपटारा कर दिया गया और 566 लंबित रहीं, जिनमें से 18 तीन महीने से अधिक समय तक लंबित रहीं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 4,710 शिकायतें आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (केंद्रीय लोक निर्माण विभाग सहित), दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली मेट्रो रेल निगम, दिल्ली शहरी कला आयोग, हिंदुस्तान प्रीफैब लिमिटेड, आवास और शहरी विकास निगम लिमिटेड, एनबीसीसी और एनसीआर योजना बोर्ड के कर्मचारियों के खिलाफ थीं। इनमें से 3,889 का निपटारा कर दिया गया और 821 लंबित रहीं, जिनमें से 577 तीन महीने से अधिक समय तक लंबित रहीं। सीवीसी की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि 4,304 शिकायतें कोयला मंत्रालय के कर्मचारियों के खिलाफ थीं, जिनमें से 4,050 का निपटारा किया गया, 4,236 शिकायतें श्रम मंत्रालय के खिलाफ थीं, जिनमें से 4,016 का निपटारा किया गया और 2,617 शिकायतें पेट्रोलियम मंत्रालय के कर्मचारियों के खिलाफ थीं, जिनमें से 2,409 का निपटारा किया गया।

ड्रोन से की जाएगी मनरेगा में होने वाले कामों की निगरानी

नई दिल्ली। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत कार्यों की निगरानी के लिए ड्रोन के उपयोग के लिए एक नई नीति तैयार की है। ड्रोन की मदद से जारी कामों की निगरानी, पूरे हो चुके काम की जांच, काम का आकलन और शिकायत मिलने पर मामले की जांच की जाएगी।

हालांकि, केंद्र सरकार इन ड्रोनों के लिए राज्य सरकारों को अतिरिक्त फंड नहीं देगी, बल्कि राज्यों को मनरेगा के लिए दी जाने वाली राशि में से आकस्मिक खर्च के लिए होने वाले आवंटन से ही ड्रोन के लिए राशि तय की जाएगी। ग्रामीण मंत्रालय ने कहा कि मनरेगा में लगातार भ्रष्टाचार की शिकायतें मिल रही हैं। इनमें मजदूरों के स्थान पर मशीनों का इस्तेमाल किया जाना और बिना काम किए कुछ लोगों को वेतन मिलना शामिल हैं। ऐसे मामलों में ड्रोन सुबूत जुटाने में मददगार होंगे।

वहीं, ड्रोन का इस्तेमाल लोकपाल करेगा। इसके लिए प्रत्येक जिले में एक लोकपाल तैनात किया जाएगा, जो स्वतःसंज्ञान लेकर शिकायतों को दर्ज करके उन्हें 30 दिनों के भीतर निपटाएगा।

ग्रामीण विकास मंत्रालय ने तैयार की एसओपी

मंत्रालय ने अपने एसओपी में निर्देश दिया है कि इस्तेमाल किए जा रहे ड्रोन में उच्च गुणवत्ता वाला कैमरा होना चाहिए। आंशिक रूप से तेज हवाओं से बचने का भी सुझाव दिया गया है। ड्रोन को कम से कम 30 मिनट तक हवा में रहने में सक्षम होना चाहिए। इसमें कहा गया है कि ड्रोन के माध्यम से लिए गए सभी वीडियो और तस्वीरों को आनलाइन प्रणाली नरेगा साफ्ट के साथ साझा किया जाना चाहिए। तुलनात्मक अध्ययन के लिए डेटा का संग्रह किया जाना चाहिए।

कई देशों में कोरोना के नए वैरिएंट का अटैक

चार देशों में कोरोना के अब तक के सबसे घातक वैरिएंट ने अटैक किया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इसका म्यूटेंट वर्तमान के सबसे घातक XBB 1.5 वैरिएंट से भी ज्यादा संक्रामक है। इस नए वैरिएंट पर वैज्ञानिकों ने चिंता जताई है। जानकारी के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम और इजराइल में इस नए वैरिएंट के एक-एक मामले और डेनमार्क में तीन मामलों की पुष्टि हुई है।

मुरैना में ट्रिपल मर्डर

पत्नी, साला और साली की गोली मारकर हत्या

मुरैना। मुरैना ने एक सिरफिरे युवक ने अपनी पत्नी, साला और साली की गोली मारकर हत्या कर दी। युवक की पत्नी का उसकी सास से आए दिन किसी न किसी बात को लेकर विवाद होता था। साला और साली इसी विवाद को सुलझाने आए थे। मां ने अपने बेटे से कहा कि इन लोगों ने मेरी बेइज्जती की।

गुस्साए बेटे ने पत्नी समेत तीनों पर ताबड़तोड़ फायरिंग की दी। घटना रविवार सुबह 11 बजे की है।

आरोपी त्रिलोकी परमार की शादी 12 साल पहले भिंड की अटेर निवासी राखी से हुई थी। राखी की अपनी सास से अक्सर लड़ाई होते रहती थी। उसने अपने भाई युवराज तथा बड़ी बहन जूली को फोन करके यह बात बताई थी। रविवार को भाई युवराज तथा बड़ी बहन जूली उसे लेने बागचीनी पहुंचे। वहां उन्होंने राखी की सास से बात की। बात करते-करते विवाद बढ़ गया। उस वक्त त्रिलोकी परमार घर पर नहीं था। वह बाजार गया हुआ था।

बस स्टैंड पर कर रहे थे तीनों इंतजार

दोनों बहन व भाई के घर से निकलने के बाद मां ने बेटे त्रिलोकी को फोन किया कि उसके साले और साली ने उसकी बहुत बेइज्जती की है। यह बात त्रिलोकी को नागवार गुजरी और वह गुस्से से आग बबूला हो उठा। वह घर आया लेकिन तीनों लोग उसे नहीं मिले। वह तुरंत बस स्टैंड पहुंचा। बस स्टैंड पर तीनों बस का इंतजार कर रहे थे।

उसने वहां कट्टे से पांच फायर कर तीनों की हत्या कर दी। युवराज और राखी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं जूली ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया।

23 अगस्त को इतिहास रचने को तैयार चंद्रयान-3

चेन्नई। तीसरा चंद्र मिशन 'चंद्रयान-3', 23 अगस्त को चांद की 'अंधेरी' और 'अनजान' सतह पर उतरने के लिए तैयार है और इसकी सॉफ्ट लैंडिंग के साथ ही देश 'चांद के अंधेरे ' को चीरने वाला विश्व का चौथा देश बन जायेगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रविवार को कहा कि बुधवार को शाम छह बजकर चार मिनट पर चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग होगी और सबकुछ ठीक रहा तो भारत अंतरिक्ष- पटल पर नया इतिहास गढ़ देगा। इसरो ने सोशल मीडिया 'एक्स 'पर कहा कि दूसरा डीबूस्टिंग ऑपरेशन आज तड़के दो बजे किया गया। साइट और पावर्ड डिसेंट 23 अगस्त को शुरू होगी। इस मनूवर के बाद, अंतरिक्ष यान लगभग 25 किमी गुणा 134 किमी की दूरी पर स्थित है। एजेंसी ने चंद्रयान-3 मिशन पर अपडेट देते हुए कहा, दूसरा और अंतिम डीबूस्टिंग ऑपरेशन सफलतापूर्वक हो गया लैंडर मॉड्यूल (एलएम) की कक्षा को घटाकर 25 किमी गुणा 134 किमी कर दिया गया है।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस कार्यसमिति का किया गठन

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी की बहुप्रतीक्षित सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति का गठन कर दिया है।

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आज यहां बताया कि समिति में 39 सदस्यों के साथ ही 18 स्थायी आमंत्रित सदस्य, 14 प्रभारी, नौ विशेष आमंत्रित सदस्य तथा चार पार्टी की विभिन्न संगठनों की अध्यक्ष शामिल हैं जिन्हें पदेन सदस्य के रूप में कार्यसमिति में जगह दी गई है। उन्होंने बताया कि समिति में 39 प्रमुख सदस्य हैं जिनमें श्री खड़गे के अलावा पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, एके एंटोनी, आधीर रंजन चौधरी शामिल हैं।

कांग्रेस महासचिव के अनुसार समिति के अन्य सदस्यों में अंबिका सोनी, मीरा कुमार, दिग्विजय सिंह, पी चिदंबरम, तारीक अनवर, लाल थनवला, अशोक चौहाण, मुकुल वासनिक, आनंद शर्मा, चरणजीत सिंह चन्नी, प्रियंका गांधी वाड्रा, अजय माकन, कुमारी सैलजा, गैखनगम, एन रघुवीर रेड्डी, शशि थरूर, ताम्रध्वज साहू, अभिषेक मनु सिंघवी, सलमान खुर्शीद, जयराम रमेश, दीपक बावरिया, सचिन पायलट, रणदीप सिंह सुरजेवाला, जितेंद्र सिंह , जगदीश ठाकुर, जीए मीर, अविनाश पांडे, दीपा दास मुंशी, केसी वेणुगोपाल, महेंद्रजीत सिंह मालवीय, गौरव गोगोई, सैयद नासिर हुसैन और कमलेश्वर पटेल शामिल हैं।

नूंह हिंसा को लेकर जंतर-मंतर पर महापंचायत

महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद के भाषण पर बवाल; पुलिस ने लगाई रोक, जबरन ले गई

नई दिल्ली। हरियाणा के नूंह में हुई हिंसा को लेकर दिल्ली स्थित जंतर-मंतर में आयोजित महांपचायत में बवाल हो गया। इस महापंचायत में महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद ने भड़काऊ भाषण दिया। इस पर दिल्ली पुलिस ने एहतियातन महापंचायत को रोक दिया। साथ ही नरसिंहानंद को जबरन पंचायत से ले गई। इस दौरान उन्हें पुलिस ने मीडिया से भी बात नहीं करने दी।

यह महापंचायत ऑल इंडिया सनातन फेडरेशन ने बुलाई थी। जिसमें हरियाणा के गोरक्षक मोनू मानेसर और बिट्टू बजरंगी पर चर्चा की गई। इधर दिल्ली पुलिस ने इस पंचायत की वीडियोग्राफी कराई।

पंचायत में वक्ताओं ने हिंसा में मरने वाले लोगों को सरकार द्वारा मुआवजा देने की मांग की। साथ ही वहां रहने वाले हिंदू समाज की सुरक्षा को लेकर चिंता प्रकट की। सरकार से कहा गया है कि मेवात में रहने वाले हिंदू समाज के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। दिल्ली पुलिस की ओर से किसी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए पंचायत के चारों ओर भारी पुलिस फोर्स तैनात किया।

इससे पहले हरियाणा में भी पंचायतें हो चुकी हैं। जिसमें यह तय किया गया था कि हरियाणा के बाद दिल्ली में नूंह हिंसा में मारे गए लोगों और उनके परिजनों को न्याय की आवाज उठनी चाहिए थी।

नूंह में न हों कोर्ट ट्रायल

दिल्ली में जंतर मंतर पर पंचायत में पलवल, नूंह, गुरुग्राम, रेवाड़ी, दिल्ली, रोहतक, झज्जर व अन्य क्षेत्रों से लोग भाग लेने पहुंचे। इस दौरान लोगों को नूंह जिले की वर्तमान स्थिति के बारे में बताया। जैन समाज नूंह के प्रधान विपिन जैन ने कहा कि यदि हालात यही रहे तो एक दिन नूंह कश्मीर में बदल जाएगा। उन्होंने मांग की कि दंगों में जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, उनके कोर्ट ट्रायल गुरुग्राम अथवा अन्य जिलों की अदालतों में कराए जाएं। नूंह जिले की अदालतों में पीड़ित बयान नहीं दे पाएंगे।

ट्रिपल मर्डर

पति ने भी सुसाइड किया; कुत्ते को मारने से मना किया तो परिवार पर हमला कर दिया

उज्जैन में पत्नी, बेटा-बेटी की तलवार से काटकर हत्या

उज्जैन । उज्जैन में एक शख्स ने पत्नी समेत दो बच्चों की हत्या कर दी। इसके बाद सुसाइड कर लिया। दंपती के दो अन्य बच्चों ने भागकर जान बचाई। शुरुआती जानकारी में पता चला है कि आरोपी ने शराब पी रखी थी। उसने कुत्ते को मारने से रोकने पर परिवार पर हमला कर दिया।

घटना बड़नगर के बालोदा में शनिवार देर रात की है। रविवार सुबह मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

बताया गया है कि बालोदा में रहने वाले दिलीप पवार पर कुत्ता भौंक रहा था। इससे गुस्से में आकर वह घर से तलवार लेकर कुत्ते को मारने के लिए दौड़ा। पत्नी गंगा पवार ने समझाया तो आरोपी ने उसकी हत्या कर दी।

बीच-बचाव करने पर बेटी नेहा (17), फिर बेटे योगेंद्र (14) को भी तलवार से हमला कर मार डाला। घर में मौजूद दो और बच्चों (बेटा-बेटी) छत पर भागे और वहां से कूदकर जान बचाई। बाद में दिलीप ने भी तलवार से अपना गला काटकर खुदकुशी कर ली।

जिंदा बचा बेटा बोला, सट्टा खेलते थे पिता

जान बचाकर भागे बच्चों ने आसपास के लोगों को जानकारी दी। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस दरवाजा तोड़कर मकान में घुसी। अंदर पति, पत्नी और उनके दोनों बच्चों के शव पड़े थे।

हर तरफ खून फैला था। स्नस्स्टीम ने भी मौके पर पहुंचकर जांच की। आरोपी पेशे से किसान था। अस्पताल में भर्ती दिलीप के बेटे तपेंद्र ने बताया कि पिता शराब पीते थे और सट्टा भी खेलते थे। बेटी बुलबुल ने बताया कि पिता शराब के नशे में थे और हमें मारने के लिए तलवार लेकर दौड़े।

चिड़चिड़ाकर परिवार पर हमला किया

उज्जैन स्क्सचिन शर्मा ने बताया कि दंपती में झगड़ा कुत्ते के भोंकने के कारण हो रहा था। उसने कुत्ते पर हमला किया, लेकिन परिवार के हस्तक्षेप करने से वह चिड़चिड़ा गया। इस कारण उसने बीवी-बच्चों पर हमला कर दिया।

मोदी सरकार आने के बाद मिली प्रदेश के विकास को नई गति: शिवराज

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कहा कि वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद प्रदेश की प्रगति को नई दिशा और गति मिली है। डबल इंजन वाली सरकार ने विकास के नए प्रतिमान गढ़ दिए हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यहां राज्य सरकार के 20 वर्ष के कार्यकाल की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस दौरान मुख्यमंत्री चौहान ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पहले जहां एक पंचायत को गिनती के ही आवास मिला करते थे...

नई दिल्ली
सोमवार 21 अगस्त 2023
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

राजस्थान में नहरी तंत्र से संबंधित छह कार्यों के लिए 381.74 करोड़ रुपए स्वीकृत

जयपुर। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के नहरी तंत्र से संबंधित छह परियोजनाओं के कार्यों के लिए 381.74 करोड़ रुपए एवं सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ में सीवरेज संबंधित कार्य के लिए 42.30 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की है। गहलोत की इस स्वीकृति से खारी फीडर की क्षमता बढ़ाकर राजसमंद बांध में जल उपलब्धता के लिए 79.94 करोड़ रुपए, नर्मदा कैनाल प्रोजेक्ट के बालेरा व सांचोर लिफ्ट डिस्ट्रीब्यूटरी सिस्टम के लिए 17.60 करोड़ रुपए, भीमगुढ़ा डिस्ट्रीब्यूटरी सिस्टम के टेल माइनर्स के लिए 8.05 करोड़ रुपए, राटोडा डिस्ट्रीब्यूटरी सिस्टम के माइनर्स के लिए 14.43 करोड़ रुपए, मानकी डिस्ट्रीब्यूटरी सिस्टम 20.47 करोड़ रुपए एवं बारां जिले में पार्वती मुख्य केनाल के सुदृढ़ीकरण के लिए 241.25 करोड़ रुपए के कार्य होंगे। जोधपुर के लूणी स्थित गुड़ा विश्नोईयान में बड़ा तालाब के पास फिल्टर प्लांट का कार्य होगा। मुख्यमंत्री ने इसके लिए 123.53 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इससे जल वितरण व्यवस्था सुदृढ़ होगी और 70 गांव एवं 148 ढाणियां लाभान्वित होंगी। इसके अंतर्गत रॉ-वाटर ट्रंक मेन लाइन, वाटर राइजिंग मेन पाइपलाइन, रॉ-वाटर रिजर्वेयर, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, क्लीयर वाटर रिजर्वेयर, पम्प एवं मशीनरी तथा विद्युतीकरण आदि से सम्बन्धित कार्य होंगे।

बुजुर्ग दंपति के शव तालाब में तैरते मिले

भीलवाड़ा। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के सोनियाणा ग्राम से एक दिन पहले घर से खेत गये बुजुर्ग दंपत्ति के शव आज गांव के तालाब में तैरते मिले। पति-पत्नी के शव मिले तब दोनों ने हाथ में लकड़ी से एक-दूसरे को थाम रखा था। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि भैंस को तालाब से निकालने के प्रयास में बुजुर्ग गहराई में चला गया और उसे लकड़ी का सहारा देकर बाहर निकालने की कोशिश में उसकी पत्नी भी तालाब में गिरकर डूब गई और इसी के चलते दंपत्ति की मौत हो गई। उधर, इस घटना से सोनियाणा में शोक की लहर छा गई। पुलिस ने दंपत्ति के शवों का गंगापुर अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिये। कारोई थाना प्रभारी हंसपाल सिंह ने बताया कि सोनियाणा निवासी जीतमल जाट जाट एवं उनकी पत्नी रूकमणी 65 मवेशियों के लिए घास लेने के लिए घर से खेत के लिए निकले थे। दंपत्ति देर शाम तक घर नहीं लौटा। परिजनों एवं ग्रामीणों ने दंपत्ति की तलाश शुरु की। कारोई पुलिस को इस संबंध में सूचना दी गई। पुलिस एवं ग्रामीण खेत पर गये, जहां बाइक खड़ी मिली वहीं पशुओं के लिए काटकर रखा गया चारा भी मिला। लेकिन दंपत्ति का पता नहीं चला। इस बीच, रविवार सुबह सोनियाणा गांव के तालाब में दंपत्ति का शव तैरता नजर आया। पति-पत्नी लकड़ी के जरिये एक-दूसरे को थामे हुये थे। इसकी सूचना कारोई पुलिस को दी।

सरकारी योजनाओं का असर लोगों में आने लगा नजर

जयपुर। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की दूरदर्शी सोच के साथ प्रदेश में लाई गई राज्य सरकार की जनहित की योजनाओं का असर अब लोगों में नजर आने लगा है और वे सरकार की प्रशंसा करने लगे हैं। सरकार की चाहे मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना हो या पुरानी पेंशन योजना, स्वास्थ्य का अधिकार, मुख्यमंत्री निशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना या इंदिरा गांधी स्मार्ट फोन योजना सहित कई योजनाओं के माध्यम से इनके पात्र लोगों के लाभान्वित होने का सिलसिला लगातार जारी है और और लाभान्वित सहित विभिन्न वर्गों के लोग लगातार मुख्यमंत्री से मिलकर उनका आभार जता रहे वहीं लाभान्वित लोग गहलोत की सराहना में कसीदे पढ़ना एवं प्रशंसा करते नहीं थक रहे हैं। गहलोत भी लगातार अपनी योजनाओं का जनता में फीडबैक ले रहे हैं और पिछले दिनों उनके पैरों के दोनों अंगूठों में चोंट लगने के कारण चल नहीं पाने के बावजूद व्हील चेयर की मदद से भी लगातार अपने आवास मुख्यमंत्री निवास पर विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद कायम रखा और लाभार्थियों से मिलकर यह भी पता लगाया कि सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तव में लोगों तक पहुंच रहा है या नहीं।

भाजपा की सरकार में खान खनिज के मालिक झारखंड के लोग होंगे: बाबूलाल मरांडी

रांची। भारतीय जनता पार्टी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने अपने संकल्प यात्रा के चौथे दिन महेशपुर विधानसभा क्षेत्र के यज्ञ मैदान ,पाकुड़िया में पहली जनसभा को संबोधित किया। मरांडी ने आज फिर राज्य संपोषित भ्रष्टाचार,खान,खनिज ,बालू घाट की लूट,सोरेन परिवार द्वारा आदिवासियों के जमीन की लूट एवम संथाल के लोगों के पलायन को मुद्दा बनाया। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार में खान खनिज के मालिक झारखंड के लोग होंगे । मरांडी ने कहा कि झारखंड राज्य श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई की देन है। अटल जी ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, सर्व शिक्षा अभियान के माध्यम से गांव,गरीब को विकास की मुख्य धारा में जोड़ा। संथाली भाषा को 8वीं अनुसूची में जोड़ना अटल सरकार की देन है।उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पहली बार देश में 8 आदिवासी केंद्रीय मंत्री बनाए गए हैं।मोदी जी ने पहली संथाली आदिवासी महिला श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाकर आदिवासियों को बड़ा सम्मान दिया।उन्होंने कहा कि लेकिन झारखंड में आदिवासियों के नाम पर राजनीति करने वाले झामुमो के मुखिया नाम बदलकर आदिवासियों की ही जमीन लूट रहे। हेमंत सरकार में आदिवासी बहन बेटियों की इज्जत सुरक्षित नहीं। उनकी हत्या हो रही।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 79वीं जयंती झारखंड में मनाई गई

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश ठाकुर की अध्यक्षता में आज भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 79वीं जयंती प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, कांग्रेस भवन, रांची में मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने राजीव गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस अवसर पर कांग्रेस विधायक दल के नेता सह मंत्री आलमगीर आलम, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बन्धु तिर्की, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, विधायक शिल्पी नेहा तिर्की मौजूद थे। इससे पूर्व चेशायर होम, बरियातु में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर राँची जिला के पार्टी पदाधिकारियों के साथ दिव्यांगजनों से मुलाकात की एवं उनके बीच स्व0 राजीव गाँधी की जयन्ती के अवसर पर प्रेम एवं भाईचारा का संदेश बांटते हुए आवश्यक सामग्री वगैरह भेंट स्वरूप प्रदान की। इस मौके पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष श्री ठाकुर ने कहा कि स्व. राजीव गांधी आधुनिक भारत के निर्माण के साथ -साथ संचार क्रांति के जनक थे। स्व. गांधी ने एक ओर भारत को संचार क्रांति के माध्यम से आधुनिक बनाने का पहल किया, वहीं भारत की आत्मा गांवों को पंचायती राज देकर मजबूत बनाने का काम किया। पंचायती राज के माध्यम से ग्रामीण भारत सशक्त हुआ। स्व. गांधी ने देश के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए मतदान का अधिकार 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष करने का काम किया।

पत्रकार हत्याकांड में आठ नामजद, चार गिरफ्तार

अररिया। बिहार के अररिया जिले में पत्रकार विमल यादव की हत्या के मामले में पुलिस ने चार अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है । पुलिस अधीक्षक (एसपी) अशोक कुमार सिंह ने शनिवार को बताया कि पत्रकार विमल यादव के पिता हरेंद्र प्रसाद सिंह के बयान पर प्रथमिकी दर्ज की गई है । प्राथमिकी के आधर पर पुलिस ने कल देर रात छापेमारी कर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दो नामजद सुपौल और अररिया के जेल में बंद हैं, जबकि दो अपराधी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है । सिंह ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों में विपिन यादव, भवेश यादव, आशीष यादव और उमेश यादव शामिल है ।उन्होंने बताया कि बदमाशों ने घटना को अंजाम देने के बाद पड़ोस के जिले में शरण ले रखी थी । पुलिस टीम लगातार अपने मुखबिरों के संपर्क में थी और शुक्रवार की देर रात दो अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी कर चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार जेल में बंद अपराधियों रूपेश यादव और क्रांति यादव पर हत्या का षड्यंत्र रचने का आरोप है ।

हिमाचल आपदा में काम नहीं आया भूस्खलन का अर्ली वार्निंग सिस्टम

शिमला। हिमाचल प्रदेश में भारी तबाही के बीच भूस्खलन का अर्ली वार्निंग सिस्टम काम नहीं आया। प्रदेश में यह सिस्टम करीब 50 जगहों पर स्थापित है। भूस्खलन के लिहाज से संवेदनशील मंडी, कांगड़ा, किन्नौर और लाहौल-स्पीति में इसके सफल प्रयोग किए जाने के दावे किए जा चुके हैं। यह जानकारी प्रधान सचिव राजस्व व आपदा प्रबंधन ओकार शर्मा ने रविवार को यहां दी।

उन्होंने बताया कि मौजूदा अर्ली वार्निंग सिस्टम बहुत प्रभावी नहीं है। इसे राज्य भर में 50 जगहों पर स्थापित किया गया है।

आईआईटी मंडी की ओर से तैयार की इस प्रणाली को और कारगर बनाने को कहा गया है, ताकि यह भूस्खलन से तबाही से पहले अलर्ट कर दे। वहीं, भारी बारिश से हुई तबाही में यह प्रणाली पूर्वानुमान से किसी हादसे को रोकने में सहयोगी रही हो, ऐसा कोई उदाहरण नहीं है।

दरअसल हिमाचल के पास भूस्खलन की अपनी पूर्व चेतावनी प्रणाली मौजूद है। आईआईटी मंडी के विशेषज्ञ इसे यह प्रणाली वर्ष 2018 में आईआईटी मंडी के विशेषज्ञों ने तैयार की। सबसे पहले मंडी में कटिंडी से कमांद के बीच संवेदनशील पहाड़ियों पर इसके चार, कमांद से सालगी तक दो यूनिट, कोटरोपी में एक और गुम्मा में भी एक यूनिट लगाया गया। इनके अलावा किन्नौर, लाहौल-स्पीति और कांगड़ा जिलों में भी कुछ इकाइयां लगाई गईं। इनमें सफल प्रयोग के दावे किए जा चुके हैं।

इस तकनीक के अनुसार जब भी उस जगह जमीन में हलचल होती है तो प्रोसेसिंग यूनिट संदेश पहुंचाता है। अलर्ट यूनिट में रेड लाइट जलती है और हूटर बजता है।

पांच साल पहले इस प्रणाली को स्थापित करना शुरू कर दिया गया था। इसे नियंत्रित कर रही टीम के पास भी अलर्ट आता है। यूरोपीय देशों में भूस्खलन का अर्ली वार्निंग सिस्टम इतना मजबूत है कि वहां किसी की जान नहीं जाती है। देश के अन्य राज्यों सहित हिमाचल इस तकनीक में बहुत पीछे है।

शिमला में स्थापित होगा आयुष हस्पताल

शिमला। भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों आयुर्वेद, पंचकर्म और प्राकृतिक चिकित्सा के लाभ और महत्व के बारे में आज हर कोई जानता है। इन्हीं पद्धतियों पर आधारित दिव्य योग रिसर्च फाउंडेशन ने शिमला के उपनगर न्यू टूटू में एक हस्पताल शुरू करने की योजना बनाई है।

आयुष हॉस्पिटल के नाम से शुरू किए जाने वाले इस हस्पताल में लोग प्रतिदिन इन चिकित्सा पद्धतियों का लाभ उठा सकेंगें। इस हस्पताल में आयुर्वेद, पंचकर्म, प्राकृतिक चिकित्सा और योग के प्रदर्शन के साथ मरीजों को निशुल्क प्रारामर्श भी दिया जाएगा। चिकित्सकों के मार्गदर्शन में योग व पंचकर्म के विशेषज्ञों की टीम भी विशेष अवसरों पर अपनी सेवाएं देंगें। दिव्य योग रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष विजय कुमार सूद ने बताया कि इस हस्पताल में यौगिक स्वास्थ्य देखभाल और फिटनेस पर भी विशेष ध्यान केन्द्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शरीर पंच तत्व- मिट्टी, जल, वायु, अग्नि और आकाश से मिलकर बना है। इन तत्वों के असंतुलन से रोग उत्पन्न होते हैं। इसे संतुलित बनाने की पद्धति ही प्राकृतिक चिकित्सा है। यह दवा रहित इलाज की पद्धति है जिसमें योग और आहार विशेष महत्व रखते हैं। संस्थान के चिकित्सा अधीक्षक डा. के.के. शर्मा ने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा में आहार को भी औषधि माना गया है। मरीज को रोग के अनुसार भोजन में क्या लेना चाहिए, कौन से योगासन करने चाहिए और प्राकृतिक चिकित्सा की किस पद्धति से ईलाज किया जाना उचित होता है।

कर्नाटक सरकार ने मंदिरों के अनुदान रोकने का आदेश लिया वापस

बेंगलुरु। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने सरकारी हिंदू मंदिरों के विकास कार्यों के लिए मिलने वाले अनुदान रोकने संबंधी आदेश वापस ले लिया है।

कर्नाटक के मुजराई मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने आदेश को लेकर स्पष्टीकरण देते हुए कहा है कि विभाग द्वारा जारी किया गया सर्कुलर भ्रामक था और सरकार का इरादा मंदिरों को मिलने वाली किसी भी अनुदान को रोकने का नहीं है।

रेड्डी ने कहा कि आयुक्त और प्रमुख सचिव सहित मुजराई विभाग के अधिकारियों को आदेश वापस लेने के लिए कहा गया है।

राज्य द्वारा संचालित हिंदू मंदिरों को मिलने वाले अनुदान के खिलाफ आदेश पर जनता के रोष का सामना करने के बाद यह निर्णय लिया गया।

उल्लेखनीय है कि मई में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद से ही उसके हिंदू विरोधी रुख के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की उडुपी फिल्मांकन से निपटने और मवेशी वध को अपराध की श्रेणी से बाहर करने की योजना जैसे मुद्दों पर आलोचना की गई है।

मुजारी आयुक्त ने 14 अगस्त को सर्कुलर जारी करके सभी जिला प्रशासकों को राज्य संचालित मंदिरों को दी जाने वाले अनुदान को रोकने का निर्देश दिया था।

यह धनराशि मंदिरों में मरम्मत और विकास कार्यों के लिए दी जाती थी। यह उन मंदिरों पर लागू होता है जहां 50 प्रतिशत धनराशि प्रदान की गई थी या धन स्वीकृत किया गया था, लेकिन काम आगे नहीं बढ़ा था।

विवाहित व्यक्ति को प्रेमिका के साथ प्रताड़ित किया गया

अगरतला। दक्षिण त्रिपुरा जिला बेलोनिया के ईशान चंद्र नगर की मुंडा बस्ती में शनिवार को एक युवती को ग्रामीणों के हाथों मध्यकालीन क्रूरता का सामना करना पड़ा। इस भयावह घटना की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच आरंभ कर दी है। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार माना जा रहा है कि यह दर्दनाक घटना विवाहित पुरुष और एक अविवाहित महिला के बीच विवाहेतर संबंध के कारण शुरू हुई। पीड़ितों के परिवार के सदस्यों के मौके पर पहुंचने से पहले आरोपी पुरुष और महिला को गांव में एक सुनसान जगह पर पकड़ लिया गया और बिजली के खंभे से बांध दिया गया था । कथित तौर पर महिला के परिवार ने विवाद को सुलझाने और रिश्ता खत्म करने के लिए व्यक्ति से बड़ी रकम की मांग की थी , लेकिन वह सहमत नहीं हुआ।

विषम भौगोलिक स्थिति के दृष्टिगत दिया जाए विशेष राहत पैकेज : सुक्खू

शिमला। आपदा के कारण हुए भारी नुकसान को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश में भारी नुकसान हुआ है।

उन्होंने राज्य में स्थितियां सामान्य करने के प्रदेश सरकार के प्रयासों को बल देने के लिए केदारनाथ और भुज त्रासदियों की तर्ज पर वित्तीय सहायता प्रदान करने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सार्वजनिक एवं निजी संपत्ति को व्यापक नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की वर्तमान राहत नियमावली के अनुरूप वित्तीय प्रावधान हिमाचल प्रदेश में हुए नुकसान की पूर्ति के लिए अपर्याप्त है। उन्होंने राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों और आपदा की गंभीरता को देखते हुए विशेष राहत पैकेज का आग्रह किया। सुक्खू ने केंद्र सरकार द्वारा अंतरिम राहत की पहली किस्त देरी से जारी करने का मामला भी उठाया।

उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर से वित्तीय सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान भारी बारिश और भूस्खलन के कारण आई प्राकृतिक आपदा से प्रदेश को 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा आकलन टीमें भेजे जाने के बावजूद अंतरिम राहत अभी भी लंबित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रभावितों को सहायता प्रदान करने के लिए अपने सीमित संसाधनों का उपयोग कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा राज्य आपदा प्रतिक्रिया निधि (एसडीआरएफ) के तहत वार्षिक दो किश्तों में दिए जाने वाले 360 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि ऑडिट आपत्तियों को दूर करने के राज्य सरकार के प्रयासों के फलस्वरूप केंद्र सरकार ने लम्बित 315 करोड़ रुपये में से 189 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

अमरनाथ यात्रा 23 अगस्त से अस्थायी रूप से निलंबित रहेगी

श्रीनगर। तीर्थयात्रियों की कमी और ट्रैक बहाली कार्य को ध्यान में रखते हुए अमरनाथ यात्रा 23 अगस्त से अस्थायी रूप से निलंबित रहेगी।

यह जानकारी अधिकारियों ने रविवार को दी।

अधिकारियों ने कहा कि दक्षिण कश्मीर के पहलगाम और मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले के नुनवान मार्गों पर तीर्थयात्रियों के आवागमन में कमी और पटरियों का मरम्मत कार्य होने से अमरनाथ यात्रा 23 अगस्त से अस्थायी रूप से निलंबित रहेगी।

श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने कहा, तीर्थयात्रियों के आवागमन में बहुत

कमी आने और सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा यात्रा पटरियों की तत्काल मरम्मत एवं रखरखाव कार्य करने से पवित्र गुफा जाने वाले इन दोनों मार्गों पर तीर्थयात्रियों का आवागमन फिलहाल उचित नहीं है इसलिए 23 अगस्त से दोनों मार्गों पर तीर्थयात्रा अस्थायी रूप से निलंबित रहेगी।''

दक्षिण कश्मीर के पहलगाम और गांदरबल जिले के बालटाल मार्गों पर 01 जुलाई को अमरनाथ यात्रा शुरू हुई थी और अब तक 4.4 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पवित्र अमरनाथ जी के दर्शन कर चुके हैं। छड़ी मुबारक (चांदी की छड़ी) पारंपरिक पहलगाम मार्ग से आगे बढ़ेगी, जो 31 अगस्त को यात्रा के समापन का प्रतीक होगी।

अधिकारियों के अनुसार, अमरनाथजी की वार्षिक तीर्थयात्रा से न केवल स्थानीय लोगों को आजीविका का अवसर प्राप्त हुआ है बल्कि स्थानीय उद्यमियों के व्यवसाय को भी बढ़ावा मिला है।

नेपाल ले जायी जा रही लाखों की स्मैक के साथ उप्र का एक तस्कर गिरफ्तार

चंपावत/नैनीताल। उत्तराखंड की चंपावत पुलिस ने नेपाल ले जायी जा रही स्मैक की बड़ी खेप के साथ एक उत्तर प्रदेश के एक तस्कर को गिरफ्तार है। उत्तराखंड में स्मैक बरामदगी की अभी तक यह बड़ी खेप और सफलता मानी जा रही है। चंपावत के पुलिस अधीक्षक (एसपी) देवेन्द्र पींचा ने आज इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि बनबसा पुलिस, विशेष अभियान समूह (एसओजी) और मादक द्रव्य निरोधक बल (एएनटीएफ) की ओर से शनिवार को नेपाल से सटे गढ़ीकोट क्षेत्र में संयुक्त रूप से जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान पुलिस ने एक मोटर साइकिल सवार को रोका और उसकी जांच की तो उसके कब्जे से 605 ग्राम स्मैक बरामद हुई। आरोपी जागेश्वर दयाल निवासी परशरामपुर मीरनपुर, थाना कटरा, जिला शाहजहांपुर को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के खिलाफ मादक द्रव्य अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत कर आगे की कार्यवाही अमल में लायी जा रही है। इससे पहले आरोपी का भाई मान सिंह निवासी बिलसंडा, शाहबाद, हरदोई, उप्र स्मैक का धंधा करता था और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

बदमाश हिमांशु उर्फ भाउ के खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस

चंडीगढ़। इंटरपोल ने विदेश में रह रहे वांछित बदमाश हिमांशु उर्फ भाउ के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया है ताकि उसे गिरफ्तार कर भारत लाया जा सके।

हरियाणा पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि रोहतक पुलिस ने उक्त बदमाश को लेकर वापस लाने के लिये इंटरपोल से सम्पर्क किया था। भाउ पर हत्या, हत्या का प्रयास, नूट, धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक षड्यंत्र, जबरन वसूली, अवैध हथियार आदि से सम्बंधित रोहतक, दिल्ली और झज्जर में कम से कम 18 मामले दर्ज हैं। हरियाणा पुलिस ने उस पर 1.55 लाख रुपये का इनाम घोषित किया है। वह रोहतक, झज्जर और दिल्ली पुलिस की अति वांछित अपराधियों की सूची में शामिल है। रोहतक और दिल्ली की अदालतों ने उसके गिरफ्तारी वारंट जारी किये हैं। वह नीरज बवाना और नवीन बाली गिरोह से सम्बंध रखता है और विदेश में बैठ कर यहां अपने साथियों के माध्यम से व्यापारियों को व्हाट्सऐप संदेश भेज कर रंगदारी का रैकेट चला रहा है। पुलिस उसके ठिकानों पर गत 13 अप्रैल से 10 जून के बीच मारे गये छापों में 79 मोबाईल फोन, 50 सिम कार्ड, सात लाख रुपये नकद, दो मोटरसाइकिल, 16 कारतूस, नौ आधार कार्ड, 13 पेटी शराब देशी, विदेशी मुद्रा, एटीएम कार्ड, पासपोर्ट, बैंक दस्तावेज, डायरी/नोटबुक आदि सामान बरामद कर चुकी है।

जेयू की विज्ञान शाखा के विभागाध्यक्ष का इस्तीफा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस द्वारा डॉ. बुद्धदेव साव को जादवपुर विश्वविद्यालय का अंतरिम कुलपति नियुक्त करने के एक दिन बाद रविवार को वहां की विज्ञान संकाय के विभागाध्यक्ष सुबिनॉय चक्रवर्ती ने इस्तीफा दे दिया। आधिकारिक सूत्रों ने आज बताया कि इस बीच, शहर पुलिस ने 10 अगस्त को बंगाली ऑनर्स प्रथम वर्ष की छात्र की रहस्यमय मौत के मामले में और अधिक संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि चक्रवर्ती कथित रैगिंग के कारण नाबालिग छात्र की मौत के मामले में जेयू की आंतरिक जांच कर रहे थे।

जी 20 की चौथी बैठक मानेसर, गुरूग्राम व नूंह में तीन से सात सितम्बर तक

चंडीगढ़। हरियाणा जी-20 की चौथी बैठक की तीन से सात सितम्बर तक मानेसर, गुरुग्राम और नूंह में मेजबानी करेगा।

राज्य के मुख्य सचिव संजीव कौशल बैठक की तैयारियों की समीक्षा के बाद यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग-48 रामपुरा से आईटीसी ग्रांड भारत नूंह तक सड़क के मजबूतीकरण कार्य की भी विस्तार से समीक्षा की और सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव एवं महानिदेशक, सूचना, जन सम्पर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग डॉ. अमित

अग्रवाल ने बताया कि बैठक के दूसरे दिन हरियाणा की समृद्ध एवं खुशहाल संस्कृति को दर्शाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों की तैयारियां की जा रही हैं। वहीं बैठक में गुरुग्राम जिला उपायुक्त निशांत यादव ने बताया कि रोड कारपेटिंग, ड्रेन सफाई, फ्लाईओवर वाल पेटिंग एवं कर्ब स्टोन रिपेयरिंग आदि का कार्य किया जा रहा है जिसे जल्द पूरा कर लिया जाएगा। इसके अलावा रामपुरा से आईटीसी ग्रांड भारत नूंह तक सड़क की रिकारपेटिंग और स्ट्रीट लाईट लगाने का कार्य भी किया जा रहा है।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव(एसीएस) आनंद मोहन शरण, महानिदेशक(विदेश सहयोग) अशोक मीणा, जी-20 नोडल अधिकारी डा. आदित्य दहिया सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर, एसीएस जी. अनुपमा, एसीएस ए. के. सिंह, गुरूग्राम निगमायुक्त पी. सी. मीणा, नूंह जिला उपायुक्त धीरेंद्र खडगटा ऑनलाईन बैठक में जुड़े।

हैदराबाद में भीख मांगने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 10 गिरफ्तार

हैदराबाद। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में पुलिस ने भीख मांगने वाले 10 सदस्यीय गिरोह को गिरफ्तार किया है जो धर्मार्थ गतिविधियों के नाम पर जनता को धोखा दे रहे थे।

पुलिस ने गिरोह के कब्जे से कुल 1,38,262 रुपये नकद जब्त किए, जिसमें सिक्के, तीन मोबाइल फोन, संपत्ति के दस्तावेज, अम्मा चेयुथा फाउंडेशन के पांच आईडी कार्ड, दो तिपहिया वाहन और अन्य सामान शामिल हैं।

विश्वसनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए, आयुक्त के टास्क फोर्स, दक्षिण-पूर्व क्षेत्र टीम, हैदराबाद ने मलकपेट पुलिस के सहयोग से

मूसारामबाग एक्स रोड, मलकपेट में 10 सदस्यों वाले भीख मांगने वाले गिरोह को गिरफ्तार किया।

रविवार को पुलिस के एक बयान में कहा कि अम्मा चेयुथा फाउंडेशन के नाम से गिरोह भीख मांग कर लोगों को गुमराह कर रहा था, जबकि धन का उपयोग व्यक्तिगत विलासिता और दैनिक खर्चों के लिए किया जा रहा था।

केथवथ रवि और केथवथ मंगू नामक भाईयों ने 2020में एल.बी.नगर के मंसूराबाद में कामिनेनी अस्पताल के पास स्थित अम्मा चेयुथा फाउंडेशन के संस्थापक गद्दी गणेश से बातचीत करने के बाद एक योजना तैयार की थी जिसमें फाउंडेशन के प्रतिनिधियों के रूप में धन मांगना शामिल था, जिसमें विकलांग व्यक्तियों का समर्थन करने का दावा किया जाता था।

गद्दी गणेश ने दोनों को धन एकत्रित करने वाला बक्सा, आईडी कार्ड और अम्मा चेयुथा फाउंडेशन का विजिटिंग कार्ड प्रदान किया और उन्हें दान के नाम पर पैसे इकट्ठा करने का निर्देश दिया गया। इन निर्देशों के अनुरूप, रवि और मंगू ने बेरोजगार महिलाओं, छात्रों और गृहिणियों को कमीशन के आधार पर नियुक्त किया।

प्रत्येक शाम, वे इन किराए के लोगों को अम्मा चेयुथा फाउंडेशन का घन संग्रह बक्सा, आईडी कार्ड और विजिटिंग कार्ड देते थे।

इसके बाद महिलाएं जुड़वां शहरों में भीड़भाड़ वाले ट्रैफिक जंक्शनों पर फाउंडेशन के नाम पर राहगीरों से पैसे मांगती थी। रात 9 बजे के बाद, महिलाओं को उसी ट्रैफिक जंक्शन से इकट्ठा किया जाता था और घर वापस भेज दिया जाता था।

ईरम हत्याकांड का खुलासा : जिसके साथ निकाह किया उसने ही दी मौत

एजेंसी

नैनीताल। उत्तराखंड की नैनीताल पुलिस ने मुरादाबाद की ईरम हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। उसकी हत्या जहर देकर की गयी। पुलिस ने हत्या के आरोप में मृतक के पति को गिरफ्तार कर लिया है।

नैनीताल की पुलिस क्षेत्राधिकारी विभा दीक्षित ने रविवार को इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि विगत एक अगस्त को तल्लीताल के एक होटल से उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद निवासी ईरम खान नामक युवती का शव बरामद हुआ था। उसका साथी गुलजार फरार हो गया था। होटल प्रबंधक की शिकायत पर पुलिस ने दरवाजा तोड़ कर शव को कब्जे में ले लिया। साथ ही फोरेंसिक की टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्रित किये।

पुलिस ने अगले दिन मृतका की बहन फरहीन वारसी निवासी मुरादाबाद उप्र की शिकायत पर अभियोग पंजीकृत जांच शुरू कर दी। तहरीर में मृतका का अपहरण और हत्या के मामले में गुलजार के अलावा तीन अन्य लोगों के नाम दर्ज हैं।

शार्ट न्यूज

बार में दूसरे राज्य की पिलाई जा रही थी शराब: 4 को किया गिरफ्तार

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के नियमों की धज्जियां उड़ाए जाने की खबर सामने आई है। यहां पर दूसरे राज्यों से शराब तस्करी कर ग्राहकों को परोसे जाने की सूचना पर आबकारी विभाग की टीम ने कार्रवाई की है। आबकारी विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में बार पर छापेमारी करते हुए दूसरे राज्यों की अंग्रेजी शराब बरामद की गई है। इस दौरान मौके से बार संचालक समेत चार लोगों को भी गिरफ्तार किया गया। बताया जा रहा है इस बार में हरियाणा राज्य से अंग्रेजी शराब और बीयर लाकर ग्राहकों को परोसी जा रही थी। जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार ने बताया कि जिले में आबकारी विभाग लगातार अवैध शराब और ओवर रेटिंग को लेकर कार्रवाई कर रहा है। जिसको लेकर आबकारी विभाग समय समय पर शराब विक्रताओं को लगातार सचेत भी करता रहता है। इसी क्रम में आबकारी विभाग ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जोकि अन्य राज्य की शराब को अवैध रूप से अपने राज्य में लाकर पिला रहे थे। आबकारी विभाग गोपनीय सूचना मिली कि ग्रेनो वैसे एक बार में अवैध रूप से दूसरे राज्य की शराब लाकर ग्राहकों को परोसी जा रही है।

पुलिस ने ईसीएम चुराने वाला गैंग पकड़ा

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस ने एक रात में 27 गाड़ियों के इंजन कंट्रोल मॉड्यूल चुराने वाला गैंग आखिरकार पकड़ लिया। तीन आरोपी गिरफ्तार हैं। ये हर रोज आधी रात को गाड़ियां लेकर निकलते थे और घरों के बाहर खड़ी गाड़ियों के शीशे तोड़कर उसके ईसीएम दिल्ली के कबाड़ी को बेच देते थे। इंदिरापुरम क्षेत्र के एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया, रविवार को पुलिस ने तीन बदमाशों को शिप्रा मॉल सर्विस रोड से गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान राहुल निवासी हसनपुर अमरोहा, राजकुमार उर्फ राजू निवासी न्यू अशोक नगर दिल्ली और धनिश डोंगरा निवासी न्यू कौंडली दिल्ली के रूप में हुई है। इनसे 12 ईसीएम, 10070 रुपए, वैगनआर कार और गाड़ियों के शीशे व लॉक तोड़ने वाले औजार बरामद हुए हैं। पूछताछ में आरोपियों 2 और 3 अगस्त की रात इंदिरापुरम क्षेत्र से 20 से ज्यादा गाड़ियों के ईसीएम चुराने की बात कुबूली है। आरोपियों ने बताया, वे हर रोज अपनी गाड़ी पर नंबर प्लेट बदलकर चलते थे और घरों के बाहर खड़ी गाड़ियों के बराबर में अपनी गाड़ी खड़ी कर देते थे। इसके बाद नुकीले औजार से गाड़ी की अगली सीट का छोटा शीशा तोड़ते थे। इसके बाद उस टूटे हुए हिस्से के अंदर हाथ डालकर गाड़ी का दरवाजा ओपन करके अंदर बैठ जाते थे।

गाजियाबाद में स्प्रे पेंट शॉप में लगी आग

गाजियाबाद। गाजियाबाद के लोनी बॉर्डर इलाके में रविवार दोपहर स्पेयर पार्ट्स की स्प्रे पेंट शॉप में आग लग गई। शुक्र रहा कि साप्ताहिक छुट्टी की वजह से दुकान में कोई मौजूद नहीं था। फायर फाइटर्स ने पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया, दोपहर 13: 21 बजे लोनी फायर स्टेशन पर एक सूचना प्राप्त हुई। तत्काल दो फायर टेंडर गांव बेहटा हाजीपुर में कैनाल रोड पर स्पेयर पार्ट्स की स्प्रे पेंट शॉप के लिए रवाना की गईं। मौके पर पहुंचकर देखा तो आग एक लगभग 300 वर्ग मीटर के प्लॉट में पिछले भाग में भूतल पर बनी शॉप में लगी हुई थी। सीएफओ ने बताया, ये आग संभवतः शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी। दुकान मालिक भूरा निवासी मुस्तफाबाद या उसका कोई कर्मचारी आज दुकान पर उपस्थित नहीं था। इसकी वजह ये थी कि रविवार को यहां पर साप्ताहिक अवकाश रहता है और ज्यादातर दुकानें बंद रहती हैं। इसलिए इस अग्निकांड में कोई जनहानि नहीं हुई। दोपहर पौने तीन बजे आग बुझाकर फायर टेंडर लौट गए।

गाजियाबाद की फर्म के 3 डायरेक्टरों पर एफआईआर

गाजियाबाद। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने 8.75 करोड़ रुपए के बैंक ऋण धोखाधड़ी में गाजियाबाद की दो निजी कंपनियों और उनके अधिकारियों पर केस दर्ज किया है। सीबीआई ने बताया, जांच एजेंसी को 13 मार्च 2023 को पंजाब नेशनल बैंक भीकाजी कामा पैलेस दिल्ली के असिस्टेंट जनरल मैनेजर संदीप भटनागर ने शिकायत की थी। बैंक ने दावा किया कि उसे 8.75 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। एफआईआर के अनुसार, गाजियाबाद में गुलमोहर ग्रीन्स स्थित कंपनी एकॉर्ड फर्निशिंग प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक नीरजा दीक्षित, अश्विनी दीक्षित, रजत कुमार अरोड़ा आदि ने धोखाधड़ी की। आरोप है कि साल 2015 में नीरजा और अश्वनी ने 1.40 करोड़ रुपए की कैश क्रेडिट ऋण सुविधा की मांग करते हुए बैंक से संपर्क किया। बैंक ने अनुरोध को मंजूरी दे दी और आरोपी को 1.40 करोड़ रुपए का ऋण (कैश क्रेडिट) वितरित किया। ऋण सुविधाओं को और अधिक सुरक्षित करने के लिए उन्होंने कुछ संपत्तियां गिरवी रख दीं। साल 2016 में आरोपियों ने अपनी कैश क्रेडिट सीमा को 1.40 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 2.75 करोड़ रुपए करने के लिए फिर से बैंक से संपर्क किया, जिसे बैंक ने स्वीकार कर लिया। उसी साल आरोपी व्यक्तियों ने फैक्ट्री स्थापित करने के लिए मशीनरी और अन्य संपत्तियों की खरीद के लिए 1.40 करोड़ रुपए की टर्म लोन सुविधा का भी लाभ उठाया।

पिता-पुत्र को बंधक बनाकर बेहरमी से पीटा

मोदीनगर। मोदीनगर की कृष्णा नगर कॉलोनी में मामूली बात पर दबंगों ने बंधक बनाकर दो लोगों पर धारादार हथियार से वार कर घायल कर दिया। दोनों को गंभीर हालात में दिल्ली के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गांव सीकरी खुर्द निवासी आशु दूध के 1300 रुपये देने के लिए मोदीनगर की कृष्णानगर कॉलोनी में गया था। बताया जा रहा है कि वहां पर आशु ने नाली पर पेशाब कर दिया। इस बात से नाराज होकर दबंगों ने आशु के साथ मारपीट कर दी। घर पहुंचकर उसने यह बात परिजनों को बताई। इसके बाद उनके पिता वीर सिंह अपने भाई राजेन्द्र व आशु को लेकर बातचीत करने के लिए कृष्णानगर कॉलोनी स्थित दूध की डेयरी पर पहुंचे। जैसे ही वह डेयरी के अंदर पहुंचे तो वहां पर पहले ही मौजूद कई लोगों ने तीनों को बंधक बना लिया। आरोप है कि बंधक बनाकर तीनों को बेहरमी से पीटा और धारदार हथियार से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। चिल्लाने पर लोगों को आता देखकर आरोपी मौके से फरार हो गए। परिजनों ने तीनों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। हालात गंभीर होने पर वीर सिंह को दिल्ली के लिए रेफर कर दिया गया। इस संबंध में अमित कुमार ने मोदीनगर थाने में तहरीर दी है। इस मामले में एसीपी मोदीनगर ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि तहरीर के आधार पर जगपाल सिंह, राजकुमार उर्फ बबलू, सौरभ व पांच अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। उनकी तलाश शुरू कर दी गई है।

तेज रफ्तार बस ने युवक को मारी टक्कर, मौत

मोदीनगर। मोदीनगर में दिल्ली मेरठ मार्ग पर गांव सीकरी कलां के पास सुबह सात बजे के आसपास तेज रफ्तार बस ने एक युवक को कुचल दिया। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि रविवार सुबह सात बजे के आसपास दिल्ली मेरठ मार्ग पर गांव सीकरी कलां के पास एक युवक सड़क पर जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार बस आई और युवक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही युवक कई फीट उछलकर काफी दूर जा गिरा। लोगों ने तुरन्त उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसीपी मोदीनगर ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस ने बस को कब्जे में ले लिया है। उन्होंने बताया कि स्थानीय सभासद की तहरीर पर मुकदमा लिखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि सभी थानों में शिनाख्त के लिए फोटो भेज दिया गया है। मुरादनगर दिल्ली मेरठ मार्ग पर दुहाई के पास तेज रफ़्तार ट्रक ने कार में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कार क्षतिग्रस्त हो गई। मेरठ निवासी अजब सिंह अपने दोस्तो के साथ दिल्ली के शाहदरा जा रहे थे। जब वह दिल्ली मेरठ मार्ग पर दुहाई गांव के निकट पहुंचा तो पीछे से तेज रफ्तार ट्रक चालक ने कार को ओवरटेक करने के चक्कर में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कार क्षतिग्रस्त हो गई। कार सवार युवकों ने ट्रक चालक की पिटाई करनी शुरू कर दी। वहां पर आस - पास के लोगों ने कार सवार युवकों को समझा बुझाकर मामला शांत किया।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने रोहिणी से किया छठवें वन महोत्सव का शुभारंभ

वनमहोत्सव कार्यक्रम के दौरान मंत्री गोपाल राय ने पेड़, वन एवं वन्यजीवों को नुकसान संबंधी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने के लिए लांच किया पोर्टल https://ghl.eforest.delhi.gov.in.

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय द्वारा आज उत्तर पश्चिम दिल्ली लोकसभा के सेक्टर - 15 ,रोहिणी से छठा वन महोत्सव की शुरूआत की गई। वनमहोत्सव कार्यक्रम के दौरान पेड़ , वन एवं वन्यजीवों को नुकसान पहुंचाने वाली रिपोर्ट पर त्वरित कार्यवाई करने के लिए एक पोर्टल फॉर ग्रीन हेल्पलाइन https://ghl.eforest.delhi.gov.in को लांच किया गया । गोपाल राय ने बताया की इस पोर्टल पर पेड़ काटने. वन भूमि पर अतिक्रमण,वन्यजीव अपराध आदि को लेकर शिकायतें की जा सकती है ,जिसपर त्वरित कार्रवाई की जायेगी। यह पोर्टल वन और वन्यजीव विभाग की कार्रवाई को त्वरित करने में मदद करेगा। कार्यक्रम में उत्तर पश्चिम दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के विधायक राजेश गुप्ता ,महेंद्र गोयल

,ऋतुराज गोविन्द ,जय भगवान , मुकेश अहलावत ,अजेश यादव ,धर्मपाल लाकड़ा ,शरद चौहान , आज़ादपुर मंडी के पूर्व अध्यक्ष आदिल अहमद खान ; पर्यावरण मित्र, आरडब्लूए के सदस्य और विभिन्न स्कूलों के ईको क्लब के बच्चों और शिक्षकों ने अपनी भागीदारी दर्ज कराई। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि दिल्ली के अंदर सीएम अरविंद केजरीवाल की सरकार बनने के बाद से लगातार प्रदूषण में गिरावट दर्ज की जा रही है और दिल्ली के अंदर हरित क्षेत्र (ग्रीन कवर) में काफी इज़ाफ़ा देखा गया है। आज दिल्ली के प्रदूषण स्तर में पिछले 8 सालो में लगभग 30 प्रतिशत से ज़्यादा की कमी देखी गई है।

दिल्ली के पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय द्वारा वन महोत्सव कार्यक्रम की शुरुआत पौधरोपण करके की गई। उसके बाद उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए उन्होंने बताया कि दिल्ली के ग्रीन बेल्ट को बढ़ाने और प्रदूषण को कम करने के लिए हर साल वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। प्रत्येक वर्ष वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत दिल्ली सरकार द्वारा ग्रीन एक्शन प्लान के तहत राज्य में वृक्षारोपण अभियान चलाया जाता है। इसी के चलते इस वर्ष समर एक्शन प्लान के बिन्दुओ में शामिल वृक्षारोपण महाअभियान को गति देने के लिए 9 जुलाई को आईएआरआई पूसा से शुरू हुए वन महोत्सव कार्यक्रम की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए छठा वन महोत्सव कार्यक्रम उत्तर पश्चिम दिल्ली लोकसभा के सेक्टर -15 , रोहिणी में मना रहे है ।

इलेक्ट्रॉनिक, प्लास्टिक और मेडिकल कचरे की न हो अवैध डंपिंग, निगम करे सुनिश्चित

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली नगर निगम को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि राष्ट्रीय राजधानी में इलेक्ट्रॉनिक, प्लास्टिक और मेडिकल कचरे की अवैध डंपिंग नहीं हो। अदालत ने कहा कि चूक करने वाली इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति संजीव नरुला की खंडपीठ ने नागरिक निकाय को दिल्ली नगर निगम अधिनियम 1957 के तहत सभी दोषी इकाइयों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया है। पीठ ने कहा कि एमसीडी यह सुनिश्चित करेगी कि वैधानिक प्रावधान के विपरीत दिल्ली में इलेक्ट्रॉनिक, प्लास्टिक और मेडिकल कचरे की अवैध डंपिंग न हो। एमसीडी डीएमसी अधिनियम की धारा-416 के तहत सभी डिफ़ॉल्ट इकाइयों के खिलाफ उचित कार्रवाई करे और अन्य प्राधिकरण भी दिल्ली में सभी उल्लंघन करने वाली इकाइयों के खिलाफ कानून के अनुसार उचित कार्रवाई करेंगे। पीठ ने एमसीडी को पर्यावरण कानूनों के तहत वैधानिक प्रावधान का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने और मानदंडों का उल्लंघन करने वाली इकाइयों और गैर-औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यात्मक इकाइयों के खिलाफ शुरू की गई कार्रवाई को चार महीने के भीतर पूरा करने का भी निर्देश दिया। अदालत ने इलेक्ट्रॉनिक, प्लास्टिक और मेडिकल कचरे की अवैध डंपिंग के साथ-साथ अन्य तरह के प्रदूषण के कारण शहर के विभिन्न इलाकों में बन रहे गंभीर हालात के संबंध में प्राप्त एक पत्र को 2020 में स्वत-संज्ञान जनहित याचिका मानकर सुनवाई की थी। एमसीडी को निर्देश पारित कर हाईकोर्ट ने इसका निपटारा कर दिया।

गुरूग्राम के लिये 2574.40 करोड़ के बजट में अनेक अहम परियोजनाएं

गुरूग्राम। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) के वर्ष 2023-24 के लिये 2574.40 करोड़ रूपये के बजट को रविवार को यहां मंजूरी प्रदान की जिसमें गुरुग्राम शहर के विकास को गति देने के लिये कई महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल की गई हैं। खट्टर की अध्यक्षता में हुई बैठक में परिवहन मंत्री मूल चंद शर्मा, शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, बादशाहपुर के विधायक राकेश दौलताबाद तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्य सचिव संजीव कौशल वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

बजट में ढांचागत तंत्र सड़क, जलापूर्ति, सीवरेज, स्टोर्म वाटर आदि लिए 570.06 करोड़ रुपए, कैपिटल वर्क हेतु 1151.77 करोड़ रुपए जिसमें स्वास्थ्य सेवाएं विशेषकर शीतला माता मंदिर के लिए 300 करोड़ रुपए, शहरी पर्यावरण के लिए 36 करोड़ रुपए, ऑपरेशन एंड मेंटनेंस के लिए 538 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। वार्षिक बजट के लिए प्राधिकरण के पास 2043.17 करोड़ रुपए का राजस्व विभिन्न मदों से प्राप्त होगा साथ ही शेष 531.23 करोड़ रुपए की जरूरत पहले से उपलब्ध कोष से पूरी की जाएगी। बजट में शहर के विभिन्न क्षेत्रों तथा नए सेक्टरों की जलापूर्ति की मांग को लेकर 20.50 किलोमीटर लम्बी नई मास्टर वाटर सप्लाई लाईन का भी प्रस्ताव रखा है जिसके लिये 125 करोड़ रुपए मंजूर किये गये हैं। बसई जल शोधन संयंत्र पार्ट दो से 200 एमएलडी क्षमता की नई लाईन से सेक्टर 101, 104, 108, 110, 110 ए, न्यू पालम विहार, पालम विहार, सेक्टर 23, एनएच-48 को पार कर हुए साइबर हब आदि क्षेत्रों में जलापूर्ति होगी। इस लाइन के माध्यम से नए और पुराने शहर में जलापूर्ति की मांग को पूरा किया जा सकेगा।

बैठक में दौलताबाद के समीप सेक्टर 107 तथा नौरंगपुर के समीप सेक्टर 78 में प्रस्तावित नए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के लिए जमीन हस्तांतरण को स्वीकृति प्रदान की। सेक्टर 107 के एसटीपी के लिए 49.93 एकड़ भूमि नगर निगम गुरुग्राम तथा सेक्टर 78 में 40 एमएलडी क्षमता के एसटीपी के लिए नगर निगम मानेसर 3.75 एकड़ भूमि जीएमडीए को हस्तांतरित होगी।

गुरूग्राम ग्लोबल सिटी में दिखेगी मिनी बॉलीवुड की झलक

गुरूग्राम। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा है कि ग्लोबल सिटी गुरुग्राम में अंतरराष्ट्रीय स्तर का कला प्रदर्शनी का मंच बनाया गया है और अब वह दिन दूर नहीं जब यहां मिनी बॉलीवुड की झलक देखने को मिलेगी। खट्टर ने विश्व फोटोग्राफी दिवस पर यहां स्थित 'म्यूज़िओ कैमरा' संग्रहालय का दौरा करने पर कहा कि गत लगभग नौ वर्षों से प्रदेश की समृद्ध कला एवं संस्कृति को संजोय रखने के लिए प्रदेश की नई फिल्म नीति तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण ने निजी सार्वजनिक भागीदारी में समझौता कर इस विश्वस्तरीय संग्रहालय की स्थापना कराई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में संग्रहालय की स्थापना की सराहना कर चुके है जहां न केवल फोटोग्राफी बल्कि देश के राजनीतिक, सांस्कृतिक तथा सामाजिक इतिहास की जानकारी भी देखने को मिलती है। फोटोग्राफी में रुचि रखने वाले देश-दुनिया के फोटो प्रेमी तो यहाँ आएंगे ही बल्कि बॉलीवुड से भी फिल्म निर्माता और कलाकार भी यहां आएंगे। उन्होंने कहा कि फोटोग्राफी का आविष्कार फ्रांस के जोसफ निस्फोरे नैप्स ने 18वीं शताब्दी में किया था जो 21वीं शताब्दी तक पहुँचते यह एक विज्ञान का रूप ले चुकी है।

राजीव गांधी के जन्म दिवस पर मरीजो को फ़ल व छात्रों को खेल सामग्री व वस्त्र का वितरण किया गया

नई दिल्ली। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गाँधी के 79 वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष व पूर्व विधायक श्री जय किशन के नेतृत्व में दलित सामाजिक संगठनों, संस्थाओं व कर्मचारी यूनियनों के साथ काँग्रेस के कार्यकर्ताओं, ने संजय गाँधी मेमोरियल अस्पताल, बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल, भगवन महावीर अस्पताल, महर्षि वाल्मीकि अस्पताल, बाबू जगजीवन राम अस्पतालों में उपचारधीन मरीजों एवं उनके परिजनों को फल-फ्रूट वितरित किए गए तथा झुग्गी-झोंपड़ी बस्तियों में रहनें वाले गरीब बच्चों में खेल भावना को बढ़ावा देने के लिए उन्हें खेल सामग्री व वस्त्र वितरित की गई।

पूर्व विधायक श्री जय किशन ने कहा की स्वर्गीय श्री राजीव गाँधी देश के कंप्यूटर क्रांति के मशीहा थे जिसके कारण आज हमारा देश तकनीकी रूप से आत्म निर्भर है और उन्नत देशों की श्रेणी में हैं। युवाओं को 18 वर्ष की आयु में मताधिकार, महिला सशक्तिकरण, पंचायती राज, दलित ऐक्ट, रोजगार योजना, शिक्षा को बढावा के साथ देश के लिए बलिदान दिया! किसानों को आत्मनिर्भर बनाना उन्हीं की देन है! उन्होंने सबसे कम उम्र में देश के प्रधानमंत्री के रूप में इतिहास रच था।

उन्होंने कहा की आज की मौजदा सरकारें देश को खोखला कर रही है। पिछले कुछ महीनों से देखा गया है कि मणिपुर व हरियाणा के नूह मे सरकारें पूरी तरह से सुरक्षा करने मे नाकाम रही। भाजपा की केंद्र सरकार के मुखिया श्री नरेंद मोदी को आड़े हाथों लेते हुए कहा की इन नेताओं की कथनी और करनी में भारी अतंर है। इनके शासन काल में दलितों, गरीबों, दबे-कुचले लोगों की आवाज को दबाया जा रहा है। दलितो, किसानों, मजदूरों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए कोई कारगर योजना इनके पास नहीं है। आज महिलाए और युवाओं में दहशत का माहोल है। इनकी जनविरोधी नीतियों के कारण महंगाई व भष्टाचार चरम सीमा पर है। बेरोजगारी से आमजन त्रस्त है विकास ठप पड़े हैं। ये नेता लूट- खसोट की राजनीति करके अपना और अपनी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं की जेब भर रहे है। उन्होंने कहा की कांग्रेस ने हमेशा गरीबों, दलितों, असहाय महिलाओं, युवाओं मजदूरों, व किसानों का साथ दिया है और उनकी हरसंभव मदद की है! स्व. इंदिरा गाँधी, स्वर्गीय राजीव गाँधी, स्व. संजय गांधी, इसकी मिसाल है।

स्वर्गीय श्री राजीव गाँधी के जन्म दिवस पर फल-फ्रूट व् वस्त्र खेल सामग्री वितरित करने वालों में दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस महासचिव श्री राहुल ढाका, प्रदेश कांग्रेस सदस्य श्री वरुण ढाका, साधू राम मित्तल, दिवाकर मित्तल, ब्लाक अध्यक्ष चंदन सिंह, प्रमोद पांचाल, अशोक काले, शेर मोहमद, अहशान अली (पप्पू), शरीफ कुरैशी, महेश शर्मा, विजय प्रकाश खण्डेलवाल, मो. तौफीक सैफी, मो सुलेमान, विजय भारती, सूरज खण्डेलवाल, मोहन लाल खण्डेलवाल, दीपक चुन्नीलाल, जय किशन पहलवान, श्यामलाल, हरी लाल पहलवान, राजेन्द्र मास्टर, मधुबाला, लक्ष्मी, कमलेश भारती, ज्ञानवाती, प्रकाशी देवी, मंजु देवी, की अहम् भूमिका रही!

दिल्ली के सभी उपभोक्ताओं को 300 यूनिट बिजली मुफ्त क्यों नहीं दे रहे हैं केजरीवाल : वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से पूछा है कि वह दिल्ली की जनता को बताएं कि वह जो चुनावी वादे देश भर की जनता से करते रहते हैं, उन्हें दिल्ली में क्यों लागू नहीं कर रहे हैं। सचदेवा ने कहा है कि उत्तराखंड से शुरू होकर गुजरात, गोवा, कर्नाटक और अब छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में, अरविंद केजरीवाल सभी उपभोक्ताओं को 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने का वादा कर रहे हैं। 3000 बेरोजगारी भत्ता, रु. सभी वयस्क महिलाओं के लिए 1000 रुपये, मुफ्त परीक्षण, दवा, नए अस्पतालों के साथ ऑपरेशन, अस्थायी और तदर्थ कर्मचारियों का नियमितीकरण और संविदा नौकरियों की समाप्ति।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने अरविंद

केजरीवाल से पूछा है कि वह दिल्लीवासियों के साथ-साथ छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के लोगों को भी बताएं कि वह दिल्ली के सभी उपभोक्ताओं को 300 यूनिट बिजली मुफ्त क्यों नहीं दे रहे हैं।

केजरीवाल सरकार केवल 200 यूनिट बिजली मुफ्त दे रही है, वह भी उन लोगों को जो केवल 200 यूनिट तक की खपत करते हैं, 201 यूनिट खपाने वाले उपभोक्ता को एक भी यूनिट फ्री नही मिलती। अन्य किसी वर्ग के उपभोक्ताओं को कोई मुफ्त बिजली नहीं दी जाती है और दिल्ली की कमर्शियल बिजली दरें देश में सर्वाधिक हैं।

इसी तरह, केजरीवाल सरकार दिल्ली में कोई बेरोजगारी भत्ता नही देती ना ही वयस्क महिलाओं को कोई वजीफा नहीं देती है और न ही उनकी सरकार ने पिछले 8 वर्षों के दौरान दिल्ली सरकार सचिवालय के एक भी कर्मचारी को नियमित किया है।

दरअसल, दिल्ली सरकार के कार्यालयों, स्कूलों, अस्पतालों आदि में सफाई, गार्ड, नर्सिंग स्टाफ, डेटा ऑपरेटर और शिक्षक जैसी कई सेवाएं भी अनुबंधित कंपनियों के माध्यम से ली जाती हैं। यहां तक कि दिल्ली की बस सेवा भी निजी क्लस्टर बसों पर निर्भर है।

लोहा पुल की जर्जर सड़क बनाने का रास्ता साफ, रेलवे विभाग ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। यमुना नदी पर बने लोहा पुल की जर्जर सड़क को बनाने का रास्ता साफ हो गया है। रेल विभाग ने पीडब्ल्यूडी को सड़क बनाने की मंजूरी दे दी है। उम्मीद है कि अब जल्द ही इस सड़क का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। गांधीनगर आरडब्ल्यूए ने करीब साल भर पहले पूर्वी दिल्ली के सांसद गौतम गंभीर से पत्र के माध्यम से जर्जर सड़क का निर्माण करने की गुजारिश की थी। मुकेश स्वामी ने सांसद को अवगत कराया था कि लोहा पुल की सड़क बेहद जर्जर है। इस पर गड्ढे बन गए हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। सड़क पर गड्ढे होने के कारण यातायात भी धीमा रहता है। सांसद गौतम गंभीर ने रेलवे को पत्र लिखकर समस्या के समाधान की अपील की थी। गंभीर ने जानकारी देते हुए बताया कि रेलवे ने पीडब्ल्यूडी को सड़क बनाने की मंजूरी दे दी है।

रजिस्ट्री, पजेशन के लिए गौतम बुद्ध नगर में प्रदर्शन

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के ग्रेनो वेस्ट में घर खरीदारों का प्रदर्शन हर रविवार को लगातार जारी है। 36वें हफ़्ते बड़ी संख्या में लोग अलग-अलग सोसायटी से पहुंचे जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकार से जल्द से जल्द घरों के पजेशन दिलाने और रजिस्ट्री की मांग पूरा करने की बात कही।

रविवार को ग्रेटर नोएडा के बिसरख थाना क्षेत्र के ग्रेनो वेस्ट में घर खरीदारों ने एक बार फिर प्रदर्शन किया। आंदोलन में अहम भूमिका निभा रहे मिहिर गौतम ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन जारी है। उन्होंने कहा 36 हफ्ते कम नहीं होते हैं। प्रदर्शन के बारे में सबको पता है लेकिन हल अभी तक नहीं निकला है।

विरोध प्रदर्शन में इको विलेज 1, इको विलेज 2, इको विलेज 3, कासा ग्रीन्स वन, संस्कृति, रक्षा अडेला, ऐपेक्स गोल्फ़ एवेन्यू, श्री राधा एक्रा गार्डन, वीवीआईपी होम्स, अजनारा होम्स, ऐश्वर्यम, देविका गोल्ड होम्ज़ सहित कई सोसायटियों से बड़ी संख्या में घर ख़रीदार शामिल हुए।

ग्रेटर-नोएडा में दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा की ईकोटेक 3 थाना पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है।

आरोपी ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने के बाद पीड़िता को जान से मारने की धमकी दी थी और उसके सोने के कुंडल व चैन हड़प लिए। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

ईकोटेक 3 थाना पुलिस से एक युवती ने शिकायत करते हुए बताया कि उसके पड़ोस में रहने वाले आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया।

जब उसने इसका विरोध किया तो आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी और युवती के 10 ग्राम की सोने की चैन और 4 ग्राम के सोने में कुंडल हड़प लिए। कहा कि अगर किसी से इस घटना के बारे में बताया तो जान से मार देगा।

पीड़िता ने एक-दो दिन किसी को इस बारे में नहीं बताया, लेकिन फिर अपने भाई को इस पूरी घटना के बारे में जानकारी दी।

ग्रेटर नोएडा में फर्जी फाइनेंस कंपनी बनाकर लोगों से ठगी

6 आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, करोड़ों की कर चुके हैं ठगी

गौतम बुद्ध नगर। नोएडा के सेक्टर-63 थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। लोगों को लोन दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गैंग का भंडाफोड़ करते हुए मुख्य आरोपी समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपी फर्जी कॉल सेंटर चलाकर और फर्जी फाइनेंस हब ग्रुप नाम की कंपनी से लोगों को लोन दिलाने और कमीशन के नाम पर ऑनलाइन पैसे जमा कराकर ठगी किया करते थे।

पकड़े गए आरोपियों के पास से पुलिस ने भारी मात्रा में कंप्यूटर, मोबाइल,

लग्जरी कार और लोन के फर्जी पेपर बरामद किए हैं। साथ ही पुलिस ने आरोपियों के अलग अलग बैंक खातों में जमा लगभग साढ़े 14 लाख रुपए फ्रिज किए हैं।

मोबाइल, डेस्कटाप और कम्पयूटर बरामद हुए

सेंट्रल नोएडा के ऑडिशन डीसीपी डॉ राजीव दीक्षित ने बताया कि इन आरोपियों के द्वारा सेक्टर-63 में एक फर्जी काल सेन्टर खोलकर व एक फर्जी कम्पनी FINANCE HUB GROUP नाम से चलाकर जनता के लोगों को लोन दिलाने के नाम पर उनसे फाइल चार्ज व लोन अप्रूवल के कमीशन के नाम पर लोन की राशि के अनुसार 25500 रू से 30000/- रूपये रजिस्ट्रेशन एग्रीमेन्ट फीस के नाम पर लेकर फाईनेन्स हब ग्रुप के नाम से फर्जी अप्रूवल लेटर तैयार कर कस्टमर को दिखाकर रूपये की ठगी करते थे। इनके कब्जे से बरामद सभी मोबाइल, डेस्कटाप और कम्पयूटर बरामद हुए हैं। उन्होंने बताया कि यह काम आरोपी पिछले कई सालों से दिल्ली एनसीआर में ऑफिस की जगह बदल बदलकर करते आ रहे हैं। गिरोह का सरगना विपिन कुमार वर्ष 2014 में भी एक फर्जी काल सेन्टर में काम करता था।

संपादकीय

पहाड़ों पर ये कैसी आपदा

कभी जम्मू-कश्मीर तो कभी हिमाचल प्रदेश और कभी उत्तराखण्ड में दैवी आपदाओं की होड़ लगी है। ये आपदाएं प्रकृति की नाराजगी के स्पष्ट संकेत हैं जिन्हें हम पढ़ नहीं पा रहे हैं। यहां तक कि अपने ही वैज्ञानिकों और पार्यवरणविदों की चेतावनियों की अनदेखी की जा रही है, जिसका दुष्परिणाम हम जोशीमठ और शिमला में देख रहे हैं। इससे पहले प्रकृति का रौद्र रूप हम 2013 में केदारनाथ में देख चुके हैं। अमरनाथ में भी 1996 और 2012 में देख चुके हैं। नैनीताल में सन् 1880 में आए भूस्खलन में 151 लोगों के कानग्रस्त होने का इतिहास हम नहीं भूले हैं। अब वहां बनियानाला लोगों को बेचैन कर रहा है। भूस्खलन की जो भयावह तस्वीर शिमला की नजर आई वैसी ही आशंका पहाड़ों की रानी मसूरी में भी नजर आ रही है।

सन् 1864 में जब अंग्रेजों ने जाखू पर्वत पर अपनी ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाई थी तो उसकी आबादी मात्र कुछ सैकड़ों में थी। आजादी के बाद हुई जनगणना में वहां की आबादी 46,150 दर्ज हुई जो कि हिमाचल प्रदेश के पूर्ण राज्य घोषित होने पर 1971 में 56,032 हो गई। अब तक की नवीनतम 2011 की जनगणना में वहां की जनसंख्या 1,69,578 हो गई। सन् 2011 में मात्र 36 वर्ग किमी में फैले शिमला शहर का जनसंख्या घनत्व 4,800 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी हो चुका था।

शिमला नगर निगम के रिकार्ड के अनुसार इस छोटे से क्षेत्रफल में 32 वार्ड और 46,306 घर हैं। फिलहाल देश में नई जनगणना तो नहीं हुई मगर शिमला की वर्तमान जनसंख्या 2.32 लाख तक पहुंचने का अनुमान है। अब आप अनुमान लगा सकते हैं कि एक छोटा सा शिमला इतने अधिक लोगों और उनकी असीमित जरूरतों के बोझ को कब तक ढो सकेगा? आबादी बढ़ने के साथ ही नगर का विस्तार हो रहा है, जिसके लिए हरियाली और खास कर वृक्षों का पातन और उनकी जगह इमारतों के जंगल उग रहे हैं। नतीजतन अत्यधिक बोझ के बारण जमीन मकानों समेत खिसक रही है।

संकट केवल शिमला का नहीं है। हिमालय के लगभग सभी शहरों की स्थिति शिमला जैसी ही है। जोशीमठ हमारे सामने शिमला से भी ज्वलंत उदाहरण बन कर सामने आ गया था। इसरो और रिमोट सेंसिंग ऐजेंसी द्वारा इसी साल फरवरी में भूस्खलन की दृष्टि से भारत के जिन 147 जिलों का एटलस जारी किया है उनमें 108 जिले केवल हिमालयी राज्यों के हैं जिनमें सभी 13 जिले उत्तराखण्ड के तथा हिमाचल प्रदेश के 12 में से 10 जिले हैं। इसी तरह जम्मू-कश्मीर के भी 8 जिले संवेदनशील जिलों की सूची में इसरो ने शामिल किए हैं। संवेदनशीलता की दृष्टि से शिमला जिला 61 वें नम्बर पर है। जबकि उससे कहीं अधिक संवेदनशील मंडी, हमीरपुर, बिलासपुर, चम्बा और किन्नोर जिले हैं। जब ये स्थिति हम शिमला की देक्ष रहे हैं तो उसी हिमाचल के बाकी संवेदनशील जिलों पर मंडराते खतरे की कल्पना की जा सकती है।

इसरो और रिमोट सेंसिंग के नवीनतम भूस्खलन संवेदनशीलता एटलस पर गौर करें तो उत्तराखण्ड की स्थिति बेहद चिन्ताजनक नजर आती है। भूस्खलन की दृष्टि से देश के सर्वाधिक संवेदनशील जिलों में उत्तराखण्ड के रुद्रप्रयाग और टिहरी जिले हैं, जिन्हें नम्बर एक और दो पर रखा गया है। सन् 1998 में केदारघाटी के मनसूना और गौंडार क्षेत्र में कई गांव खिसक गए थे। उसी साल 18 अगस्त को पिथौरागढ़ के मालपा में हुए भूस्खलन में प्रोतिमा बेदी समेत लगभग 200 मानसरोवर यात्री और अन्य लोग मारे गए थे।

शिमला और जोशीमठ भविष्य के लिए प्रकृति की गंभीर चेतावनी है। इन दो नगरों की ही जैसी बाकी पहाड़ी नगरों की कहानी है। आर्थिक गतिविधियों के कारण पर्यटन, तीर्थाटन के महत्व के छोट से कस्बों में आस पास के गावों की जनसंख्या आकर्षित होने लगी और ये कस्बे धीरे-धीरे नगरों में बदलने लगे। प्रशासनिक दृष्टि से ब्लॉक, तहसील और जिला मुख्यालयों में जन सुविधाओं और आर्थिक कारणों से जनसंख्या बढ़ने लगी तो ये छोट कस्बे भी नगर और महानगर बनने लगे।

बैंक शुल्क सुधार

बैंकों द्वारा किसी भी वसूली को न्यायसंगत बनाने की कोई भी कोशिश सराहनीय है। वैसे तो बैंकों को स्वयं ही न्यायपूर्ण ढंग से काम करना चाहिए और जहां भी दंडात्मक शुल्क लगाने की जरूरत है, वहां तार्किकता से काम लेना चाहिए, पर आम तौर पर बैंक ऐसा नहीं करते हैं, इसीलिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को आवश्यक निर्देश जारी करना पड़ा है। ऋण पर दंडात्मक शुल्क और ब्याज दरों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक का यह कदम कारगर सिद्ध होना चाहिए। ऋण खातों में दंड शुल्क के संबंध में ये दिशा-निर्देश 1 जनवरी, 2024 से प्रभावी होंगे। हालांकि, अगर कोई वसूली गलत ढंग से या गलत मानसिकता के साथ की जा रही है, तो उसे जल्द से जल्द रोकने में कोई हर्ज नहीं है। पहली जनवरी 2024 तक न जाने कितने ग्राहकों से करोड़ों रुपये बैंक गलत ढंग से वसूल लेंगे। ऐसे जरूरी आर्थिक सुधारों को जल्द से जल्द लागू करने के प्रति उदासीनता ठीक नहीं है। अपने हित में कोई नया शुल्क वसूलने में बैंक जब देरी नहीं करते हैं, तब ग्राहकों के हित में किसी शुल्क सुधार के लिए उन्हें इतना समय क्यों मिलना चाहिए? भारतीय रिजर्व बैंक ने फेयर लेंडिंग प्रैक्टिस संबंधी अपनी ताजा अधिसूचना में बताया है कि मौजूदा दिशा-निर्देशों के तहत ऋण देने वाले संस्थानों को ब्याज की दंडात्मक दरें लगाने के लिए अपने बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीति लागू करने की स्वायत्तता है। मतलब कोई व्यक्ति अगर ऋण न चुका पाए, तो उस पर कितना दंड लगाना है, इसका निर्धारण बैंक अपने स्तर पर ही करते हैं। कोई बैंक ज्यादा दंड लगाता है और कोई कम लगाता है, लेकिन ज्यादातर बैंक ऋण न चुका पाने पर बहुत आक्रामक ढंग से व्यवहार करने के साथ ही भारी दंड वसूली के पक्ष में रहते हैं। अनेक बैंक तो लगाए गए आर्थिक दंड पर भी ब्याज वसूलते हैं। ऋण चुकाने में असमर्थ व्यक्ति दंड पर दंड भुगतता चला जाता है। भारतीय रिजर्व बैंक दंड वसूली के खिलाफ नहीं है, लेकिन वह चाहता है कि बैंक जायज रूप से वसूली करें। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि दंडात्मक ब्याज/शुल्क लगाने का इरादा अनिवार्य रूप से ऋण अनुशासन की भावना पैदा करना है और ऐसे शुल्कों का उपयोग ब्याज की अनुबंधित दर से अधिक राजस्व वृद्धि उपकरण के रूप में नहीं किया जाना चाहिए। झ्ठदिशा-निर्देश तो यह भी है कि बैंक ब्याज दर में कोई अतिरिक्त घटक शामिल नहीं करेंगे। बैंकों को अपने बोर्ड के स्तर पर नीति बनानी पड़ेगी। दंडात्मक शुल्क की मात्रा न्यायोचित होगी। व्यक्तिगत उधार और गैर-व्यक्तिगत उधार के लिए होने वाली शुल्क या दंड वसूली में समानता होगी। यह आम तौर पर देखा जाता है कि बैंक निजी या व्यक्तिगत या पर्सनल लोन के मामले में बहुत सख्त होते हैं, जबकि ऋण लेने वाले उद्योगपतियों या कंपनियों के प्रति उनका रवैया अपेक्षाकृत बहुत उदार होता है। ऋण न चुका पाने वाली कंपनियों के मामले में तो बैंक दंड, ब्याज और कई बार मूल ऋण राशि में भी भारी कमी कर देते हैं। मतलब, भारतीय रिजर्व बैंक के ताजा दिशा-निर्देश से आम लोगों या व्यक्तिगत कर्जदारों के साथ न्याय की संभावना बढ़ सकती है। यह बात जाहिर है कि बैंक सामान्य ग्राहकों से नाना प्रकार की वसूली करते हैं और अनेक बैंक तो मूलभूत सेवा में भी कमी बरतते हुए ग्राहकों को नुकसान पहुंचाते हैं। बैंकों को आम ग्राहकों के अनुरूप पूरी तरह ढलने के लिए अभी लंबा रास्ता तय करना है।

सुरक्षा बलों में बढ़ता टकराव गहन चिंता का विषय

तनवीर जाफ़री

मणिपुर गत सौ दिनों से भी अधिक समय से हिंसा की आग में झुलस रहा है। हिंसक वारदातों के इस लंबे दौर में हत्याएं, बलात्कार, महिलाओं की नग्न परेड, घर व बस्तियां जलाने, बड़ी संख्या में धर्मस्थलों को जलाने जैसी तमाम दुर्भाग्यपूर्ण अपराधिक घटनायें हो चुकी हैं। परन्तु इन सबसे भयावह वारदात है मणिपुर में उन पुलिस व सुरक्षाबलों का विभाजित हो जाना व उनपर पक्षपाती होने का आरोप लगना, जिनपर राज्य में हिंसा को रोकने का ज़िम्मा है। माना जा रहा है कि यदि सुरक्षा बालों में धार्मिक व जातीय आधार पर विभाजन न हुआ होता तो तो राज्य में इतना ख़ून ख़राबा हुआ होता न ही इतनी हिंसक वारदातें हुई होतीं। मणिपुर से इस तरह की ख़बरें हिंसा भड़कने के पहले दौर से ही आनी शुरू हो गयी थीं कि मैतेयी व कुकी समुदाय से सम्बन्ध रखने वाले राज्य पुलिस के सुरक्षा कर्मियों द्वारा अपने अपने समुदाय के लोगों को सरकारी हथियार बांटे गये। तो कहीं शह पाये हुए इन्हीं उपद्रवियों द्वारा थानों व शस्त्रागारों से हथियार लूट लिये गये। ज़ाहिर है जब उपद्रवियों के हाथों में संगीन सरकारी शस्त्र हों और स्वजातीय पुलिस कर्मियों का भी खुला साथ हो तो हिंसा के तांडव को भला राज्य की कौन से मशीनरी रोक सकती है?

परन्तु जब जब देश के किसी भी राज्य में किसी भी कारणवश हिंसाअत्यधिक बढ़ जाती है या इसकी संभावना होती है और हालात राज्य की पुलिस के नियंत्रण से बाहर प्रतीत होते हैं तो ऐसे में सरकार वहां शांति बहाली के लिये अर्ध सैनिक बल यानी पैरा मिलिट्री फ़ोर्स की टुकड़ियां आवश्यकतानुसार तैनात करती है। यह विश्वास किया जाता है कि अर्ध सैनिक बल निष्पक्ष रूप से कार्य करते हुये अपना कर्तव्यों का पालन करेंगे। अर्ध सैनिक बलों की टुकड़ियां किसी भी राज्य की पुलिस से अधिक प्रशिक्षित व आधुनिक शस्त्रों से लैस होती है। और यदि कहीं यह स्थिति अर्ध सैनिक बलों से भी नियंत्रित होती दिखाई नहीं देती तब वहां या तो सेना तैनात की जाती है या फिर राज्य पुलिस व अर्ध सैनिक बलों को शांति स्थापना के प्रयासों में सेना सहयोग करती है। हमारे देश में केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन संचालित होने वाले अर्ध सैनिक बल है- सीमा सुरक्षा बल, जोकि पाकिस्तान व बांग्लादेश से लगनी वाली सीमाओं पर तैनात रहती है। जबकि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यानी सी आई एस एफ़ का काम उद्योग एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम की सुरक्षा करना होता है। इसी प्रकार केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल अर्थात सी आर पी एफ़ की तैनाती उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में या आम चुनाव में की जाती है। इसी प्रकार भारत-तिब्बत सीमा पुलिस आई टी बी पी को तिब्बत व चीन की सीमा पर लगाया जाता है। जबकि राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड अर्थात एन एस जी को आतंकवाद के विरुद्ध होने वाले ऑपरेशंस में इस्तेमाल किया जाता है। इसी तरह सशस्त्र सीमा बल को देश की नेपाल व भूटान से लगी सीमा पर तैनात किया जाता है। अर्धसैनिक बालों की इसी श्रेणी में आने वाले एक प्रमुख सुरक्षा बल का नाम है असम राइफ़ल्स। लगभग 64 हज़ार जवानों पर आधारित असम राइफ़ल्स

का प्रशासनिक कार्य केंद्रीय गृह मंत्रालय देखता है जबकि इसका परिचालन रक्षा मंत्रालय द्वारा किया जाता है। असम राइफ़ल्स के प्रशिक्षण के अनुरूप इसे पूर्वोत्तर भारत के कई राज्यों तथा भारत-म्यांमार सीमा पर तैनात किया गया है। पूर्वोत्तर में पूर्व में भी होने वाली हिंसा या उथल पुथल को नियंत्रित करने में असम राइफ़ल्स की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसे देश के सबसे अच्छे सैन्य सुरक्षा संगठनों में एक माना जाता है।

यही असम राइफ़ल्स पूर्वोत्तर के अशांत राज्य मणिपुर में भी विगत कई वर्षों से तैनात है। प्रशिक्षण के मुताबिक़ इसे मणिपुर के कई क्षेत्रों विशेषकर पर्वतीय इलाक़ों व म्यांमार से लगती सीमा के क्षेत्रों में तैनात किया गया है। उधर मणिपुर पुलिस पक्षपात के आरोपों का सामना कर रही है। कुकी समुदाय का भरोसा मणिपुर पुलिस से पूरी तरह उठ गया है वहीं असम राइफ़ल्स के ऊपर यह समुदाय भरोसा जता रहा है। ठीक इसके विपरीत मैतेयी समुदाय के लोग यहाँ तक कि भारतीय जनता पार्टी के अनेक विधायक व नेता भी मणिपुर के कई अशांत क्षेत्रों में असम राइफ़ल्स की तैनाती का विरोध कर रहे हैं। ग़ौर तलब है कि मणिपुर की कुल आबादी में मैतेई लोगों की तादाद लगभग 53 प्रतिशत है। और राजनैतिक व आर्थिक रूप से भी मैतेई समुदाय काफ़ी सुदृढ़ स्थिति में है। ये गैर-जनजातीय समुदाय है। इनमें अधिकांशत: हिंदू समुदाय के हैं। जबकि कुकी और नागा समुदाय की कुल आबादी 40 प्रतिशत के क़रीब है। राज्य के कुल 60 विधायकों में से 40 विधायक मैतेई समुदाय के ही हैं। स्वयं राज्य के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह भी मैतेई समुदाय के हैं।

पिछले दिनों मणिपुर के मैतेई समुदाय से संबंधित 31 विधायकों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक पत्र लिखकर मणिपुर से असम राइफ़ल्स की 9वीं, 22वीं और 37वीं बटालियन को हटाने की मांग की। इन विधायकों ने अपने पत्र में असम राइफ़ल्स की कुछ इकाइयों द्वारा कथित रूप से निभाई गई भूमिकाओं को लेकर चिंता व्यक्त की और उनकी तैनाती को राज्य की एकता के लिए ख़तरा बताया। मणिपुर राज्य की भारतीय जनता पार्टी इकाई ने भी गत 7 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक ज्ञापन भेजकर कहा कि राज्य में शांति बनाए रखने में असम राइफ़ल्स की भूमिका की काफ़ी आलोचना हो रही है और सार्वजनिक आक्रोश देखने को मिल रहा है। भाजपा द्वारा प्रेषित इस ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि असम राइफ़ल्स निष्पक्षता बनाये रखने में असफल रही और जनता ये आरोप लगा रही है कि उनकी भूमिका पक्षपातपूर्ण है जिसमें वो एक समुदाय का समर्थन कर रहे हैं। दरअसल चूंकि असम राइफ़ल्स की तैनाती लंबे समय से प्राय: पहाड़ी और सीमा से लगते इलाक़े में है और यही कुकी बाहुल्य वाले इलाक़े भी हैं। इसी आधार पर कुकी और असम राइफ़ल्स के बीच घनिष्ठता का आरोप मैतेई समुदाय द्वारा लगाया जा रहा है।

ठीक इसके विपरीत कुकी समुदाय के भी दस विधायकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मणिपुर से असम राइफ़ल्स को न हटाने की अपील की है। कुकी विधायकों ने कहा है की यदि असम राइफ़ल्स को यहां से हटाया गया तो राज्य में कुकी व अन्य आदिवासी समुदाय की सुरक्षा ख़तरे में पड़ जाएगी। असम राइफ़ल्स को मणिपुर से हटाने की भाजपाइयों की मांग के बीच अब यह भी सुनाई देने लगा है कि मणिपुर हिंसा कथित रूप से सीमा पार यानी म्यांमार से प्रायोजित है। इस तरह की ख़बरें असम राइफ़ल्स की दक्षता पर भी सवाल उठाने की ग़रज़ से दुष्प्रचारित की गयी प्रतीत होती हैं। सुरक्षा बंदोबस्त को लेकर राज्य की तस्वीर बिलकुल साफ़ है कि मैतेई समुदाय को राज्य पुलिस पर विश्वास है, असम राइफ़ल्स पर नहीं जबकि कुकी व आदिवासियों को असम राइफ़ल्स पर विश्वास है मणिपुर पुलिस पर नहीं। और मणिपुर में फैली इस व्यापक हिंसा के मध्य इन दोनों ही सुरक्षा संगठनों के बीच टकराव के समाचार भी अब खुलकर सामने आने लगे हैं। उदाहरण के तौर पर मणिपुर पुलिस ने असम राइफ़ल्स के सैनिकों के विरुद्ध बिष्णुपुर ज़िले के फोउगाकचाओ इखाई पुलिस स्टेशन में कथित रूप से काम में बाधा डालने, चोट पहुँचाने की धमकी देने और ग़लत तरीक़े से रोकने की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। प्राथमिकी में आरोपित किया गया है कि असम राइफ़ल्स की 9वीं बटालियन के सैनिकों ने मणिपुर पुलिस के कर्मियों को अपना काम करने से रोका और कथित कुकी उग्रवादियों को सुरक्षित क्षेत्र में भागने का मौक़ा दिया।

ऐसे में सवाल यह है कि भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार के दौर में स्वयं सत्तारूढ़ दल के विधायकों व पार्टी द्वारा असम राइफ़ल्स जैसी देश की सीमाओं की रक्षा करने वाली एजेंसी के प्रति अविश्वास जताना और दूसरे कुकी आदिवासी समाज द्वारा इसी असम राइफ़ल्स के प्रति भरोसा करना और राज्य की उस पुलिस पर अविश्वास जताना जिसपर राज्य भर में शस्त्र बांटने और अपने शस्त्रागारों की रक्षा न कर पाने का भी इलज़ाम है और जो मणिपुर पुलिस सत्तारूढ़ भाजपा की भी पसंदीदा सुरक्षा एजेंसी है, यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थितियां आख़िर क्या संकेत देती हैं? मणिपुर में शांति के प्रयासों के मध्य सुरक्षा बलों के प्रति बढ़ता अविश्वास देश के संघीय ढांचे तथा पुलिस व सुरक्षा बलों के मनोबल के लिहाज़ से चिंतनीय भी है और यह शुभ संकेत भी नहीं है।

जीवन में स्पृहा, लोभ और लालच दिशाहीनता और विचलन के बड़े कारक

यदि मनुष्य के बाद बहुत सारा धन है उसमें से कुछ दान करता है तो यह बड़प्पन नहीं होगा अपितू यदि किसी के पास थोड़ी धन संपदा हो और वह उसमें से काफी कुछ अति जरूरतमंद लोगों को दान करता है तो यह मानवीय जीवन का श्रेष्ठ पहलू होगा। जियो और जीने दो तथा वसुधैव कुटुंबकम की भावना जिस मनुष्य समाज और देश में बलवती हो उस समाज की प्रगति को कोई रोक नहीं सकता है और वह समाज साधुवाद का पात्र होगा।मनुष्य में उत्साह से जीवन जीने की जिजीविषा होनी चाहिए। जीवन में आकस्मिकत परिवर्तनशीलता और निरंतर विकास की संभावनाओं की तलाश होती रहनी चाहिए। जो मनुष्य जीवन मानव जाति एवं समाज के समग्र कल्याण के लिए जीता है वह जीवन को सार्थकता की ओर अग्रसर करता है। शास्त्रों में पुनर्जन्म की व्याख्या की गई है यदि इस जन्म अच्छा कार्य करेंगे तो अगले जन्म आपको पुन: मनुष्य की योनि प्राप्त होगी और आप फिर से मनुष्य के रूप में जन्म लेंगे, पर मेरा यह मानना है की वर्तमान जीवन ही पहला और अंतिम जीवन है।इसलिए आने वाले जन्मों की परिकल्पना में यथार्थ से दूर भागना एक मिथ्या की तरह है। वर्तमान जीवन ही यथेष्ट है और इस जीवन में ही सर्वश्रेष्ठ अवदान देकर इस जीवन को मानव जीवन के कल्याण एवं सामाजिक व्यवस्था की बेहतरी के लिए किया गया कार्य ही जीवन की सफलता होगी। व्यक्ति के जीने के अलग-अलग दृष्टिकोण और उद्देश्य हो सकते हैं अलग-अलग लक्ष्य की प्राप्ति भी मनुष्य के जीवन की अवधारणा हो सकती है, कोई आर्थिक लाभ एवं धन उपार्जन को अपने जीवन का लक्ष्य मानकर चलता है, और कोई इज्जत आबरु और सम्मान के प्रति आकर्षण में बंध कर राजनीति के उच्चतम शिखर पर पहुंचने की कामना के प्रयास में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां करने के प्रयास में रहता है। कोई विज्ञान के प्रति, कोई व्यवसाय के प्रति, कोई कला के प्रति, कोई संस्कृति के प्रति जीवन जी कर लोगों से आगे निकलने का प्रयास करता है। जीवन के लक्ष्य जो भी हो पर उसमें प्रयासों की शुद्धता एवं सार्थकता सबसे ज्यादा मायने रखती है। मनुष्य को जिंदगी में उच्च मनोबल साहस संयम और तपस्या के साथ अपने जीवन के उद्देश्यों की पूर्ति का प्रयास करना चाहिए। जीवन में कार्य करने की प्रेरणा समसामयिक परिस्थितियों से जूझने की इच्छा शक्ति एवं असफलता में ना घबराने तथा प्रयास के लिए सदैव तत्पर रहने की अदम्य जिजीविषा के साथ संघर्ष में विजयी होने की कामना भी होनी चाहिए। मनुष्य के जीने की स्वच्छंद प्रवृत्ति केवल मनुष्य को आनंद एवं आम संतोष प्रदान कर सकती है पर ईश्वर के बनाए मनुष्य की परिणति सर्वथा इसके विपरीत है, मनुष्य को सदैव प्रयत्नशील होकर मानवीय संवेदनाओं को सहेज कर जगत के कल्याण के बारे में तन मन धन से प्रयास करना चाहिए तभी मनुष्य के जीने का लक्ष्य संपूर्ण रूप से प्राप्त हो सकता है। विभिन्न चिंतकों का मानना है कि जिंदगी एक रंगमंच है और हम सब अलग-अलग किरदार की तरह उसे निभाते चले जाते हैं। पर इस किरदार को निभाने में सच्चाई ईमानदारी प्रयत्नशीलता एवं संघर्षों के प्रति साहस जिंदगी को रुचिकर बनाकर आगे बढ़ने के प्रयास को द्विगुणित करते हैं।

कितना अजनबी,पराया सा दिखता है वो।

कितना अजनबी,पराया सा दिखता है वो।
अपनी सांसों में छुपा रखता है वो।
रोजाना रूबरू हो न नहो फिर भी।
जेहन में बसा रखता है वो।
कितनी मासूम है माशूका शायद ।
जाते वक्त वजूद छोड़ अपना जाता है वो।।
बेरुखी का आलम तो देखिए साहेब।
ख्यालों से अपने भिगा जाता है वो।।
इश्क तो रूहानी रिश्ता है जनाब ।
झुकता मैं हूं,सजदे करा जाता है वो।।
महकती रहे महकती सांसों की डोर,
धमनियों में लहू सा बहता रहता है वो।।
उसकी नेकी का सिला देखिये संजीव।
मुझ फकीर से याराना रखता है वो।।

संजीव ठाकुर
रायपुर

सर्पों की पूजा और उनका संसार

सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'

नागपंचमी का त्यौहार भारतवर्ष में बड़ी धूमधाम पूर्वक मनाया जाता है। इस दिन गांवों और शहरों में कुश्ती, दंगल के खेल अखाड़ों में आयोजित किये जाते हैं। बिलासपुर शहर में गोड़पारा स्थित मन्नुलाल अखाड़ा समिति द्वारा प्रतिवर्ष लालबहादुर शास्त्री स्कूल के मैदान में दंगल प्रतिस्पर्धा क आयोजन किया जाता है। गांव गांव में इस अवसर पर लोगों द्वारा नागपूजा की जाती हैं एवं नागों को दूध लाई खेतों एवं देवालयों में पिलाया एवं चढ़ाया जाता है। नागपंचमी का दिन अनेकानेक मंत्रों की सिद्धि के लिये बाबा गुनियाओं के लिए बड़ा महत्वपूर्ण होता है। वैदिक धर्म में नागपंचमी मनाने की कई प्रचलित, कथाएं हैं। फिर भी मंत्र साधना हेतु इस दिवस का विशेष महत्व होता है बैगा गुनिया लोग इस तिथि को पहली तिथिवार से यानी चौथ से लगा हुआ मानकर रात अपने शिष्यों को गुरुमंत्र देने की तैयारी में लगे रहते हैं मुख्यत: इस दिन को मंत्र सिद्धि के लिये अत्युत्तम माना जाता है। छत्तीसगढ़ में आदिवासियों की संख्य ज्यादा हैं। ज्यादातर गोड़ी संस्कृति के कारण यहां मंत्र तंत्र पर विश्वास रखने वाले अधिक मिलते हैं। बैगा-गुनिया लोग तथाकथित भूत प्रेत भगाने के लिये इस दिन तरह तरह के अनुष्ठान करना प्रारंभ कर देते हैं आज के वैज्ञानिक जीवन का इन क्रियाकलापों के बीच कोई प्रभाव नहीं जान पड़ता है। मुख्यत: इस दिन अरनी जंजीरामंच की सिद्धि की जाती है। इसके लिये एक वृद्ध आयोजन नगमल नामक प्रक्रिया से प्रारंभ होती है। महतो प्रक्रिया में जिसे पाठ पीढ़वा सौपना कहते हैं लगभग हर तीसरे गांव में आयोजित होता है पाठ पीढ़वा दरअसल में मंच सीखने और सिखाने वाले बैगा के बीच गुरुशिष्य परंम्परा को जारी रखने व देवता का सम्मानित करने की प्रथा है। इस समय एक नीम की लकड़ी का पीढ़ा बनाया जाता है और दीप, धूप घी, नारियल, आदि संकलित कर नागदेवता एवं इष्ट देवताओं की पूजा-अर्चना की जाती हैं फिर गुरु अपने मंत्रों को शिष्य अथवा कई शिष्यो के कानों में अलग अलग बोलकर दीक्षा देता हैं। सामान्यत: सांप, बिच्छू, हाथ-पांव, पेट, सिर आदि दर्द एवं भूतप्रेत उतारने भगाने वाले मंत्रों सहित बाबा गठिया एवं अन्य बीमारियों के निदान के लिये भी मंत्र देता है। बतौर उदाहरणार्थ पेटदर्द के लिये सिद्ध किया जाने वाला मंत्र निम्न उद्धत है जैसे-

अत्यर ऊपर पत्थर, पत्थर ऊपर गार बांधे, गौरी पार्वती घरे !!
पेट के लिये मोर फूंके, मोर गुरु के फूंके ।।
गुरु कोन महादेव पार्वती के फूंके।
पेट पीरा उड़िया जा ।।

उक्त मंत्र पढ़कर ही सिद्ध, नहीं किया जा सकता है। मंत्र साधना के पीछे कुछ बंदिशें भी रहती हैं अगर बंदिशों का उल्लंघन कर कोई, लोगों को ठगकर पैसा कमाने का उपाय करेगा तो उसक मंत्र शक्तिक्षीण हो जाती हैं यह मान्यता भी सर्वमान्य हैं। यह भी कहा जाता है कि अगर शिष्य गुरु को अपनी सेवा से प्रसन्न कर लेता हैं तो कठिन से कठिन मंत्र भी वह रुपांतरित कर अनपढ़ गंवार शिष्य को भी मंत्र प्रदान कर देता हैं। किसी मंत्र के लिये संस्कृत ज्ञान का होना जरुरी नहीं होता। शायद उक्त छत्तीसगढ़ी बोली में प्रस्तुत मंत्र को पढ़कर सहज ही में कोई विश्वास नहीं कर पायेगा फिर भी इस अंचल की लाखों ग्रामीण जनता की यही मान्यता और विश्वास का हस्तांतर साल दर साल नागपंचमी के अवसर पर होता आया है। यदि इस दिन कोई बैगा किसी कारण वश मंत्रों को शिष्यों में प्रसार नही कर पाता तो वह आने वाले भादो महीने के ऋषि पंचमी को जनहित के लिये अनेकशिष्यों को मंत्रों से पारंगत करता है। एक अन्य क्रिया नगमन की होती हैं इसकी प्रक्रिया वृद्धि रुपाकार में होती हैं इसमें नागपूजा के पहले दिन गांव के बाहर किसी मैदान को साफ सुथरा बनाकर उसे दलदली बना दिया जाता है, दूसरे दिन यानी पंचमी को सार्वजनिक रुप से शिष्यों को बुलाकर उन्हें मंत्र से भारित किया जाता है। गुरु द्वारा मंत्रभारित होते ही शिष्यगण उस मैदान में सर्प की तरह बोलने लगते हैं। इसके बाद बैगा अपने शिष्यों को गुरुदीक्षा भी देता है। नागपंचमी के दिन सामान्य ग्रामीण जन प्रात: होते ही दूधलाई लेकर खेतों, देवालयों में ले जाते हैं जहां नागदेवता (सांप) को दूध लाई प्रसाद के रूप में पिलाया जाता है एवं उनकी पूजा अर्चना भी की जाती है।. इस दिन प्राय: सभी हिन्दू घरों में भी नाग देवता की पूजा अर्चना की जाती हैं एवं पूजागृह में नागदेवता की आकृति गौमाता के गोबर से निर्मित की जाती है। कोई कोई घी, बंदन या रंग के द्वारा भी वासुकी एवं शेषनाग का काल्पनिक चित्र बनाते हैं। इसके बाद चंदन, बंदन फूल पत्रों से उनकी आरती एवं अराधना की जाती हैं नागपंचमी को किसान लोग प्राय: अपने खेतों में हल चलाने से परहेज रखते हैं। वे लोग इस दिन हल चलाना अच्छा नहीं समझते, हालांकि आजकल आधुनिक जमाने में हल की जगह ट्रेक्टर का उपयोग होने से इस मान्यता को आघात पहुंचा है। नागपंचमी की बात हो और सांपों की प्रजाति की बात न हो यह कैसे हो सकता हैं। विश्व भर में सांपों की लगभग पचीस सौ जातियां पाई जाती हैं, जिनमें से केवल बारह प्रतिशत जातियां की जहरीली होती है। अर्थात 2500 में से 200 जातियां ही ऐसी हैं जिनके काटने से मृत्यु होना संभव हैं शेष 2300 जातियों के सांपों में से कुछ में नाममात्र का जहर होता हैं, और कुछ में तो जहर होता ही नहीं। कम जहर वाले सांप के काटने से नशा भर हो सकता है। बिना जहर वाले सांप का काटना और कांटा चुभना एक बराबर हैं।

संसार का सबसे जहरीला सांप हैं आस्ट्रेलिया का टाइगर स्नेक, किंग कोबरा भी भयंकर जहरीला होता हैं। जितनी तेजी से सांप का जहर असर करता हैं, उससे भी अधिक तेजी से मनुष्य के मनोमस्तष्कि पर असर करता हैं सांप काटने का भय। अक्सर मृत्यु की वजह जहर और भय दोनों ही होते हैं. भय के कारण भी कई लोग मर जाते हैं। हमारे देश में केवल दो सौ से तीन सौ जहरीले सांप पाये जाते हैं। इनमें कोबरा, करैत, सास्केल, बाइपर और रसेल्स वाईपर आदि चार जातियां सर्वाधिक जहरीली होती हैं। इन चारों जातियों के सांपों का जहर मनुष्य को तो छोड़िये हाथी तक को मार डालने में सक्षम होता हैं। पदम, कालगण्डेस, संखचूड़, भदा, शेषनाग, कालीनाग, राजनाग, तामेश्वरी, फुलफगार, ऐराज, प्रहलाद, डीडूं, धामिन, रक्तवंशी, अजगर, सुआपंखी, जलेबिया और दुमई आदि सांपों की लगभग पचास जातियां ऐसी हैं, जिनके सांप जहरीले कम लेकिन ज्यादा खतरनाक होते हैं। सांप ठण्डे देशों में कम पाये जाते हैं और गर्म देशों में अधिक पाये जाते हैं। यही कारण है कि भारत, अफ्रीका, थाइलैंड और श्रीलंका में सांप अधिक होते हैं।

कम अधिक की बात छोड दे तो संसार में ऐसी कोई जगह नहीं हैं जहां सांप नहीं पाये जाते हैं। सरीसृप वर्ग का यह प्राणी जमीन पर भी रहता हैं, जमीन के नीचे भी, पानी में भी ये रहते हैं, और पेड़ों पर भी। सांप के सिर के दोनों ओर, आंखों के थोड़ा नीचे विषग्रंथि होती है। ऊपर जबड़े के आगे की ओर एक-एक विषदंत होता है विषदंतों में छेद होता हैं। विष ग्रंथियों से एक नली द्वारा विष, विषदंतों तक पहुंचता हैं। कोबरा और करैत के विषदंतों में एक विशेष प्रकार खाना होता हैं जबकि वाश्पर के विषदंत नली के आकार के होते हैं। कोबरा सर्प काले मटमैले रंग का होता हैं। इसके सिर पर छत्र सा होता हैं, और गले में श्वांस नली के ऊपर गाय के खुर जैसा सफेद निशान होता हैं इसी निशान की वजह से देहातों में इसे गरुखुर या गोखरु भी कहा जाता है। करैत की पीठ पर सफेद लकीर होती हैं ये लकीरें पूंछ की ओर से साफ होती हैं, तथा सिर की ओर हल्की होती हैं। इनके पूरे शरीर पर हीरे जैसे चिन्हें होते हैं।

वाइपर मोटा और भूरे लाल रंग का होता हैं। रसेल्स वाइपर को दबोइयां सांप के नाम से भी जाना जाता है। इसकी लंबाई डेढ़ मीटर तक होती हैं। यह मोटा इतना होता हैं कि पहली नजर से अजगर का बच्चा नजर आता हैं। इसका सिर मोटा, तिकोना और चौड़ा होता हैं। तथा थूथन छोटा होता हैं। नाक के छेद खुले और बड़े होते हैं। पुतलियां लंबी और आंखे बड़ी रहती हैं। रसेल्स वाइपर का रंग मटमैला, भूरा, पेट गोलाई पर और पूंछ छोटी होती हैं।

शार्ट न्यूज

टीला ढहने से बच्ची की मौत, दो घायल

औरैया। उत्तर प्रदेश में औरैया जिले के अजीतमल क्षेत्र के एक गांव में रविवार को लिपाई-पुताई के लिये मिट्टी खोदते समय अचानक मिट्टी का टीला ढह गया। जिससे मिट्टी खोद रही तीन बच्चियां उसमें दब गई। आनन फानन में उनको बाहर निकाल कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अजीतमल ले जाया गया। जहाँ डॉक्टरों की टीम ने एक बच्ची को मृत घोषित कर दिया जबकि दो की हालत गंभीर बनी हुयी है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जिले की अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के गांव हरपालपुर निवासी गंगाराम की पुत्री प्रीती (8) अपनी साथी प्रियंका पुत्री पुष्पलाल व कुंजन पुत्री दिलीप के साथ मकान की लिपाई-पुताई के लिये खेतों के पास टीले से मिट्टी खोदने गयी थी। मिट्टी खोदते समय अचानक टीला गिर गया। जिससे तीनों बच्चियां उसमें दब गई। आस पास मौजूद लोगों ने इसकी जानकारी परिजनों को देते हुए आनन-फानन बच्चियों को मिट्टी के मलबे से बाहर निकालने का प्रयास शुरू कर दिया। तीनों बच्चियों को मलबे से बाहर निकाल कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अजीतमल ले जाया गया जहां पर डॉक्टरों ने प्रीति को मृत घोषित कर दिया जबकि अन्य दो बच्चियों का उपचार शुरू किया। हादसे की जानकारी पर उपजिलाधिकारी संध्या शर्मा, सीओ अजीतमल भरत पासवान व कोतवाली प्रभारी मुकेश चौहान मौके पर पहुंचे।

जौनपुर में प्रेम प्रपंच मे युवक ने की आत्महत्या

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में बरसठी थाना क्षेत्र में युवक ने प्रेम प्रपंच के कारण बबूल के पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि क्षेत्र के बारीगांव के निवासी लालमणि सरोज का 17 वर्षी पुत्र रूपेश कुमार सरोज शनिवार को देर शाम तक जब घर नहीं पहुंचा तो परिवार के लोगों ने उसकी खोज भी शुरू किया। काफी खोजने के बाद आज सुबह घर से लगभग 300 मीटर दूर एक बबूल के पेड़ से साड़ी के गोटे से लटका उसका शव दिखायी पड़ा।सूचना पर थानाध्यक्ष बरसठी गोविंद देव मिश्रा सहयोगी के साथ मौके पर पहुंच गए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि युवक का उसकी मौसी के लड़की से काफी दिनों से प्रेम प्रपंच चल रहा था। इसी प्रेम प्रपंच के चलते उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। पुलिस ने लड़की को बुलाकर उसका बयान भी अंकित किया है।

कार पेड़ से टकरायी, एक मरा दो घायल

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश में फर्रुखाबाद जिले के अमृतपुर क्षेत्र में रविवार को गोवंश को बचाने के प्रयास में एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गयी। इस हादसे में कार सवार एक किशोर की मौत हो गई जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शाहजहांपुर जिले के थाना एवं कस्बा कलान के निवासी प्रवीण कुमार के घर पर खाटू श्याम संकीर्तन का कार्यक्रम शनिवार रात में हुआ था। कार्यक्रम में भाग लेकर फर्रुखाबाद जिले के शमशाबाद थाना एवं कस्बा निवासी मोहन (30) के साथ ही इसी कस्बे का निवासी प्रिंस (15) तथा कानपुर की निवासिनी संकीर्तन गायिका दिव्यांशी कार से घर लौट रहे थे कि अमृतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बली पट्टी रानी गांव के निकट एक गाय को बचाने के प्रयास में कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क समीपवर्ती खड़े एक पेड़ से जा टकराई। इस सड़क हादसे में कार सवार प्रिंस,मोहन तथा दिव्यांशी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को सीएचसी ले जाया गया जहां चिकित्सक ने प्रिंस को मृत घोषित कर दिया जबकि मोहन तथा दिव्यांशी को यहां से रेफर कर दिया गया।

विषाक्त टाफी खाने से बालिका की मौत

कौशांबी। उत्तर प्रदेश में कौशांबी जिले के कड़ा थाना क्षेत्र में विषाक्त टॉफी खाने से बीमार पड़ी चार लड़कियों में से एक और की बीती रात इलाज के दौरान मृत्यु हो गयी है। इस घटना में अब तक तीन बालिकाओं की मृत्यु हो चुकी है जबकि एक की हालत अभी भी गंभीर बनी हुयी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शीतला धाम कड़ा थाना क्षेत्र के सौरई बुजुर्ग गांव में 17 अगस्त को विषाक्त टॉफी खाने से चार लड़कियां बीमार हो गई थी जिन्हें इलाज के लिए प्रयागराज स्थित चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान दो सगी बहने साधना और शालिनी की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई थी। दो लड़कियों का इलाज चल रहा था। उन्होने बताया कि इलाज के दौरान शनिवार देर रात वर्षा रानी (6) पुत्री राजकुमार प्रजापति की मृत्यु हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस उपाधीक्षक अवधेश विश्वकर्मा ने बताया कि इस मामले में पहले ही आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

मथुरा में साधु वेशधारी ने की मासूम की हत्या

मथुरा। उत्तर प्रदेश में मथुरा जिले के गोवर्धन क्षेत्र में राधाकुंड परिक्रमा मार्ग पर गोपालकुंड के निकट एक साधु वेशधारी ने एक बालक की हत्या कर दी। बाद में परिक्रमा कर रहे लोगों ने उसकी जमकर पिटाई कर पुलिस के हवाले कर दिया। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर ओमहरि वाजपेयी ने बताया कि बालक के पिता की तहरीर पर मध्य प्रदेश के भिंड निवासी ओमप्रकाश (60) को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। पिटाई के कारण उसे फिलहाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्वस्थ हो जाने पर उसके द्वारा हत्या करने का कारण स्पष्ट हो सकेगा। घटनाक्रम के अनुसार राधाकुंड परिक्रमा में गोपालकुंड के पास सड़क पर खेल रहे अंकित (5) को साधुवेशधारी ओमप्रकाश ने पहले गोद में उठा लिया और फिर दिखावटी स्नेह दिखाने के बाद उसे जमीन पर पटक पटककर मार डाला। यह देखकर आसपास के लोगों ने साधु की जमकर पिटाई की, एम्बुलेन्स का शीशा तोड़ दिया और जाम लगा दिया जिसे लोगों को समझाकर एसडीएम गोवर्धन कमलेश गोयल ने खुलावाया तथा साधु को अस्पताल भेजा गया। कुम्हार मोहल्ला राधाकुंड निवासी बच्चे के पिता हरपाल सैनी ने साधु के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है।

उन्नाव में किसान की हत्या

उन्नाव। उत्तर प्रदेश में उन्नाव जिले के एफ चौरासी क्षेत्र में शनिवार शाम मशीन से मवेशियों के लिए चारा काट रहे किसान की गड़ासे से गर्दन काटकर हत्या कर दी गई। घटना को अंजाम देने के बाद पड़ोसी घर में ताला बंदकर परिवार के साथ भाग गया। मृतक किसान की मां द्वारा पड़ोसी के विरुद्ध थाने में तहरीर दी गई है। पुलिस क्षेत्राधिकारी सफीपुर ऋषिकांत शुक्ला ने रविवार को बताया कि मूलत-ऊगू नगर पंचायत निवासी रामखेलावन (50) पिछले चार साल से मां राजरानी के साथ फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के मिट्ठूखेड़ा गांव में रह रहा था। मृतक गांव में ट्यूशन पढ़ाने के साथ ही ढाई बीघा खेत में अनाज उगाकर मां व खुद का पेट पालता था। ग्रामीणों की माने तो शनिवार शाम सात बजे के लगभग रामखेलावन जब घर के बाहर लगी हाथ मशीन से मवेशियों के लिए चारा काट रहा था, तभी उसकी गर्दन पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया गया था। घटना का खुलासा तब हुआ जब उसकी वृद्ध मां बाहर निकली और खून से लथपथ बेटे को देखा। मां की आवाज पर पहुंचे ग्रामीणों ने सूचना पुलिस को दी।

बाराबंकी में टैंकर पलटने से सड़क में फैले रसायन में लगी आग

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश में बाराबंकी जिले के मसौली क्षेत्र में रविवार सुबह बाराबंकी- गोंडा राजमार्ग पर केमिकल लदा टैंकर पलटने से रसायन सड़क पर फैल गया और उसमें आग लग गई। आग को पूरी तरह से बुझाने में दमकल की गाड़ियों को कई घंटे लगे। मौके पर भारी मात्रा में पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंच गयी हैं। इस वजह से करीब चार घंटे यातायात बाधित रहा। पुलिस को घटनास्थल पर गाड़ी के चालक व अन्य कोई नहीं मिला पुलिस उनकी तलाश कर रही है पुलिस सूत्रों ने बताया कि क्षेत्र में बहराइच हाईवे पर केमिकल लाद कर टैंकर बाराबंकी की ओर जा रहा था। भीषण आग के कारण हाइवे पर यातायात ठप हो गया। फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियों ने करीब साढ़े तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान करीब चार घंटे यातायात ठप रहा। टैंकर में कोई केमिकल लदा था जिसकी जांच फायर बिग्रेड द्वारा की जा रही है। यातायात बहाल कर दिया गया है।

पौधरोपण : लक्ष्य से आगे निकले यूपी के 47 जिले

14 जनपदों में 101 से अधिक व कुल 65 जनपदों ने 100 फीसदी पौधरोपण अभियान का लक्ष्य प्राप्त किया

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ के एक आह्वान पर यूपी के 47 जिलों ने लक्ष्य से अधिक पौधरोपण किए। यूपी में इस बार 36 करोड़, 15 लाख 98954 पौधे लगाए गए। इसमें सर्वाधिक योगदान सोनभद्र का रहा, जहां एक करोड़ 49 लाख 73622 पौधे लगाए गए तो वहीं झांसी में यह आंकड़ा एक करोड़ 16410 का रहा। 14 जनपदों में 101 फीसदी से अधिक तो कुल 65 जनपदों ने 100 फीसदी पौधरोपण अभियान के लक्ष्य को प्राप्त किया।

विभागों पर नजर डालें तो वन विभाग ने सर्वाधिक 13 करोड़ 22 लाख 77,741 पौधे लगाए तो ग्राम्य विकास विभाग की तरफ से 75 जनपदों में 13 करोड़ 13 लाख से अधिक पौधरोपण किए गए।

कृषि, उद्यान, पंचायतीराज व पर्यावरण विभाग की तरफ से भी करोड़ों पौदे लगाए गए। शिक्षा विभाग ने 50 लाख से अधिक पौध लगाए।

सर्वाधिक पौधरोपण करने वाले विभाग

वन विभाग : 132277741
ग्राम्य विकास विभाग : 131305292
कृषि विभाग : 26378695
उद्यान विभाग : 16131508
पर्यावरण विभाग : 12626970
पंचायतीराज : 12128155
राजस्व विभाग : 8518122
जलशक्ति विभाग : 1478120
शिक्षा विभाग : 5034697 (माध्यमिक शिक्षा 10,49,571 बेसिक शिक्षा 1756168, प्राविधिक शिक्षा 484176, उच्च शिक्षा 17744782)

14 जिलों में 101 फीसदी से अधिक पौधरोपण

यूपी के 75 में से 14 जिलों में 101 फीसदी से अधिक पौधरोपण हुए। यह आंकड़े लक्ष्य से अधिक रहे। 51 जिलों में 100 फीसदी या इससे कुछ अधिक पौधे रोपे गए।

14 जिलों में बुलंदशहर में 106.723, बाराबंकी में 105.154, नोएडा में 103.918, प्रयागराज में 103.603, अलीगढ़ में 103.563, भदोही में 103.142, संभल में 102.436, देवरिया में 101.974, पीलीभीत में 101.662, सोनभद्र में 101.574, बरेली में 101.422, उन्नाव में 101.35, गोरखपुर में 101.22 व महराजगंज में यह आंकड़ा 101.001 फीसदी रहा।

सिंचाई विभाग ने 158 फीसदी से अधिक पौधे लगाए

अधिक से अधिक पौधे लगाने की जिम्मेदारी सरकारी विभागों को भी दी गई थी। संख्यागत दृष्टि से वन विभाग ने सर्वाधिक पौधे लगाए, लेकिन लक्ष्य से अधिक पौधे लगाने में सिंचाई विभाग का अनुपात 185 फीसदी का रहा।

लापता युवती का शव पेड़ से लटका मिला

महोबा। उत्तर प्रदेश में महोबा जिले के महोबकंठ क्षेत्र में रविवार को एक युवती का शव पेड़ में लटका हुआ पाए जाने से सनसनी फैल गयी। मृतका पिछले पांच दिनों से लापता थी। कुलपहाड़ की पुलिस उप अधीक्षक हर्षिता गंगवार ने बताया कि मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित सोरा गांव के बाहर एक खेत पर स्थित बेरी के पेड़ पर 20 वर्षीय युवती शव पाया गया जिसकी शिनाख्त भगवान दास की पुत्री अंजना के रूप में की गई है। यह युवती गत 15 अगस्त की शाम अचानक अपने घर के दरवाजे से गायब हो गई थी।

परिजनों द्वारा नाते रिश्तेदारियों एवम सम्भावित स्थलों में काफी खोजबीन के बावजूद उसका कहीं कोई पता नही लग सका। जिसके बाद पुलिस में युवती की गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया गया था।

उन्होने बताया कि भगवान दास के पुत्र देवीदीन ने सुबह शव को पेड़ में लटका हुआ देखा जब वह खेत पर काम करने गया था। उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। सीओ गंगवार के मुताबिक यह स्पष्ट नही है कि युवती ने फांसी पर झूल आत्महत्या की अथवा उसकी हत्या कर शव को लटका दिया गया। मृतका का आगे कुछ समय उपरांत विवाह होना तय था।

जिसके लिए परिवार में तैयारियां की जा रही थी। मृतका का पिता भगवानदास अपनी पत्नी जमुनी के साथ दिल्ली में रह कर मेहनत मजदूरी करता है। उसकी चार पुत्रियों की शादी हो चुकी है। अंजना गांव में अपने भाई के पास रहती थी।

महराजगंज में चार चोर गिरफ्तार, सात वाहन बरामद

महराजगंज। उत्तर प्रदेश में महाराजगंज जिले के सदर कोतवाली क्षेत्र में पुलिस ने एक वाहन चोर गैंग के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की सात मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि कोतवाली पुलिस, एसओजी एवं स्वाट टीम ने संयुक्त रूप से अंतरराष्ट्रीय वाहन चोर गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से विभिन्न जिलों से चुराई गई सात बाइक एवं दो देसी तमंचा व कारतूस भी बरामद किया है। पकड़े गए शातिर अपराधी वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने की फिराक में थे कि तभी इन्हें पुलिस टीम ने धर दबोचा।

फिरोजाबाद में पकड़ा गया 65 बोरी सरकारी चावल

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद में गरीबों के राशन पर माफियाओं की नजर है। सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले राशन को माफिया खरीद कर बाजार में महंगे दामों पर बेच रहे हैं। राशन के कालाबाजारी की सूचना पर मंडी समिति की टीम ने छापेमारी की और नायब तहसीलदार, पूर्ति निरीक्षक ने मौके से 65 बोरी चावल की पकड़ी है। अधिकारियों ने बताया कि थाना शिकोहाबाद क्षेत्र के नेशनल हाईवे पर एक केंटर जा रही थी। जिसे मंडी समिति की टीम ने रोका तो चालक बचाकर भागने लगा। टीम ने प्रतापपुर चौराहा से पीछा कर केंटर पकड़ लिया और मंडी समिति ले आयी। जिसमें राशन कार्ड पर वितरण किए जाने वाला चावल था। केंटर को मंडी समिति में लाकर खड़ा कर दिया है। मंडी सहायक योगेंद्र सिंह ने बताया की गाड़ी से राशन कार्ड पर मिलने वाले चावल की बोरियां बरामद की गई है। जिनकी संख्या 65 है। जानकारी की जा रही है कि कैंटर चालक के द्वारा किस-किस क्षेत्र से चावल की खरीद की गई है। सरकारी चावल बेचने वालों के खिलाफ भी जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

हापुड़ में पोते ने दादा को फावड़े से काट डाला

हापुड़। हापुड़ में एक पोते ने अपने दादा की फावड़े से काटकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस मामला घरेलू विवाद से जुड़ा बता रही है। फिलहाल आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामला दर्ज कर लिया है। वारदात थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के गांव गोहरा आलमगीरपुर में हुई। जानकारी के अनुसार, गांव गोहरा आलमगीरपुर में जतन सिंह (70) अपने परिवार के साथ रहते थे। बीती रात वह घर के बरामदे में चारपाई पर लेटे हुए थे। तभी उनका पोता मोहित वहां पहुंचा। जिस पर जतन ने मोहित से पशुओं को दूसरी जगह बांधने के लिए कहा। जिस पर वह भड़क गया। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता मोहित ने फावड़े से दादा पर हमला बोल दिया। उसने गले पर फावड़े से ताबड़तोड़ कई प्रहार किये। जिसमें उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जिसके बाद आरोपी वहां से भाग निकला। दादा की चीख सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे तो वहां जनक का खून से लथपथ शव देखा। देर रात मामले की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। सीओ अशोक शिशोदिया, कोतवाली प्रभारी संजय पांडेय ने मामले की छानबीन की। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। आरोपी के भाई अंकित ने ही अपने सगे भाई के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

बस्ती में सड़क हादसा, 3 दोस्तों की मौत

तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, एक ही बाइक से अयोध्या से घर लौट रहे थे

बस्ती। बस्ती के छावनी थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग पर फूलडीह गांव के पास तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई। तीनों दोस्त थे और एक ही बाइक पर सवार होकर रात में अयोध्या से घर वापस लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार, छावनी थाना क्षेत्र के विक्रमजोत निवासी सूबेदार यादव (45) पुत्र पुद्दन, विरेंद्र ((23) पुत्र नन्दलाल, कल्यानपुर निवासी मनीराम निषाद(35) पुत्र बितानू अयोध्या से

एक ही बाइक पर सवार होकर घर वापस लौट रहे थे। शनिवार की रात वापस लौटते समय एनएच पर फूलडीह गांव के पास तेज रफ्तार किसी वाहन की चपेट में आ गए। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और बाइक सवार छिटककर सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

एक ने रास्ते में तोड़ा दम

हादसे की सूचना पर पहुंची विक्रमजोत चौकी पुलिस ने तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विक्रमजोत पहुंचाया। जहां परीक्षण उपरांत डॉक्टर ने दो को मृत घोषित कर दिया। एक की गम्भीर हालत देख प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय अयोध्या के लिए रेफर कर दिया। उसे रेफर बाद जिला अस्पताल ले जाया जा रहा था कि रास्ते में उसने भी दम तोड़ दिया।

परिजनों की तहरीर पर होगी कार्रवाई

एसओ छावनी नारायण लाल श्रीवास्तव ने बताया कि हादसे में मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। परिजनों की तहरीर पर अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही की जाएगी।

अब झांसी में होगी ट्रेनों के पहियों की रिपेयरिंग

व्हील लेथ शेड में मशीनों को किया जा रहा है इंस्टॉल, दो माह में वर्किंग करेगा

झांसी। झांसी में अब ट्रेनों के पहियों की रिपेयरिंग भी की जाएगी। इसके लिए रेलवे प्रशासन ने व्हील लेथ शेड का निर्माण कराया है। जिसमें अब मशीनों को इंस्टाल किया जा रहा है। रेलवे का दावा है कि आने वाले दो माह में ये शेड वर्किंग शुरू कर देगा और पहियों की रिपेयरिंग शुरू हो जाएगी। इससे पहले कोई खराबी आने पर पहियों को गोरखपुर भेजा जाता था। लेकिन अब रेलवे ने झांसी में ही इसका इंतजाम कर दिया है। अचानक ब्रेक लगने, रगड़ खाने व किसी चीज से

टकराने पर ट्रेन के पहिए क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। अब तक झांसी रेल मंडल की ट्रेनों के पहियों को मरम्मत के लिए गोरखपुर रेल मंडल भेजा जाता है। यहां इनकी मरम्मत की कोई व्यवस्था नहीं थी। गोरखपुर में मरम्मत में काफी समय लग जाता है। साथ ही पहियों के साथ कर्मचारियों को भी वहां भेजा जाता है। इससे समय की बर्बादी होती थी। लेकिन, यह काम अब झांसी में ही हो जाएगा। रेल प्रशासन की ओर से झांसी में व्हील लेथ शेड का निर्माण करवाया गया है। जिसमें मशीनें लगाने का काम अंतिम दौर में पहुंच चुका है। मशीनों के परीक्षण के बाद यहां मरम्मत का काम शुरू कर दिया जाएगा। इसके लिए कर्मचारियों को भी अलग से प्रशिक्षित किया जा रहा है।

1880 में झांसी से ट्रेन का संचालन शुरू किया गया था। इसके बाद यहां कारखाने खुल गए। कोच तक बनने लगे, लेकिन पहियों की मरम्मत नहीं होती थी। इसके लिए काफी समय से मांग की जा रही थी। अब पहियों की मरम्मत होने से रेलवे को फायदा होगा। इस मामले में झांसी रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि व्हील लेथ शेड में आगामी दो माह के भीतर काम शुरू हो जाएगा। अभी मशीनें लगाने का काम अंतिम दौर में है।

पति ने दिया पत्नी को फोन पर तीन तलाक

बांदा। बांदा में एक बार फिर तीन तलाक का मामला सामने आया है। जहां पर महिला ने तहरीर देते हुए बताया कि उसके ससुराल वाले उसे बहुत प्रताड़ित करते हैं। साथ ही उसके साथ मारपीट करते हैं। जब पीड़िता अपने घर आई तब उसके पति ने उसे फोन करके तीन तलाक दे दिया। महिला ने पुलिस ने न्याय की गुहार लगाई है। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। आपको बता दें कि पूरा मामला बांदा जनपद के पैलानी थाना अंतर्गत से सामने आया है। जहां की रहने वाली पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी 15 साल पहले हुई थी और अभी 2017 में एक लड़की को जन्म दिया। जिसके बाद इसी साल 7 जनवरी को उसका इंतकाल हो गया। वही पीड़िता ने आरोप लगाते हुए कहा कि उसका पति शराब का आदि है और अपनी भाभी और अन्य औरतें के साथ नाजायज संबंध भी है। पति उसके साथ मार पीट करता है और साथ ही मानसिक रूप से प्रताड़ित करता है। 29 तारीख को उसके पति और उसकी भाभी ने उसके साथ मारपीट की। तभी पीड़िता की मां उसके घर आई और मारने का कारण पूछा, लेकिन बिना कारण बताए उन्हें भी गाली गलौज की फिर दोनों लोग अपने घर आ गए। फिर कुछ दिन बाद उसके पति का फोन आया और फोन पर उसे तीन तलाक दे दिया। पीड़िता ने इसकी शिकायत थाने में की, लेकिन वहा उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई।

अमरोहा में सड़क हादसे में एक की मौत, एक घायल

अमरोहा। अमरोहा के गजरौला कोतवाली इलाके में नेशनल हाईवे पर मुरादाबाद दिशा में बीकानेर होटल के सामने रविवार को दो वाहनों की भिड़ंत हो गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई।

जबकि एक वाहन चालक घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जबकि मृतक के शव को कब्जे में लेकर मॉर्च्युरी भेज दिया। पुलिस ने दोनों वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया है। साथ ही मृतक की शिनाख्त कराने के प्रयास में जुटी है।

रविवार को नेशनल हाईवे पर मुरादाबाद दिशा में एक रेस्टोरेंट के निकट बोलेरो व पिकअप वाहन की आपस में भिड़ंत हो गई। हादसे में बोलेरो सवार युवक की मौके पर मौत हो गई। जबकि चालक बोलेरो को छोड़कर मौके से फरार हो गया। हादसे में पिकअप चालक भी गंभीर रूप से घायल गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। आनन-फानन में घायल को उपचार के लिए नगर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

किशोरी से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

देवरिया। देवरिया जिले में पुलिस ने किशोरी से दुष्कर्म मामले में एक आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शनिवार को न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया गया। शनिवार को पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया। तरकुलवा थाना क्षेत्र के एक गांव में रात में खेत की तरफ़ जा रही किशोरी के साथ 17 अगस्त की रात को सुनसान जगह पर ले जाकर दुष्कर्म किया। आरोपियों ने इसका वीडियो बनाकर वायरल भी कर दिया। किशोरी को इस मामले में मुंह खोलने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई।

मिर्जापुर में मिला वाराणसी के युवक का शव

गांव में अमरूद के पेड़ से लटकता मिला, परिवार को दी गई जानकारी

मिर्जापुर। मिर्जापुर देहात कोतवाली इलाके के राजपुर ग्राम में अमरूद के पेड़ पर युवक का लटकता शव देख सनसनी फैल गई। थोड़ी ही देर में लोगों की भीड़ लग गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की पड़ताल शुरू की।

एसपी सिटी के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। करीब 27 वर्षीय मृतक की शिनाख्त वाराणसी निवासी संजय सोनकर पुत्र भोलानाथ सोनकर निवासी रामनगर जनपद वाराणसी के रूप में हुई है।

शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

देहात कोतवाली थाना क्षेत्र के राजपुर गांव में अमरूद के बगीचे के बीच पेड़ से एक युवक का शव रस्सी के फंदे से लटकता हुआ रविवार को देखा गया। शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।

लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मृतक के शिनाख्त का प्रयास शुरू कर दिया। कुछ देर में पता चला कि मृतक का नाम संजय सोनकर पुत्र भोलानाथ सोनकर निवासी रामनगर जनपद वाराणसी का रहने वाला है। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना देने के साथ ही शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मामले में अपर पुलिस अधीक्षक श्रीकांत प्रजापति ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस अन्य वैधानिक पहलुओं की भी जांच कर रही है। इस मामले में लोग इस बात पर चर्चा करने में मशगुल रहे कि वाराणसी का रहने वाला युवक यहां कैसे पहुंचा। उसने फांसी लगाया या लगाई गई।

अटाला हिंसा के मास्टरमाइंड समेत 10 पर गैंगस्टर

प्रयागराज। प्रयागराज में अटाला हिंसा और आगजनी केस में आरोपी जावेद पंप सहित 10 लोगों के खिलाफ पुलिस ने गैंगस्टर की कार्रवाई की है। जावेद पंप को पुलिस ने अटाला हिंसा का मास्टर माइंड बताया था। पुलिस ने उसके घर पर बुलडोजर चलाकर जमींदोज कर दिया था। पुलिस ने जिन 10 लोगों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की है। उनमें जावेद मोहम्मद पंप, फैसल रजा, आरिफ अली, आसिफ अहमद, अहमद अली, इलियास, आसिफ, अब्दुल रहमान, हमजा अंसारी व आमिर खान शामिल हैं।

हिंसा की चिंगारी से सुलग उठा था अटाला

भाजपा नेता नूपुर शर्मा की टिप्पणी के बाद पूरे देश में जमकर विरोध और बवाल हुआ था। 10 जून 2022 को जुमे की नमाज के बाद अटाला में भी हजारों उपद्रवियों ने एकत्र होकर पत्थरबाजी की थी। इस दौरान कई वाहनों के शीशे टूट गए थे और दर्जनों जवानों-पुलिसकर्मियों को चोट लगी थी। घरों के शीशे भी टूट गए थे। कई दिनों तक पूरा अटाला क्षेत्र छावनी में तब्दील हो गया था। सारी दुकानें और प्रतिष्ठान बंद कर दिए गए थे। हिंसा के बाद प्रयागराज की पुलिस ने जावेद पंप को हिंसा का मास्टर माइंड बताया था और दो दिन बाद 12 जून को उसके आशियाना स्थित घर को बुलडोजर चलाकर जमींदोज कर दिया गया था। बाद में जावेद की बीवी ने दावा किया था उसके नाम से मकान है।

जांच एजेंसियों ने जावेद अहमद उर्फ पंप के घर मिले साहित्य की छानबीन शुरू की तो उसमें आपत्तिजनक सामग्री मिली थी। इसके बाद साहित्य का अनुवाद कराया गया था। इसके पीछे पुलिस की मंशा थी कि वह जावेद की सोच, मुस्लिम व अन्य धर्मों के बारे में उसके विचार-सोच, किस तरह के लेखकों को वह पढ़ता था। किस तरह का साहित्य उसे पसंद था, पाकिस्तान के लेखकों और विचारकों से उसका क्या कोई कनेक्शन तो नहीं था आदि प्वाइंट्स पर जांच करना था। हालांकि जांच में कुछ ठोस एजेंसियों के पास सुबूत नहीं लगे।

अनूपशहर में बिजली घर में घुसकर तोड़फोड़

अनूपशहर। अनूपशहर कोतवाली क्षेत्र के गांव ताल बिबियाना में बिजली घर में घुसकर एसएसओ के साथ गाली गलौज व तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में बिजली घर पर तैनात जेई प्रदीप कुमार द्वारा अनूपशहर कोतवाली में तहरीर देकर पांच नामजद व 20 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस को दी तहरीर में जेई प्रदीप कुमार ने बताया कि विगत 16 अगस्त को सोरला टाउन फीडर की आपूर्ति 30 मिनट के लिए बाधित हो गयी, जिस पर गांव राजपुर के चरण सिंह उर्फ पप्पी, सोमदत्त शर्मा, मोहित, विकास व रिशभ 20 से 25 अन्य अज्ञात व्यक्तियों के साथ विद्युत उपकेन्द्र ताल बिबियाना पर पहुंचे। आरोप लगाया गया कि ऑन ड्यूटी एसएसओ प्रदीप कुमार से शराब के नशे में धुत होकर उक्त लोगों ने गाली-गलौच की। इसके बाद उन्होंने बिजली घर के कन्ट्रोल रूम में घुसकर नौ गांव की विद्युति आपूर्ति बहाल की। ड्यूटी पर तैनात एसएसओ द्वारा दुर्व्यवहार का विरोध करने पर उक्त लोगों ने जान से मारने की धमकी दी। आरोप लगाया गया कि उक्त लोगों ने कन्ट्रोल रूम में रखे महत्वपूर्ण सरकारी दस्तावेज फाड़ दिये तथा कैश काउन्टर की खिड़की में पत्थर बाजी की।

शार्ट न्यूज

इंदौर किराना बाजार: शक्कर में तेजी, खोपरा गोला, हल्दी पूछपरख बढ़ी

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में सप्ताहांत ग्राहकी ऊपर नीचे होती रही। शक्कर के भाव कम हुए। खोपरा गोला, हल्दी, साबूदाना तथा खोपरा बूरा में उठाव से तेजी रही। स्थानीय किराना बाजार में सोमवार को शक्कर 3880 से 3900 रुपये प्रति क्विंटल खुलने के शनिवार को 3900 से 3940 रुपये के स्तर पर थमी। शक्कर की दैनिक आवक 04 से 05 गाड़ी की रही। खोपरा गोला 120 से 140 रुपये खुलने के बाद 112 से 127 रुपये होकर थमा। हल्दी में पूछपरख सुधार लिए बताई गई। इसमें 150 से 275 रुपये की रंगत पर सौदे हुए। खोपरा बूरा के दामों में मजबूती दर्ज की गई। सप्ताहांत खोपरा बूरा में कामकाज 2150 से 3450 रुपये के स्तर पर चला। साबूदाना 7000 से 8300 की रेंज में बिका।

सर्राफा बाजार: सोना सस्ता तथा चांदी महंगी

इंदौर। सप्ताहांत सोना में नरमी तथा चांदी में तेजी दर्ज की गई। सप्ताहांत सोना 350 रुपये सस्ता तथा चांदी 200 रुपये ऊंची होकर बिकी। कारोबार की शुरुआत में सोना 60450 रुपये पर खुलने के बाद शनिवार के दिन 60100 रुपये प्रति दस ग्राम होकर थमा। चांदी में व्यापार की शुरुआत 71500 रुपये पर हुई वहीं शनिवार के दिन 71700 रुपये बिकी। कामकाज में सोना ऊंचे में 60500 नीचे में 60050 रुपये प्रति 10 ग्राम बिका। व्यापार में चांदी ऊपर में 71700 तथा नीचे 71300 रुपये प्रति किलोग्राम बिकी। चांदी सिक्का पूछपरख से मजबूत बताया गया। विदेशी बाजार में सोना 1890 डॉलर तथा चांदी 2274 सेन्ट प्रति औंस बिकी।

इन्दौर. खाद्य तेल: मूंगफली तेल सस्ता, सोयाबीन रिफाइंड, पाम तेल में मजबूती

इंदौर। सप्ताहांत खाद्य तेलों में खरीदी सुस्ती से भाव घटबढ़ लिए रहे। कारोबार में मूंगफली तेल सस्ता बिका। सोयाबीन रिफाइंड एवं पाम तेल में कीमत ऊंची रही। तिलहनों में भाव ऊंचे बोले गए। कपास्या खली सामान्य बताई गई। कारोबार की शुरूआत में मूंगफली तेल 1920 से 1930 रुपये प्रति किलोग्राम खुला जो शनिवार को 1890 से 1900 रुपये प्रति 10 किलोग्राम होकर बंद हुआ। सोयाबीन रिफाइंड 940 से 945 रुपये पर खुलकर 950 से 955 रुपये बिका। पाम तेल 895 से 900 रुपये खुलकर 915 से 920 रुपये होकर बंद हुआ। तिलहन जिन्सों में उपलब्धता कमी से भाव मजबूत बताए गए। पशु आहार कपास्या खली में लिवाली सामान्यवत रही।

इंदौर अनाज मंडी: चना कांटा, मूंग, तुअर, मसूर में तेजी, दालों में घटबढ़

इंदौर। स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में मांग के कारण सप्ताहांत दलहन जिन्सों में तेजी हुई। चना, मूंग, तुअर, मसूर के भाव में तेजी रही। वहीं दालों के भाव ऊपर नीचे हुए। चावल में उठाव सुधार लिए रहा। सप्ताहांत चना कांटा 5800 से 5825 रुपये खुलने के बाद 6100 से 6125 रुपये होकर थमा। मूंग 7800 से 8200 रुपये पर खुलने के बाद नीचे में 6800 रुपये बिकी। हालांकि सप्ताहांत इसमें सौदे 8200 से 9000 रुपये प्रति क्विंटल पर हुए। कारोबार में तुअर 8700 से 10900 रुपये खुलने के बाद 9000 से 11200 बताई गई। उड़द 7400 से 8500 रुपये खुलने के बाद 7400 से 8500 रुपये होकर बंद हुई। मसूर 5900 से 5950 रुपये के स्तर पर खुलने के बाद 6100 से 6125 रुपये होकर बंद हुई। दालों में मांग से घटबढ़ हुई। सप्ताहांत उड़द दाल एवं उड़द मोगर सस्ती तथा चना, तुअर, मूंग की दाल महंगी बिकी। रवा, मैदा, गेहूं का आटा तथा चना बेसन में लिवाली बताई गई इससे भाव में तेजी रही। चावल में ग्राहकी सुधार लिए बताई गई।

विदेशी मुद्रा भंडार 70.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 602.2 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति और विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में बढ़ोतरी होने से 11 अगस्त को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 70.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 602.2 अरब डॉलर पर पहुंच गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 2.42 अरब डॉलर घटकर 601.5 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 11 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 99.9 करोड़ डॉलर की बढ़त लेकर 534.4 अरब डॉलर पर पहुंच गयी। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार 34 करोड़ डॉलर कम होकर 44.3 अरब डॉलर रह गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में 5.1 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह बढ़कर 18.3 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 20 लाख डॉलर की गिरावट लेकर 5.1 अरब डॉलर रह गई।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में टिकाव

नयी दिल्ली। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज भी टिकाव रहा, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 1.26 प्रतिशत की तेजी लेकर 81.40 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड चढ़कर 84.80 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

एफपीआई ने इस महीने शेयर बाजार में निवेश किए 8,400 करोड़ रुपये

वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता, चीन में आर्थिक चिंताओं और घरेलू अर्थव्यवस्था की स्थिरता के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय इक्विटी में इस महीने अब तक करीब 8,400 करोड़ रुपये का निवेश किया है। कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी शोध प्रमुख श्रीकांत चौहान ने कहा, चीन से मांग में कमी के कारण वैश्विक आर्थिक माहौल चुनौतीपूर्ण हो रहा है, वैश्विक शेयर बाजार में कोई भी कमजोरी स्थानीय शेयरों में भारी उतार-चढ़ाव ला सकती है और इससे FPI का प्रवाह आगे चलकर अस्थिर हो सकता है। आंकड़ों के अनुसार, FPI ने 1-18 अगस्त के दौरान भारतीय इक्विटी में शुद्ध रूप से 8,394 करोड़ रुपये का निवेश किया। हालांकि, अगस्त के पहले सप्ताह में फिच द्वारा अमेरिका की क्रेडिट रेटिंग घटाने के बाद FPI ने इक्विटी से 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की। मॉर्निंगस्टार इंडिया के शोध प्रबंधक सहायक निदेशक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, वैश्विक बाजार में अनिश्चितता और चीन में आर्थिक चिंताओं के कारण FPI का रुख भारतीय बाजार की ओर हो गया है। उन्होंने कहा कि जून तिमाही में उम्मीद से बढ़कर कमाई से भारतीय बाजार के लिए धारणा सकारात्मक हो सकी।

सेंसेक्स की टॉप 10 कंपनियों में 7 का बाजार पूंजीकरण 80,200 करोड़ रुपये घटा

मुम्बई। शेयर बाजारों में कमजोर रुख के बीच पिछले सप्ताह शीर्ष 10 कंपनियों में सात का कुल बाजार मूल्यांकन 80,200.24 करोड़ रुपये घट गया। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एचडीएफसी बैंक को सबसे अधिक नुकसान हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई सेंसेक्स 373.99 अंक या 0.57 प्रतिशत गिर गया। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर और इंफोसिस का बाजार मूल्यांकन बढ़ा, जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, भारतीय स्टेट बैंक, भारती एयरटेल और बजाज फाइनेंस के मूल्यांकन में गिरावट हुई। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 29,894.45 करोड़ रुपये घटकर 12,32,240.44 करोड़ रुपये हो गया। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 19,664.06 करोड़ रुपये घटकर 12,02,728.20 करोड़ रुपये रहा। दूसरी ओर हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 12,347.1 करोड़ रुपये बढ़ा।

फेड रिजर्व के ब्याज दर बढ़ाने के डर का बाजार पर रहेगा असर

मुंबई। विश्व बाजार के कमजोर रुख के दबाव में बीते सप्ताह आधे प्रतिशत से अधिक लुढ़के घरेलू शेयर बाजार पर अगले सप्ताह फेड रिजर्व के एक बार फिर ब्याज दर बढ़ाने का डर और मुद्रा बाजार में जारी उठापटक का असर रहेगा।

बीते सप्ताह बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 373.99 अंक अर्थात 0.6 प्रतिशत की गिरावट लेकर सप्ताहांत पर 65 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 64948.66 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 113.05 अंक यानी 0.6 प्रतिशत की गिरावट लेकर 19310.15 अंक पर रहा।

समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों पर भी बिकवाली का दबाव रहा। इससे मिडकैप 164.24 अंक उतरकर सप्ताहांत पर 30265.32 अंक रह गया। इसी तरह स्मॉलकैप 7.29 अंक की मामूली गिरावट के साथ 35283.32 अंक पर सपाट रहा।

विश्लेषकों के अनुसार, घरेलू बाजार को बीते सप्ताह कमजोर वैश्विक और घरेलू संकेतों के कारण गिरावट का सामना करना पड़ा। इस परिस्थिति में निवेशकों ने अमेरिकी डॉलर जैसी सुरक्षित संपत्तियों की ओर रुख किया गया। घरेलू औद्योगिक उत्पादन में गिरावट, नकारात्मक थोक मुद्रास्फीति और खुदरा महंगाई के रिजर्व बैंक के लक्षित दायरे से अधिक होने ने बाजार में अस्थिरता में योगदान दिया।

अमेरिकी में खुदरा बिक्री के उम्मीद से अधिक मजबूत आंकड़े से फेड रिजर्व के ब्याज दर में एक बार फिर बढ़ोतरी करने की आशंका, अमेरिकी बैंक की रेटिंग में गिरावट

और चीनी केंद्रीय बैंक के दर में अचानक कटौती से आर्थिक सुधार में बाधा उत्पन्न होने की आशंका ने भी बाजार पर दबाव बनाया। साथ ही अनुमान है कि अमेरिकी बांड यील्ड बढ़ने से भारत में विदेशी निवेश सीमित हो जाएगा, जिससे बाजार की गतिशीलता पर और असर पड़ेगा।

सुस्त औद्योगिक आंकड़ों और चीन की मांग को लेकर बनी चिंताओं के कारण बीते सप्ताह धातु समूह को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। इनके अलावा वैश्विक मुद्रा बाजार में उठापटक के कारण निवेशकों की निवेश धारणा कमजोर बनी हुई है, जो बाजार के प्रदर्शन को प्रभावित कर रहा है। बीते सप्ताह मंगलवार को स्वतंत्रता दिवस पर अवकाश के कारण बाजार में चार दिन ही कारोबार हुआ, जिनमें से दो दिन तेजी और दो दिन गिरावट का रुख रहा। विदेशी बाजारों की गिरावट के बावजूद स्थानीय स्तर पर इंफोसिस, रिलायंस, एलटी, विप्रो और टीसीएस समेत तेरह दिग्गज कंपनियों में हुई लिवाली से सोमवार को सेंसेक्स 79.27 अंक की तेजी के साथ 65401.92 अंक और निफ्टी 6.25 अंक बढ़कर 19434.55 अंक पर रहा।

चीन के कमजोर आर्थिक आंकड़ों से विश्व बाजार में गिरावट आने के बावजूद स्थानीय स्तर पर आईटी, यूटिलटीज़, पावर और रियल्टी समेत तेरह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत बुधवार को सेंसेक्स 137.50 अंक की तेजी लेकर 65,539.42 अंक और निफ्टी 30.45 अंक बढ़कर 19,465.00 अंक पर पहुंच गया।

चीन के कमजोर आर्थिक आंकड़ों से वैश्विक बाजार में जारी गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर ऊर्जा, एफएमसीजी, यूटिलिटीज और कैपिटल गुड्स समेत सोलह समूहों में हुई बिकवाली से गुरुवार को सेंसेक्स 388.40 अंक लुढ़ककर 65,151.02 अंक और निफ्टी 99.75 अंक की गिरावट लेकर 19,365.25 अंक रह गया।

अमेरिकी फेड रिज़र्व के ब्याज दर में कटौती की उम्मीद धूमिल होने से विश्व बाजार में आई गिरावट से हतोत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर आईटी, टेक, पावर और धातु समेत सत्रह समूहों में हुई बिकवाली से शुक्रवार को सेंसेक्स 202.36 अंक उतरकर 64,948.66 अंक और निफ्टी 55.10 अंक गिरकर 19,310.15 अंक पर आ गया।

अदाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई शहर में 2000 करोड़ रुपये का करेगी निवेश

मुंबई। अदाणी समूह की कंपनी अदाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई में अपने नेटवर्क को मजबूत करने के लिए शहर में दो नई ट्रांसमिशन लाइन बनाने के लिए 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह 2027 तक शहर के लिए जरूरी बिजली का 60 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा से प्राप्त करके उसे अधिक हरित बनाने की दिशा में एक कदम है।

इन दो नई ट्रांसमिशन लाइनों में मेगालोपोलिस के उत्तरपूर्वी उपनगर में 84 सीकेएम खारघर (नवी मुंबई में) विखरोली लाइन और ठाणे-आरे कॉलोनी लाइन शामिल हैं। विखरोली लाइन 2025 तक तैयार हो जाएगी। कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमें उम्मीद है कि इस साल अक्टूबर से

इस परियोजना पर काम शुरू हो जाएगा। ठाणे लाइन पर काम पहली लाइन के बाद शुरू होगा और 2027 में यह चालू हो जाएगी।

कंपनी अपनी मूल कंपनी अदाणी ट्रांसमिशन की परियोजनाओं के जरिए अंतरराष्ट्रीय ऋणदाताओं से 1,700 करोड़ रुपये का कर्ज हासिल करने में पिछले सप्ताह सफल रही थी। उन्होंने कहा, हम इसके लिए 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेंगे, जिसमें से 1,700 करोड़ रुपये वित्त पोषित ऋण होंगे। उन्होंने आगे बताया कि परियोजना में 400-केवी सबस्टेशन स्थापित करना भी शामिल है, जो ट्रांसमिशन क्षमता को 1,500 मेगावाट तक बढ़ा देगा, क्योंकि कंपनी को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025 तक मेगालोपोलिस की अधिकतम मांग 5,000 मेगावाट के आंकड़े को पार कर जाएगी, जो अभी लगभग 4,000 मेगावाट है।

अधिकारी ने कहा कि कंपनी ने शहर में हरित ऊर्जा की आपूर्ति में सुधार करने की दिशा में तेजी से प्रगति की है, यह 34 लाख से अधिक ग्राहकों या शहर के कुल उपभोक्ताओं के छह प्रतिशत को सेवा प्रदान कर रही है।

पिछले तीन वर्षों में सौर और पवन ऊर्जा की आपूर्ति को 10 गुना बढ़ाकर अब 30 प्रतिशत कर दिया गया है, जबकि तीन साल पहले केवल तीन प्रतिशत थी।

ट्रांसमिशन लाइन परियोजना में शहर की पहली 400 केवी सबस्टेशन केंद्र विकसित करना शामिल है। खारघर-विखरोली परियोजना में 34 किलोमीटर की 400 केवी और 220 केवी ट्रांसमिशन लाइनें शामिल हैं, जिसमें विखरोली में 400 केवी सबस्टेशन भी शामिल है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना शहर के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि ट्रांसमिशन कॉरिडोर की मौजूदा क्षमता शहर में और बिजली ले जाने के लिए पर्याप्त नहीं है। यह परियोजना मुंबई में 1000 मेगावाट की अतिरिक्त बिजली लाने में सक्षम होगी और इस प्रकार शहर की भविष्य की मांग को पूरा करने में मदद करेगी। अदाणी को इस प्रोजेक्ट के लिए दिसंबर 2019 में लाइसेंस मिला था।

2027-28 तक भारतीय प्लास्टिक बाजार 10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली। भारत में वैश्विक प्लास्टिक सप्लायर के रूप में उभरने की क्षमता है और घरेलू प्लास्टिक बाजार 2027-28 तक तीन गुना से अधिक होकर 10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। ऑल इंडिया प्लास्टिक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशनके अनुसार भारत में Plastic Market का आकार 3.5 लाख करोड़ रुपये है। घरेलू बाजार में प्लास्टिक की वृद्धि के अलावा विदेशों में उत्पादों का निर्यात भी मौजूदा 40,000 करोड़ रुपये से एक लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद थी। एसोसिएशन के अध्यक्ष मयूर डी शाह ने कहा कि भारतीय प्लास्टिक उद्योग में क्षमताएं हैं। एआईपीएम ने आयात प्रतिस्थापन के लिए 553 प्लास्टिक उत्पादों की पहचान की है, जिनका आयात कुल 37,500 करोड़ रुपये का है। शाह ने कहा, 'भारत में वैश्विक प्लास्टिक आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरने की भी क्षमता है। सरकार तथा उद्योग जगत के लोग वृद्धि बढ़ाने तथा भारतीय प्लास्टिक उद्योग को विश्व स्तर पर स्रोत का केंद्र बनाने के लिए एक स्थायी वातावरण सुनिश्चित करने को लेकर मिलकर काम कर रहे हैं।' एआईपीएम गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन अरविंद मेहता ने कहा, 'भारतीय प्लास्टिक उद्योग तेजी से वृद्धि करने को तैयार है। प्लास्टिक उद्योग का आकार 2022-23 में 3.50 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 2027-28 में 10 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है।' उन्होंने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'प्लास्टिक उत्पादों का निर्यात 40,000 करोड़ रुपये से बढ़कर एक लाख करोड़ रुपये होने की उम्मीद है, जो भारतीय उत्पादों की वैश्विक स्वीकार्यता को दर्शाता है। यह भारतीय उद्योग के लिए एक उत्कृष्ट अवसर है और हमें इसका अधिकतम लाभ उठाना चाहिए।'

इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर की 388 परियोजनाओं की लागत 4.65 लाख करोड़ रुपये बढ़ी

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपये या इससे अधिक के खर्च वाली 388 परियोजनाओं की लागत जुलाई 2023 में तय अनुमान से 4.65 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा बढ़ गई है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी और अन्य कारणों से इन परियोजनाओं की लागत बढ़ी है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपये या इससे अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की जुलाई, 2023 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,646 परियोजनाओं में से 388 की लागत बढ़ गई है, जबकि 809 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। रपोर्ट के अनुसार, ''इन 1,646 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 23,92,837.89 करोड़ रुपये थी, लेकिन अब इसके बढ़कर 28,58,394.39 करोड़ रुपये हो जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 19.46 प्रतिशत यानी 4,65,556.50 करोड़ रुपये बढ़ गई है।'' रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई 2023 तक इन परियोजनाओं पर 15,21,550.38 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 53.23 प्रतिशत है। हालांकि, मंत्रालय ने कहा है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 602 पर आ जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी से चल रही 809 परियोजनाओं में से 177 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने, 192 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 318 परियोजनाएं 25 से 60 महीने और 122 परियोजनाएं 60 महीने से अधिक की देरी से चल रही हैं। इन 809 परियोजनाओं में विलंब का औसत 37.44 महीने है।

अगले महीने से कम हो सकते हैं सब्जियों के दाम

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि अगले महीने से सब्जियों की नई फसल आने से कीमतें कम हो सकती हैं। वहीं क्रूड ऑयल की बढ़ती कीमतों पर अधिकारी ने कहा कि यह चिंता की बात है, लेकिन कीमतें अभी भी टोलरेटेबल जोन यानी (90 डॉलर/बैरल) के नीचे है और उत्पाद शुल्क में कटौती का कोई प्लान नहीं है। जुलाई में फुटकर यानी रिटेल महंगाई RBI के 6 प्रतिशत की ऊपरी टॉलरेंस लिमिट के पार निकलकर 7.44 प्रतिशत पर पहुंच गई है। महंगाई का यह 15 महीने का उच्चतम स्तर भी है। इससे पहले अप्रैल 2022 में महंगाई 7.79 प्रतिशत रही थी। खाने-पीने का सामान खासकर सब्जियां महंगी होने के कारण महंगाई बढ़ी है। जून में फुटकर महंगाई 4.81 प्रतिशत रही थी।

सोया रिफाइंड और पाम ऑयल में तेजी

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों की तेजी के असर से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में सोया रिफाइंड और पाम ऑयल के भाव चढ़ गए तथा अधिकांश दाल-दलहन में बढ़त का रुख रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का सितंबर वायदा सप्ताहांत पर 140 रिंगिट उबलकर 3855 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह सितंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 3.04 सेंट की तेजी लेकर 63.83 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

सप्ताहांत पर सोया रिफाइंड 367 रुपये और पाम ऑयल 67 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया। वहीं, सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पुराने स्तर पर पड़े रहे।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 12308 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 20512 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 13407 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 12088 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 9000 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 11000 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

दाल-दलहन : बीते सप्ताह दाल-दलहन के बाजार में तेजी का रुख रहा। सप्ताहांत पर चना 700 रुपये, दाल चना 700 रुपये, मसूर दाल 300 रुपये और उड़द दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल महंगी रही जबकि मूंग दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल उतर गई। वहीं, अरहर दाल के भाव स्थिर रहे।

सप्ताहांत पर चना 6100-6200, दाल चना 7100-7200, मसूर काली 7800-7900, मूंग दाल 9000-9100, उड़द दाल 11000-11100, अरहर दाल 10500-10600 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाज : अनाज मंडी में टिकाव रहा। साप्ताहांत पर गेहूं और चावल के भाव पुराने स्तर पर पड़े रहे।

इस दौरान (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2550-2650 रुपये और चावल 3000-3100 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़: बीते सप्ताह मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

साप्ताहांत पर चीनी एस 3590-3690, चीनी एम. 3900-4000, मिल डिलीवरी 3470-3570 और गुड़ 4000-4100 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

2047 तक जीडीपी में होटल इंडस्ट्री का योगदान 1000 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली। घरेलू पर्यटकों की यात्राओं और अंतरराष्ट्रीय आगमन में उल्लेखनीय उछाल के चलते देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में भारतीय होटल उद्योग का प्रत्यक्ष योगदान 2047 तक 1000 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई।

होटल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एचएआई) और बेनोरी नॉलेज की 'विज़न 2047-इंडियन होटल इंडस्ट्री' रिपोर्ट के अनुसार सकल घरेलू उत्पाद में होटल उद्योग का प्रत्यक्ष योगदान 2022 में 40 अरब डॉलर था और 2027 तक इसके 68 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। यह 2047 तक करीब 1000 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा।

आतिथ्य क्षेत्र से जुड़े निकाय के अनुसार क्षेत्र को अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए आवास वृद्धि को महानगरों से आगे दो व तीन स्तर के शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों तक भी ले जाना होगा। हालांकि, रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया गया कि कुल योगदान में

खाद्य व पेय, सैलून व स्पा जैसे संबंधित उद्योग क्षेत्रों की सेवाओं के पहलू शामिल हैं। इसमें सेवा बाजार की वृद्धि पर गौर नहीं किया गया। इसलिए इसमें परिदृश्य-आधारित योगदान अनुमान शामिल नहीं हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, अनुमानित वृद्धि का श्रेय जीडीपी वृद्धि और आय स्तर में वृद्धि, घरेलू पर्यटकों की आमद में वृद्धि और विदेशी पर्यटक आगमन (एफटीए) जैसे कारकों को दिया जा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया कि घरेलू पर्यटक यात्राओं की संख्या 2021 में 67.7 करोड़ थी जिसके 2030 तक 1.5 अरब होने की उम्मीद है। वहीं 2047 तक इसके 15 अरब तक पहुंचने की उम्मीद है। भारत में जहां तक विदेशी पर्यटकों के आगमन (एफटीए) की बात है तो 2021 में 15 लाख से बढ़कर 2024 तक यह 1.5 करोड़ हो गई। 2030 तक इसके 2.5 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है और ''2047 तक 10 करोड़ पर्यटकों के देश आने की उम्मीद है।''

एचएआई के महासचिव एम पी बेजबरुआ ने कहा कि व्यापक आर्थिक कारक, प्रौद्योगिकी, पर्यावरण व सामाजिक स्थिरता तथा नीति समर्थन महत्वपूर्ण कारक होंगे। उन्होंने कहा, ''सभी कारकों के हावी होने से क्षेत्र और सभी परिचालनों में स्थिरता सुनिश्चित होगी।''

मिजोरम में प्याज की कीमत 63 रुपए किलो तक पहुंची

नई दिल्ली। देश में प्याज की कीमतों को काबू में रखने के लिए केंद्र सरकार ने एक्सपोर्ट पर 31 दिसंबर तक 40 प्रतिशत ड्यूटी लगा दी है। अभी तक इसके एक्सपोर्ट पर कोई टैक्स नहीं वसूला जाता था। सरकार इस कदम से देश में प्याज की अवेलेबिलिटी को बनाए रखना चाहती है और इससे कीमतें भी नियंत्रण में रहेंगी। वित्त मंत्रालय ने नोटिफिकेशन जारी कर इसकी जानकारी दी। वहीं NCCF सोमवार से दिल्ली में 25 रुपए प्रति किलोग्राम के सब्सिडाइज्ड रेट्स यानी रियायती कीमतों पर सरकारी बफर स्टॉक से प्याज की रिटेल सेल मोबाइल वैन और रिटेल स्टोर्स के जरिए शुरू करेगा। कंज्यूमर्स को प्याज की ऊंची कीमतों से राहत देने के लिए नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर फेडरेशन ऑफ इंडिया ने यह फैसला किया है। इस बात की जानकारी रविवार को एक अधिकारी ने दी है। कंज्यूमर अफेयर्स मिनिस्ट्री के आंकड़ों के अनुसार, प्याज की ऑल इंडिया ऐवरेज रिटेल प्राइस शनिवार को 30.72 रुपए प्रति किलो थी।

नवंबर के अंत तक हो जाएगा 16वें वित्त आयोग का गठन

नई दिल्ली। वित्त सचिव टीवी सोमानाथन का कहना है कि नवंबर के अंत तक 16वें वित्त आयोग का गठन होने की उम्मीद है। वित्त सचिव ने बताया कि आयोग की टर्म्स ऑफ रेफरेंस (ञ्अश्क्र) तय हो चुकी हैं। इससे पहले 15वें वित्त आयोग ने बीती 9 नवंबर 2020 को अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंप दी थी। इस रिपोर्ट में वित्तीय वर्ष 2021-22 से लेकर वित्तीय वर्ष 2025-26 तक के लिए सिफारिशें दी गई हैं।

बता दें कि वित्त आयोग एक संवैधानिक निकाय है, जो केंद्र और राज्य के वित्त संबंधों पर सलाह देता है। अन्य चीजों के अलावा केंद्र और राज्य के बीच पांच साल तक टैक्स का बंटवारा कैसे होगा, इस पर भी वित्त आयोग अपनी सलाह देता है। 15वें वित्त आयोग ने एक अप्रैल 2026 तक केंद्र और राज्यों के बीच टैक्स के बंटवारे का अनुपात तय किया है। एक अप्रैल 2026 के बाद टैक्स बंटवारे का अनुपात 16वां वित्त आयोग तय करेगा। 15वें वित्त आयोग ने एनके सिंह की अध्यक्षता में केंद्र और राज्य के बीच टैक्स बंटवारे का अनुपात 42 प्रतिशत रखने की सलाह दी थी। जिसके तहत वित्तीय वर्ष 2021-22 से लेकर 2025-26 तक 42 प्रतिशत के अनुपात से ही केंद्र और राज्यों के बीच टैक्स का बंटवारा होगा।

इससे पहले 14वें वित्त आयोग ने भी यह अनुपात 42 प्रतिशत ही रखा था। केंद्र और राज्य के बीच टैक्स बंटवारे का अनुपात तय करने के अलावा 15वें वित्त आयोग ने राजकोषीय घाटे, केंद्र और राज्यों के लिए कर्ज लेने के तरीकों और ऊर्जा क्षेत्र में सुधार के बाद राज्यों को उनकी परफॉर्मेंस के आधार पर उनके अतिरिक्त उधार लेने संबंधी सलाह दी।

राजकोषीय समेकन के बाद सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.5 प्रतिशत रखने का लक्ष्य तय किया है। चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 5.9 प्रतिशत रहने की उम्मीद है।

शार्ट न्यूज

विश्व कप कार्यक्रम में जो भी समस्या आयेगी, उसका निदान करेंगे: शुक्ला

लखनऊ। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने हैदराबाद के उप्पल स्टेडियम में नौ और 10 अक्टूबर को होने वाले विश्व कप मैचों की तारीख में बदलाव की अटकलों पर विराम लगाते हुए रविवार को कहा कि आगे आने वाली किसी भी समस्या के समाधान का पूरा प्रयास किया जायेगा। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) ने बीसीसीआई को सूचित किया था कि नौ और 10 अक्टूबर को लगातार दो दिन मैचों की मेज़बानी करने से सुरक्षा संबंधी समस्याएं सामने आ सकती हैं। उप्पल स्टेडियम में नौ अक्टूबर को नीदरलैंड और न्यूजीलैंड का मुकाबला होना है, वहीं 10 अक्टूबर को पाकिस्तान और श्रीलंका आमने-सामने होंगे। शुक्ला ने एक बयान में कहा, मैं विश्व कप में हैदराबाद स्थल का प्रभारी हूं। अगर कोई भी समस्या पेश आयेगी, तो उसके निदान की कोशिश करूंगा। गौरतलब है कि बीसीसीआई ने पांच अक्टूबर से शुरू होने वाले टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा मात्र 100 दिन पहले की थी। कई देशों ने कार्यक्रम में बदलाव का अनुरोध किया, जिसके बाद बीसीसीआई ने नौ मैचों की आयोजन तिथि में बदलाव के साथ नौ अगस्त को नया कार्यक्रम जारी किया था।

पाकिस्तान के मैच तटस्थ देश में होते तो कार्यक्रम न बदलना पड़ता: सेठी

नयी दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व अध्यक्ष नजम सेठी ने कहा है कि अगर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) उनकी सलाह पर पाकिस्तान के विश्व कप मैच तटस्थ देश में आयोजित करता तो कार्यक्रम में बार-बार बदलाव करने से बचा जा सकता था। सेठी ने रविवार को एक्स किया, बीसीसीआई को पाकिस्तान के विश्व कप मैच तटस्थ देश में खेलने के संबंध में मेरी सलाह लेनी चाहिए थी। वे अब हर कुछ दिनों में कार्यक्रम में प्रस्तावित बदलावों से परेशान हैं। उल्लेखनीय है कि जिस तरह भारत अपने सभी एशिया कप मैच श्रीलंका में खेल रहा है, उसी तरह पीसीबी के पूर्व अध्यक्ष सेठी ने अपने कार्यकाल के दौरान सलाह दी थी कि पाकिस्तान को अपने सभी विश्व कप मैच किसी तटस्थ देश में खेलने चाहिये। भारत और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित विश्व कप मुकाबला अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम पर 15 अक्टूबर को होना था, लेकिन यह नवरात्रि का पहला दिन होने के कारण अहमदाबाद पुलिस ने सुरक्षा संबंधी चिंताएं व्यक्त कीं और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को इस मैच की तिथि बदलकर 14 अक्टूबर करनी पड़ी।

एचसीए ने विश्व कप कार्यक्रम में बदलाव की मांग की

नयी दिल्ली। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से पहले ही कई बदलाव देख चुके एकदिवसीय विश्व कप कार्यक्रम में एक और बदलाव करने का अनुरोध किया है। क्रिकबज़ की ओर से रविवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, हैदराबाद के उप्पल स्टेडियम में नौ और 10 अक्टूबर को लगातार मैच होने हैं, जो एचसीए के लिये सुरक्षा संबंधी समस्याएं खड़ी कर सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, एक एचसीए अधिकारी ने कहा, निश्चित रूप से यह एक चिंता का विषय है और हमने बीसीसीआई को इसके बारे में सूचित किया है। हमने बोर्ड से तारीखें बदलने का अनुरोध किया है। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार हैदराबाद नौ अक्टूबर को न्यूजीलैंड और नीदरलैंड के बीच मैच की मेजबानी करेगा, जबकि अगले ही दिन उन्हें पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच मैच की मेजबानी दी गई है। अधिकारी ने कहा, खेलों के बीच कम से कम एक दिन का आराम बेहतर होगा। हमने बीसीसीआई के सीईओ (कार्यवाहक) हेमांग अमीन से चर्चा की है कि क्या कार्यक्रम में बदलाव किया जा सकता है। अगर नहीं, तो हमारे पास प्रबंधन के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं होगा।

राष्ट्रीय चैंपियनशिप के बाद एशियाड पर वैष्णवी की नज़र

नयी दिल्ली। दस साल की उम्र में पांव में कांच चुभने के कारण बैडमिंटन करियर लगभग खत्म होने से लेकर पैरा-बैडमिंटन राष्ट्रीय चैंपियन बनने तक वैष्णवी पुनेयानी ने अपने छोटे से जीवन में लंबा सफर तय किया है, और अब उनकी नज़रें एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक पर जम गयी हैं। राष्ट्रीय राजधानी में रहने वाली 17 वर्षीय पैरा-बैडमिंटन एथलीट वैष्णवी ने सोचा नहीं था कि वह पेशेवर तौर पर बैडमिंटन खेलेंगी। अपने पिता और भाई के साथ मैदान जाते-जाते बैडमिंटन में उनकी रूचि पैदा हुई, हालांकि 2015 में पैर में कांच लगने से उनके पेशेवर शटलर बनने के सपने को एक बड़ा झटका लगा। यह चोट वैष्णवी का मनोबल नहीं तोड़ सकी, लेकिन वह कोर्ट पर पहले की तरह नहीं खेल पा रही थीं। वैष्णवी ने यूनीवार्ता से बातचीत में कहा, पैर में कांच लगने से जख्म इतना गहरा था कि चोट पर प्लास्टर करवाना पड़ा और मैं दो-तीन महीने चल भी नहीं पाई। मैं उस चोट के बाद से अपना दायां पैर नहीं उठा पाती हूं। पैर की इस दिव्यांगता के बाद मैंने बैडमिंटन खेलना चाहा लेकिन ठीक से पैर न उठा पाने के कारण मैं प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाई। यहां वैष्णवी का सफर खत्म हो सकता था अगर उन्हें पैरा बैडमिंटन के बारे में न पता चला होता।

कनाडा के जंगलों में लगी आग के कारण घरों को खाली करने का आदेश

कनाडा। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में लगभग 400 जंगलों में आग लगने से कम से कम 30,000 घरों को खाली करने का आदेश दिया गया है। अधिकारियों ने 132,000 लोगों की आबादी वाले तटीय शहर केलोना की यात्रा को प्रतिबंधित कर दिया है, जहां आग का धुआं ओकानागन झील के ऊपर मंडरा रहा है। यह आदेश निकाले गए लोगों और आपातकालीन कर्मचारियों के लिए पर्याप्त आवास सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। आग से पास के 36,000 लोगों के शहर वेस्ट केलोना में घरों नष्ट हो गए है। कमलूप्स, ओलिवर, पेंटिक्टन और वर्नोन और ओसियोस शहरों में भी जाने पर प्रतिबंध लगाए गए है। आग सैकड़ों मील उत्तर में, येलोनाइफ़ शहर की ओर बढ़ती जा रही है। कनाडा के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र की राजधानी शहर को खाली करने की आधिकारिक समय सीमा शुक्रवार को समाप्त हो गई। एक स्थानीय अधिकारी ने बाद में कहा कि लगभग सभी निवासी कार या विमान से चले गए। शहर के 20,000 निवासियों में से लगभग 19,000 लोग चले गए थे। अधिकारियों ने कहा कि शुक्रवार शाम को 39 मरीजों को अस्पताल से वैकल्पिक सुविधाओं में ले जाया गया।

लेबनान में हथियारबंद गिरोह ने आठ स्कूलों पर किया कब्जा किया

बेरूत। दक्षिणी लेबनान में सशस्त्र समूहों ने ऐन अल-हेलवे फ़िलिस्तीनी शरणार्थी शिविर में एक और स्कूल पर कब्जा कर लिया है जिसे मिलाकर ऐसे स्कूलों की कुल संख्या आठ हो गई है। लेबनान में फ़िलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी के निदेशक डोरोथी क्लॉस ने एक बयान में कहा,हमें इमारतों को गंभीर नुकसान और स्कूलों से शैक्षिक सामग्री और उपकरणों की लूट की विश्वसनीय रिपोर्ट मिल रही है। यूएनआरडब्ल्यूए ने बयान में दोहराया कि सभी सशस्त्र समूहों से स्कूलों सहित ऐन अल-हेलवे शिविर में तुरंत खाली करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उनकी उपस्थिति संयुक्त राष्ट्र सुविधाओं की तटस्थता और सुरक्षा का घोर उल्लंघन है और शिविर में रहने वाले हजारों फिलिस्तीनी शरणार्थी बच्चों की शिक्षा के साथ-साथ आगामी शैक्षणिक वर्ष की समय पर शुरुआत के लिए एक गंभीर खतरा पैदा करती है। बयान के अनुसार, सशस्त्र समूहों द्वारा अपनी सुविधाओं पर कब्जे के विरोध में यूएनआरडब्ल्यूए ने शुक्रवार को शिविर में अपनी सेवाएं निलंबित कर दीं और इसके बाद शनिवार सुबह आंशिक रूप से अपनी सेवायें बहाल कर दी। बयान में कहा गया है कि एजेंसी शिविर में स्वास्थ्य, ठोस अपशिष्ट संग्रह और राहत सेवाओं सहित सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है।

यूपीटी20 की ट्रॉफी, जर्सियों का हुआ अनावरण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में क्रिकेट के एक नये युग की शुरुआत करते हुए यूपीटी20 लीग को आधिकारिक तौर पर रविवार को लॉन्च किया गया।
यहां आयोजित समारोह में प्रतिष्ठित ट्रॉफी के अनावरण के अलावा छह शहर-आधारित फ्रेंचाइजियों की टीम जर्सी और लीग का एंथम भी लॉन्च किया गया।
इस अवसर पर राज्यसभा सदस्य और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के निदेशक आईपीएस डीएस चौहान सहित विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। इस समारोह में गोरखपुर लायंस, कानपुर सुपरस्टार, काशी रुद्र, लखनऊ फाल्कन्स, मेरठ मैवरिक्स और नोएडा सुपर किंग्स सहित सभी फ्रेंचाइजियों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।
शुक्ला ने लीग के लिये अपना उत्साह और प्रत्याशा व्यक्त करते हुए कहा, मैं रोमांचित और प्रसन्न हूं कि यूपीटी20

लीग लॉन्च हो गयी है। हम लंबे समय से अपनी खुद की लीग शुरू करने की योजना बना रहे हैं क्योंकि इसकी भारी मांग है। उत्तर प्रदेश में विशाल आबादी के साथ अधिक से अधिक खिलाड़ियों को समायोजित करना और उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देना हमारे लिये एक चुनौती रही है। प्रत्येक फ्रेंचाइजी में लगभग 25 खिलाड़ी होने की शर्त के साथ हमारा मानना है कि यह लीग उत्तर प्रदेश से सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को सामने लाने और भारतीय टीम को नयी प्रतिभाएं देने का एक बेहतरीन मंच है।
चौहान ने कहा, यह लीग ऐसे समय में उत्तर प्रदेश में आ रही है जब हमारा राज्य कई मोर्चों पर फल-फूल रहा है और खेल उस विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह लीग कई महत्वाकांक्षी क्रिकेटरों को अपनी क्षमता दिखाने का मौका देगी, जिनमें साधारण घरों से आने वाले लोग भी शामिल हैं। मुझे विश्वास है कि हम उत्तर प्रदेश के लोगों के लिये एक उच्च गुणवत्ता वाला टूर्नामेंट खड़ा कर सकेंगे। यूपीटी20 लीग 30 अगस्त को शुरू होकर 16 सितंबर को कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में समाप्त होगा। आईपीएल नीलामी में बचे हुए कुछ महीनों को देखते हुए यह लीग उभरती हुई प्रतिभाओं को अपना कौशल दिखाने के लिये एक मंच देगी।

लखनऊ या ग्रेटर नोएडा में खेली जा सकती है यूपीटी20 लीग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश टी20 लीग के पहले संस्करण के शुरू होने से पहले ही इसके आयोजन स्थल को लेकर संदेह के बादल मंडराने लगे हैं।
उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) के तत्वावधान में टूर्नामेंट 30 अगस्त से 16 सितंबर तक कानपुर के ग्रीन पार्क मैदान पर होना निर्धारित है मगर स्टेडियम के लिये भारी भरकम शुल्क को लेकर यूपीसीए के पदाधिकारी पशोपेश में है। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने रविवार को यहां यूपीटी20 लीग ट्राफी के अनावरण से इतर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अब तक तय कार्यक्रम के अनुसार लीग का आयोजन कानपुर के ग्रीनपार्क में होना है। खेल निदेशालय के अधीन स्टेडियम के शुल्क को लेकर बातचीत जारी है। इस बीच यूपीसीए लखनऊ के इकाना स्टेडियम और ग्रेटर नोएडा के स्टेडियम को विकल्प के तौर रख कर विचार कर रहा है। यदि खेल निदेशालय से शुल्क पर कटौती को लेकर एक राय नहीं बनती है तो प्रतियोगिता को लखनऊ अथवा ग्रेटर नोएडा में कराया जा सकता है।

उन्होने बताया कि इकाना स्टेडियम की मुख्य पिच पर 12 सितंबर से पहले मुकाबले कराये जा सकते हैं जिसके बाद के मैच ग्रेटर नोएडा अथवा कानपुर में खेले जा सकते हैं। इकाना में विश्वकप के पांच मैच खेले जाने है जिसके लिये इकाना स्टेडियम को 12 सितंबर को बीसीसीआई के हवाले करना होगा। वैसे भी सुविधाओं के लिहाज से लखनऊ कानपुर के मुकाबले काफी बेहतर है।
शुक्ला ने कहा लीग में गोरखपुर लायंस, कानपुर सुपरस्टार, काशी रुद्र, लखनऊ फाल्कन्स, मेरठ मावेरिक्स और नोएडा सुपर किंग्स की टीमें हिस्सा लेंगी। हमारा मकसद लीग के माध्यम से यूपी से सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को सामने लाने का है।

सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में भिड़ेंगे अल्काराज़, जोकोविच

मेसन। स्पेन के युवा सनसनी खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज़ और सर्बियाई दिग्गज नोवाक जोकोविच ने सिनसिनाटी ओपन में अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर फाइनल का टिकट कटा लिया है। टॉप सीड अल्काराज़ ने शनिवार को खेले गये रोमांचक सेमीफाइनल में पिछड़कर वापसी करते हुए पोलैंड के ह्यूबर्ट हर्काज़ को 2-6, 7-6(4), 6-3 से हराया। दूसरी वरीयता प्राप्त जोकोविच ने जर्मनी के एलेक्ज़ेंडर ज़्वेरेव को 7-6(5), 7-5 से मात दी। अल्काराज़ का सफ़र सेमीफ़ाइनल में ही खत्म हो सकता था लेकिन उन्होंने दूसरे सेट में 4-5 पर मैच पॉइंट बचाया और टाईब्रेकर में लगातार छह पॉइंट अर्जित करते हुए मैच को तीसरे सेट में पहुंचा दिया। तीसरे सेट के चौथे गेम में अल्काराज़ ने महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल किया और अंततः दो घंटे 16 मिनट में हर्काज़ को मात दी। अल्काराज़ ने मैच के बाद कहा, यह मानसिक तौर पर कठिन सेमीफाइनल था। मुझे वहां डटे रहने की ज़रूरत थी। मुझे कई ब्रेक पॉइंट मिले लेकिन मैं उनका फायदा नहीं उठा सका।

स्पेन ने पहली बार जीता फीफा महिला विश्व कप

सिडनी। कप्तान ओल्गा कार्मोना ने स्पेन के फुटबॉल इतिहास में अपना नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज करवा लिया। स्पेन ने रविवार को खेले गये फीफा महिला विश्व कप फाइनल मुकाबले में कार्मोना के गोल की मदद से इंग्लैंड को 1-0 से मात दी।
स्टेडियम ऑस्ट्रेलिया पर खेले गये मुकाबले में स्पेन को पहली बार महिला विश्व चैंपियन बनाने के लिये कार्मोना ने 29वें मिनट में विजेता टीम का गोल किया। वर्ष 2015 में महिला विश्व कप में पदार्पण करने वाला स्पेन इससे पहले कभी टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल तक भी नहीं पहुंचा था, लेकिन कार्मोना की टीम ने अपने से बेहतर रैंकिंग वाली इंग्लैंड टीम को मात देकर खिताब जीत लिया।

स्पेन अब अंडर-17, अंडर-20 और सीनियर स्तर पर महिला विश्व चैंपियन है। मैच के शुरुआती मिनटों में गेंद पर स्पेन का कब्ज़ा अधिक रहा और उसे इंग्लैंड के डिफेंस को भेदने के मौके भी मिले। मारिओना कालडेंटी ने 15वें मिनट में जॉर्जिया स्टैनवे से गेंद छीनकर गोल करना चाहा लेकिन स्टैनवे के गिरने के कारण रेफरी ने दूसरी दिशा में फ्री-किक प्रदान की।
लौरेन हेम्प ने जवाबी कार्रवाई में इंग्लैंड का खाता लगभग खोल दिया था लेकिन उनका शॉट क्रॉसबार पर जा लगा।
दो मिनट बाद स्पेन के पास भी खाता खोलने का मौका था लेकिन मेरी अर्प्स ने गोलपोस्ट से सिर्फ एक मिलीमीटर दूर अल्बा रेडोंडो का प्रयास रोककर स्कोरबोर्ड में कोई बदलाव नहीं होने दिया।
इंग्लैंड ने भले ही पहले हाफ में स्पेन के डिफेंस की अधिक परीक्षा ली, लेकिन कप्तान कार्मोना के दम पर स्पैनिश टीम ने पहले बढ़त बनायी। कार्मोना ने इंग्लैंड के फैले हुए डिफेंस को बाईं ओर से भेदते हुए विपक्षी टीम के गोल पर दूर से निशाना लगाया, जबकि गोलकीपर अर्प्स छलांग लगाकर भी उनके शॉट को नहीं रोक सकीं।
मैच के 41वें मिनट में इंग्लैंड को स्कोर बराबर करने का मौका मिला लेकिन एला टून मात्र चार गज़ की दूरी से गेंद को गोलपोस्ट में नहीं पहुंचा सकीं और स्पेन हाफ टाइम तक 1-0 से आगे रहा। हाफ टाइम के बाद गोलकीपर अर्प्स ने दबाव में प्रदर्शन करने की अपनी उत्कृष्ट क्षमता का प्रदर्श किया।

ईरान में हिजाब विरोधी प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी

पिछले साल 16 सितंबर को हुई थी महसा अमिनी की मौत, सरकार को फिर हिंसा का खतरा

तेहरान। ईरान में एक बार फिर हिजाब विरोधी प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी शुरू हो गई है। रविवार को यहां 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इन लोगों को नेशनल सिक्योरिटी के लिए खतरा बताया गया है।
पिछले साल महसा अमिनी नाम की एक स्टूडेंट की पुलिस कस्टडी में मौत हो गई थी। उस पर हिजाब न पहनने का आरोप था। इसके बाद कई महीनों तक देश में जबरदस्त हिंसा और सरकार विरोधी प्रदर्शन हुए थे।

गिरफ्तार लोगों के नाम भी नहीं बताए

'वॉयस ऑफ अमेरिका' की एक रिपोर्ट के मुताबिक- गिलान राज्य से सिर्फ एक हिस्से से 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इन सभी को नेशनल सिक्योरिटी के लिए खतरा बताया गया है।
खास बात ये है कि इस मामले में सरकार ने किसी भी गिरफ्तार शख्स का नाम उजागर नहीं किया है। इनकी फैमिलीज को भी यह पता नहीं है कि उनका फैमिली मेंबर्स कहां और किस हाल में हैं।

एक पुलिस अफसर ने सिर्फ इतना कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों से प्रोपेगेंडा टूल्स और कुछ डॉक्यूमेंट्स बरामद किए गए हैं। इसके अलावा ये लोग ड्रेस कोड भी फॉलो नहीं कर रहे थे। गिलान प्रांत के तीन शहरों में पुलिस और मॉरल पुलिस सर्च ऑपरेशन चला रही है।

स्टूडेंट की मौत और हिजाब विरोधी प्रदर्शन

पिछले साल सितंबर में हिजाब विरोधी प्रदर्शनों के दौरान एक स्टूडेंट महसा अमीनी की पुलिस कस्टडी में मौत हो गई थी। इसके बाद मॉरैलिटी पुलिस को हटा लिया गया था। हालांकि, पिछले दिनों यह स्पेशल पुलिस फोर्स फिर सड़कों पर नजर आई। अमीनी की पुलिस हिरासत में मौत के बाद ईरान में विरोध प्रदर्शन हुए थे। प्रदर्शनों को कुचल दिया गया था। 500 प्रदर्शनकारी मारे गए थे।16 सितंबर 2022 को पुलिस कस्टडी में 22 साल की महसा अमिनी की मौत हो गई थी। 3 दिन पहले ईरान की मॉरैलिटी पुलिस ने महसा को ठीक से हिजाब नहीं पहनने के आरोप में गिरफ्तार किया था।
इस दौरान पुलिस ने उससे मारपीट की थी, जिससे महसा कोमा में चली गई थी और फिर उसकी मौत हो गई थी। इस महीने की शुरुआत से ही अधिकारियों ने एंटरटेनमेंट वाली जगहों पर नजर रखना शुरू कर दिया था। अपने परिसरों में हिजाब नियम लागू करने में नाकाम रहे दर्जनों कैफे, रेस्तरां और अन्य कारोबार को बंद करा दिया था।
ईरान की मॉरैलिटी पुलिस गाड़ियों से पब्लिक प्लेस में पैट्रोलिंग करेगी, ताकि उन औरतों पर नजर रखी जा सके जिन्होंने हिजाब नहीं पहना है। ईरान की वुमन एक्टिविस्ट मासिह अलिनेजद ने एक वीडियो शेयर किया था जिसमें एक मॉरैलिटी पुलिस की एक महिला एक टीनएज लड़की को पकड़ती हुई दिखाई दी थी। लड़की ने हिजाब नहीं पहना है।

छात्राओं को पढ़ाई से रोकने के लिए दिया जा रहा था जहर

इसी साल फरवरी में ईरान में छात्राओं को पढ़ने से रोकने के लिए जहर दिए जाने का मामला सामने आया था। इस बात का खुलासा डिप्टी हेल्थ मिनिस्टर यूनुस पनाही ने खुद किया था। उन्होंने कहा था- घोम शहर में नवंबर 2022 के बाद से रेस्पिरेटरी पॉइजनिंग के सैंकड़ों मामले सामने आए।

शिनावात्रा मंगलवार को 15 वर्षो के निर्वासन के बाद लौटेंगे थाईलैंड

बैंकॉक। थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा 15 वर्षो के आत्म निर्वासन के बाद मंगलवार को स्वदेश वापसी करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पूर्व प्रधानमंत्री की बेटी पैटोंगटारन शिनावात्रा, फू थाई पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवारों में से एक हैं ने इंस्टाग्राम पर कहा, मंगलवार 22 अगस्त सुबह नौ बजे मैं अपने पिता थाकसिन को डॉन मुआंग हवाई अड्डे पर लेने जाऊंगी। पूर्व प्रधानमंत्री ने शनिवार को बीबीसी से कहा, मैं लोगों को नाराज नहीं करना चाहता। मैं चाहता हूं कि हर कोई एक-दूसरे से प्यार करे। मैं चाहता हूं कि देश में शांति रहे। उन्होंने कहा, मैं बूढ़ा हो गया हूं, मुझे अपने पोते-पोतियों की याद आती है, मैं अपने परिवार के साथ रहना चाहता हूं। पूर्व प्रधानमंती की वापसी दोपहर के मतदान के साथ होगी। उनका यह मतदान राजनीतिक गतिरोध को समाप्त करेंगा। इस मतदान में थाकसिन से जुड़ी फू थाई पार्टी से श्रीथा थाविसिन को प्रधानमंत्री के रूप में मंजूरी मिलती है या नहीं और मई के आम चुनाव के बाद से कई महीनों की राजनीतिक अनिश्चितता का अंत होगा। प्रधानमंत्री बनने के लिए श्रीथा को 500 निर्वाचित सांसदों के निचले सदन और 250 सदस्यीय सीनेट में बहुमत हासिल करने की आवश्यकता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2006 में थाकसिन शिनावात्रा (74) को सैन्य तख्तापलट कर अपदस्थ कर दिया गया था और तब से ही वह 15 साल आत्म-निर्वासन में थे। थाकसिन ने लंबे समय से कहते आ रहे है वे घर लौटना चाहते हैं लेकिन उन पर कई आपराधिक आरोप हैं, जिनके बारे में उनका कहना है कि ये राजनीति से प्रेरित हैं।

पाकिस्तान में गिरफ्तार 13 लोगों में प्रमुख आतंकी कमांडर भी शामिल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्वी पंजाब प्रांत में पुलिस के आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) ने अलग-अलग खुफिया आधारित अभियानों के दौरान 13 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है जिनमें तीन आतंकवादी कमांडर भी शामिल हैं। सीटीडी ने शनिवार को एक बयान में कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों में प्रतिबंधित संगठन इस्लामिक स्टेट के तीन हाई-प्रोफाइल आतंकवादी कमांडर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन प्रांत के विभिन्न जिलों में चलाए गए थे। विभाग ने कहा कि आतंकवादी प्रांत में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पुलिस की समय पर कार्रवाई ने प्रांत को एक बड़ी आपदा से बचा लिया। सीटीडी के बयान में कहा गया,सीटीडी एक सुरक्षित पंजाब के लक्ष्य की दिशा में काम कर रहा है और अधिकारी आतंकवाद के संकट को जड़ से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सीटीडी कर्मियों ने ऑपरेशन के दौरान तात्कालिक विस्फोटक उपकरण, डेटोनेटर और विस्फोटक सहित हथियारों का एक जखीरा भी जब्त किया।

यूक्रेन ने किया रूस के कुर्स्क में रेलवे स्टेशन पर हमला

मॉस्को। यूक्रेन ने रूस के कुर्स्क क्षेत्र में रेलवे स्टेशन पर ड्रोन से हमला किया जिसमें पांच लोग घायल हो गये हैं। कुर्स्क के गवर्नर रोमन स्टारोवोइट ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'टेलीग्राम' पर कहा, कुर्स्क में यूक्रेन ने किया ड्रोन हमला। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ड्रोन रेलवे स्टेशन की इमारत की छत से टकरा गया जिससे छत पर आग लग गई। कांच के टुकड़ों से पांच लोग घायल हो गए। गवर्नर ने बताया कि हमले में स्टेशन की छत, आगे का हिस्सा और प्लेटफार्म क्षतिग्रस्त हो गया। उन्होंने कहा, छत, आगे का हिस्सा और पहला प्लेटफार्म क्षतिग्रस्त हो गया। साथ ही विस्फोट की धमक से प्रतीक्षालय और पैदल यात्री सुरंग को भी नुकसान पहुंचा है। हम जल्द से जल्द मरम्मत का काम शुरू करेंगे। निरीक्षण के बाद सवारी ट्रेनें अब स्टेशन में प्रवेश किए बिना उत्तर और दक्षिण की ओर से जा रही हैं। उन्होंने बताया कि, विस्फोट के समय इमारत में 50 यात्री थे, जिन्हें तुरंत बाहर निकाल लिया गया। जून की शुरुआत में यूक्रेन जवाबी कार्रवाई शुरू करने के बाद से प्रतिदिन रूस के क्षेत्र में ड्रोन से हमले कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने इस कार्रवाई की निंदा की है।

पाकिस्तान में अजीब संवैधानिक संकट

प्रेसिडेंट अल्वी बोले- मैंने 2 बिल पर सिग्नेचर ही नहीं किए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में रविवार को प्रेसिडेंट आरिफ अल्वी के एक ट्वीट से अजीब तरह का संवैधानिक संकट खड़ा हो गया है और यह इस मुल्क के इतिहास में पहली बार हुआ। अल्वी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- मैंने ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट और आर्मी अमेंडमेंट बिल को मंजूरी नहीं दी है। मेरे स्टाफ ने मेरे साथ धोखाधड़ी की है।
इमरान खान के करीबी दोस्त अल्वी की पोस्ट से सियाली बवाल मच गया। इससे कई सियासी और संवैधानिक सवाल भी पैदा हो गए। मसलन, अब इन दो बिलों का क्या होगा? क्या प्रेसिडेंट हाउस का स्टाफ उनका हुक्म टाल सकता है? क्या प्रेसिडेंट झूठ बोल रहे हैं? इस हरकत

का फायदा किसको होगा? और सबसे बड़ी बात- क्या अल्वी ने यह चाल इमरान को बचाने के लिए चली है?

मामले पर नजर

पाकिस्तान की संसद के निचले सदन (नेशनल असेंबली) ने इस महीने की शुरुआत में ये दोनों बिल पास किए। बाद में इन्हें ऊपरी सदन यानी सीनेट के पास भेजा गया। वहां कुछ सवाल उठे और बदलाव को कहा गया। स्पीकर ने दोनों बिल स्टैंडिंग कमेटी के पास भेज दिए। बदलाव के बाद बिल पास हो गए।
8 अगस्त को इन्हें प्रेसिडेंट आरिफ अल्वी के पास भेजा गया। कानूनी तौर पर प्रेसिडेंट किसी भी बिल को 10 दिन ही अपने पास रख सकता है। इन दौरान या तो वो बिल संसद को वापस भेज सकता है या फिर उन्हें मंजूर कर सकता है। वो कुछ बदलाव के सुझाव भी दे सकता है।
अब यहां दो बातें समझनी होंगी। पहली- संसद चाहे तो प्रेसिडेंट के सुझाव मंजूर कर सकती है और चाहे तो ठुकरा भी सकती है। दूसरी- अगर प्रेसिडेंट 10 दिन में बिल वापस नहीं करता तो यह ऑटोमैटिकली लॉ यानी कानून बन जाते हैं।

अमेरिकी अभिनेता जोंस का निधन

वाशिंगटन। अमेरीकी अभिनेता एवं एमी पुरस्कार विजेता रॉन सेफस जोंस लम्बी बीमारी के बाद निधन हो गया है। वह 66 वर्ष के थे। अमेरीकी मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी। मनोरंजन पत्रिका वेरायटी ने अभिनेता के एक प्रतिनिधि के हवाले से कहा,प्रिय और पुरस्कार विजेता अभिनेता रॉन सेफस जोंस का लंबे समय से चली आ रही फुफ्फुसीय समस्या के कारण 66 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। जोंस को 'दिस इज़ अस' सीरीज में विलियम हिल की भूमिका के लिए चार बार एमी पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया था, उन्होंने 2018 और 2020 में पुरस्कार जीता। अभिनेता को 'लॉ एंड ऑर्डर ऑर्गनाइज्ड क्राइम', 'ल्यूक केज,' और 'मिस्टर रोबोट' सीरीज में उनकी भूमिकाओं के लिए भी जाना जाता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

शार्ट न्यूज

उप्र बार काउंसिल चुनाव: शिवकिशोर अध्यक्ष व अनुराग पांडेय उपाध्यक्ष

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश बार काउंसिल प्रयागराज के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष का चुनाव रविवार को संपन्न हुआ जिसमें शिवकिशोर गौड़ अध्यक्ष व अनुराग पांडेय उपाध्यक्ष पद पर विजयी घोषित किए गए। निर्वाचन अधिकारी व सदस्य सचिव राकेश पाठक ने चुनाव परिणाम घोषित किया। इनका कार्यकाल 21 अगस्त 23 से 20 अगस्त 24 तक रहेगा। बार काउंसिल परिसर में संपन्न हुए चुनाव में सभी 25 सदस्यो ने मतदान में हिस्सा लिया। अध्यक्ष पद पर अखिलेश कुमार अवस्थी,ए एन सिंह, इमरान माबूद खान व शिवकिशोर गौड़ चार सदस्यों ने नामांकन भरे जिसमें से अवस्थी व इमरान ने नाम वापस ले लिया। मुकाबला खुर्जा, बुलंदशहर के शिवकिशोर गौड़ व प्रयागराज के ए एन सिंह के बीच हुआ। गौड़ को 14 वोट मिले,एक मत अवैध पाया गया और वे विजयी हुए। इसी प्रकार उपाध्यक्ष पद पर जय नारायण पाण्डेय, अनुराग पांडेय, प्रशांत सिंह अटल व विनोद कुमार पांडेय ने नामांकन भरा। अटल व विनोद ने नाम वापस ले लिया। जयनारायण पांडेय व अनुराग पांडेय में मुकाबला हुआ। अनुराग को 13 वोट मिले और विजयी हुए।

जौनपुर में मुसहर बस्ती में चेचक का प्रकोप, चार की मौत, कई बीमार

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जंघई के अन्तर्गत आने वाली ग्राम पंचायत भटहर के दीनापुर मुसहर बस्ती मे पिछले दो दिनों में चार बच्चो की चेचक से मौत हो गयी है जबकि 12 से ज्यादा बच्चे बीमार है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को बताया कि मछलीशहर तहसील क्षेत्र के भटहर दीनापुर मुसहर बस्ती निवासी अर्जुन बनवासी की बेटी परी (4) और सोहानी (6) व बिशाल बनवासी का पुत्र रोहन (6) और शालू (4) की मौत चेचक से हो गयी जबकि रचना,सपना,सालू , पप्पी, नन्दनी समेत 12 से अधिक बच्चे बीमार हैं। मुसहर बस्ती के कई लोग डर वश घर छोडकर अलग अलग स्थान पर चले गये। लोगो ने इसकी सूचना तत्काल स्वास्थ्य विभाग को दी तो चिकित्सक डा बीएल यादव ने मौके पर पहुंच कर इलाज शुरू कर दिया। दो बीमार बच्चे पप्पी और महक को इलाज के लिए मछलीशहर भेजा गया। डा यादव ने बताया कि प्रथम दृष्टया बच्चो की मौते निमोनिया होने से लग रहा है। दो बीमार बच्चो को इलाज के लिए एम्बुलेंस से मछलीशहर भेजा गया है, बाकी बच्चो को दवा वितरण व विटामिन की दवा पिलाई गयी है। दवा के छिडकाव का निर्देश दिया गया है।

बरेली में मंत्री का काफिला रोकने पर 90 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

बरेली। उत्तर प्रदेश में बरेली के सिरौली क्षेत्र में सड़क पर आवारा मवेशी खड़ा कर पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह का काफिला रोकने के आरोप में 90 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि आंवला तहसील स्थित एक कार्यक्रम में पशुधन मंत्री का काफिला जा रहा था। रास्ते में नियोजित तरीके से कुछ लोगों ने आवारा पशु सड़क पर खड़ा कर दिए, जिससे मंत्री, अफसर और अन्य लोग फंस गए। जाम लगाने वाले लोग आवारा पशुओं पर अंकुश लगाने की मांग कर रहे थे। उन्हें समझाने में लगे अफसरों से नोकझोंक और धक्का-मुक्की हुई। मामला शासन तक पहुंचा, तब 90 अज्ञात लोगों पर मामला दर्ज किया गया है गौरतलब है कि 17 अगस्त अपराहन पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह, अपर मुख्य सचिव डॉ. रजनीश दुबे, बरेली जिला अधिकारी शिवाकांत द्विवेदी, स्थानीय व शासन से आए अधिकारी और विभागीय अफसर अफसरों के साथ गांव गुरगांव मुस्तकिल में प्रस्तावित पशु पॉली क्लीनिक का शिलान्यास करने जा रहे थे। सूचना पर सैकड़ों ग्रामीणों ने छुट्टा गोवंशीय पशु एकत्र कर गांव पिपरिया उपराला में मार्ग पर खड़े कर दिए थे।

शिवराज 5 हजार 580 नवनियुक्त शिक्षकों को देंगे नियुक्ति बधाई पत्र

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कल 21 अगस्त को नवनियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति बधाई पत्र देंगे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार श्री चौहान राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसरण एवं प्रदेश के परिप्रेक्ष्य में नवनियुक्त शिक्षकों को उनके प्रशिक्षण कार्यक्रम में संबोधित कर अध्यापन में उत्कृष्टता एवं शिक्षा में नवीन आयाम स्थापित करने के लिए प्रेरित भी करेंगे। नवनियुक्त शिक्षकों का प्रशिक्षण-सह-उन्मुखीकरण कार्यक्रम भोपाल के भेल (बरखेड़ा) स्थित सीएम राइज शासकीय महात्मा गांधी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पूर्वान्ह 11 बजे होगा। इसमें सत्र 2023-24 में नवनियुक्त 5 हजार 580 शिक्षकों को नियुक्ति बधाई पत्र दिये जायेंगे। कार्यक्रम में मंत्री जनजातीय कार्य विभाग मीना सिंह एवं स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) राज्य मंत्री इन्दर सिंह परमार उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में विभिन्न जिलों के नवनियुक्त शिक्षक सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम का वर्चुअल प्रसारण भी किया जायेगा।

छत्तीसगढ़ में 13 नए राजस्व अनुविभाग और 18 तहसीलें आई अस्तित्व में

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज महासमुंद में पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न राजीव गांधी की जयंती 'सद्भावना दिवस' के अवसर पर नवगठित 13 राजस्व अनुविभाग और 18 तहसीलों का वर्चुअल शुभारंभ किया। इसके साथ ही आज से राज्य में 13 नए राजस्व अनुविभाग और 18 तहसीलें अस्तित्व में आ गई और यहां विधिवत कामकाज शुरू हो गया इन नवीन तहसीलों एवं अनुविभाग के प्रारंभ होने से राज्य में अब 122 राजस्व अनुविभाग एवं 250 तहसीलें हो गई है। बस्तर जिले के अंतर्गत अनुविभाग बकावण्ड, सुकमा जिले के अंतर्गत अनुविभाग छिंदगढ़, सूरजपुर जिले के अंतर्गत अनुविभाग रामानुजनगर, बालोद जिले के अंतर्गत अनुविभाग डौंडी, जशपुर जिले के अंतर्गत अनुविभाग फरसाबहार,बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के अंतर्गत अनुविभाग पलारी, गरियाबंद जिले के अंतर्गत अनुविभाग छुरा, बीजापुर जिले के अंतर्गत अनुविभाग उसूर (आवापल्ली), महसमुंद जिले के अंतर्गत अनुविभाग बसना,सरगुजा जिले के अंतर्गत अनुविभाग लुण्ड्रा (धौरपुर) एवं अनुविभाग उदयपुर, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के अंतर्गत अनुविभाग केल्हारी तथा जिला बलरामपुर-रामानुजनगर अंतर्गत अनुविभाग शंकरगढ़ का गठन किया गया है।

मध्यप्रदेश का विधानसभा चुनाव भाजपा के भविष्य का चुनाव : अमित शाह

ग्वालियर। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मध्यप्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भविष्य का चुनाव बताते हुए आज कहा कि भारत माता को परम वैभव में पहुंचाने के लिए हमें 150 से अधिक सीटें जीतकर कांग्रेस को परास्त करना होगा। शाह ने यह बात ग्वालियर के अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आयोजित भारतीय जनता पार्टी की वृहद प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए कही। शाह ने इस अवसर पर पार्टी के नए सदस्यता अभियान की शुरुआत भी की। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का विजय अभियान अभी समाप्त नहीं हुआ है। जिस दिन पूरी दुनिया भारत माता के जयकारे लगाएगी, उस दिन यह लक्ष्य पूरा होगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के कार्यकर्ता चुनाव जीतने के लिए बने हैं, क्योंकि विजय आपका स्वभाव है, आपका पराक्रम है और विजय ही आपका लक्ष्य है। हमें लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि वे गारंटी के साथ आपसे कहते हैं कि 30 साल तक मध्यप्रदेश में पंचायत से पार्लियामेंट तक भाजपा का भगवा परचम लहराता रहेगा। शाह ने कहा कि ग्वालियर श्रद्धेय राजमाता विजयाराजे सिंधिया के पुण्य से सींची हुई भमि है, जहां एकात्म मानववाद को सबसे पहले पं. दीनदयाल उपाध्याय ने प्रतिपादित किया था। यह स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की कर्मभूमि है, यह कुशाभाऊ ठाकरे के संगठनात्मक तप की भूमि है। यहां उन्होंने पार्टी का जो बीज बोया था, वह आज वट वृक्ष बन गया है।

योगी के संकल्प पर निवेशकों के साथ ही बैंकों और वित्तीय संस्थाओं का भी बढ़ा भरोसा

बैंकों और वित्तीय संस्थाओं द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं की कुल लागत हिस्सेदारी में उत्तर प्रदेश फिर रहा टॉप पर

लखनऊ। विधानसभा के मॉनसून सत्र में नेता विरोधी दल अखिलेश यादव ने वन ट्रिलियन इकॉनमी के संकल्प का मजाक उड़ाते हुए सरकार से इसके रोडमैप पर सवाल किया था। तब सीएम योगी ने खड़े होकर विपक्ष के एक-एक सवाल का चुन-चुनकर जवाब दिया था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का अगस्त 2023 का बुलेटिन न सिर्फ सीएम योगी के तर्कों की तस्दीक करता है बल्कि आलोचकों को करारा जवाब भी देता है। बुलेटिन में दिए गए आंकड़े बताते हैं कि उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने में जुटे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुशासन पर न सिर्फ देश और दुनिया भर के निवेशकों को भरोसा है, बल्कि सभी राष्ट्रीय बैंक और वित्तीय संस्थाओं को भी उनके संकल्प पर पूर्ण विश्वास है और हर गुजरते साल के साथ यह भरोसा और मजबूत होता जा रहा है। आरबीआई के अगस्त 2023 बुलेटिन के अनुसार उत्तर प्रदेश बैंकों व वित्तीय संस्थाओं द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं की कुल लागत हिस्सेदारी में एक बार फिर सभी राज्यों से आगे रहा है। इसके अनुसार बैंकों और वित्तीय संस्थाओं द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं की कुल लागत हिस्सेदारी में उत्तर प्रदेश 2022-23 में 16.2 प्रतिशत शेयर के साथ लगातार दूसरे वर्ष नंबर वन पर रहा है।

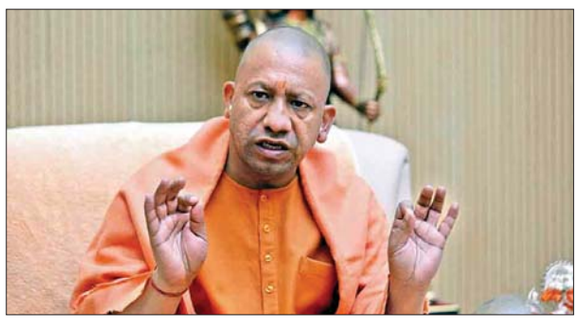

करीब 12 प्रतिशत की हुई वृद्धि

2017 में उत्तर प्रदेश की सत्ता संभालने के बाद सीएम योगी ने प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर, इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी के साथ ही उद्योगों की स्थापना के लिए जो इकनॉमिक रिफॉर्म्स का दौर शुरू किया है वो आरबीआई की ताजा रिपोर्ट में साफ परिलक्षित हो रहा है। 2013-14 से 2020-21 की अवधि में हिस्सेदारी का औसत प्रतिशत 4.4 रहा था।

इसके बाद विगत दो वित्तीय वर्ष में बैंकों और वित्तीय संस्थाओं द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं की कुल लागत हिस्सेदारी में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। 2021-22 में बैंकों व वित्तीय संस्थाओं द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं की कुल लागत में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 12.8 प्रतिशत रही थी, जो अन्य राज्यों की तुलना में सबसे बेहतर थी और तब भी उत्तर प्रदेश इस मामले में नंबर वन पर था। उसके बाद 2021-22 से 2022-23 के बीच महज एक वर्ष में इस हिस्सेदारी में 3.4 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली है। 2013-14 से 2020-21 के बाद इन 2 वर्षों में बैंकों द्वारा परियोजनाओं की लागत में प्रदेश की हिस्सेदारी में 11.8 प्रतिशत की वृद्धि हो चुकी है। यह सीएम योगी के सुशासन और आर्थिक मामलों के प्रति उनकी दूरदृष्टि को इंगित करता है।

अन्य राज्यों की तुलना में यूपी में नियमित वृद्धि का रहा ट्रेंड

बैंकों/वित्तीय संस्थाओं से एकत्र किए गए परियोजनाओं के वित्त पोषण संबंधी आंकड़ों व एक्सपर्ट्स के कैलकुलेशन पर आधारित इस रिपोर्ट का एनालिसिस करने पर एक और बात स्पष्ट होती है और वो ये कि उत्तर प्रदेश में बैंकों व वित्तीय संस्थाओं द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं की कुल लागत हिस्सेदारी में नियमित वृद्धि का ट्रेंड रहा है। 2013-14 से 2020-21 के मध्य औसत 4.4 प्रतिशत के बाद 2021-22 में 12.8 प्रतिशत से होती हुई 2022-23 में यह वृद्धि 16.2 प्रतिशत पर पहुंच गई है। यानी उत्तर प्रदेश में लगातार निवेशकों एवं परियोजनाओं को बैंकिंग सेक्टर का सहयोग प्राप्त होता रहा है। वहीं अन्य राज्यों में यह वृद्धि अनियमित है। किसी राज्य में अचानक एक वर्ष में वृद्धि हुई तो कहीं 2013-14 से 2020-21 के मध्य और 2021-22 व 2022-23 में इसके आंकड़ों में काफी उतार-चढ़ाव आया। कुछ राज्यों में तो वृद्धि की बजाय गिरावट दर्ज की गई है। मसलन, गुजरात में जो हिस्सेदारी 2013-14 से 2020-21 के बीच औसत 14.3 प्रतिशत थी वो 2022-23 में 14 पर है। यानी 0.3 प्रतिशत कम। ओडिशा में 2013-14 से 2020-21 के बीच जो हिस्सेदारी औसतन 4.5 प्रतिशत थी वो 2021-22 में लुढ़कर 2.2 प्रतिशत पर पहुंच गई। 2022-23 में इसमें अचानक वृद्धि हुई और यह 11.8 प्रतिशत पर आ गई। इसी तरह महाराष्ट्र में यह 2013-14 से 2020-21 के बीच औसतन 13 प्रतिशत से 2021-22 में 9.7 और 2022-23 में 7.9 प्रतिशत पर पहुंच गई है तो कर्नाटक में 2013-14 से 2020-21 के बीच औसतन 8.5 प्रतिशत से 2021-22 में 6.9 और 2022-23 में 7.3 प्रतिशत हिस्सेदारी रही है। इसी तरह अन्य राज्यों में हिस्सेदारी का प्रतिशत 2013-14 से 2020-21 के बीच औसतन 9.4 से लुढ़ककर 2021-22 में 4 और 2022-23 में 5.5 प्रतिशत पर पहुंच गई है।

घोसी उपचुनाव : अरविंद राजभर ने बढ़ाई दारा की मुश्किल, बसपा ने उम्मीदवार न खड़ाकर लाई खुशी

लखनऊ। घोसी विधानसभा उप चुनाव की लड़ाई दिलचस्प होती जा रही है। उधर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अलग हुए बागी गुट ने अरविंद राजभर को सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी के बैनर तले पर्चा दाखिल करवाकर दारा सिंह चौहान के वोटों में सेंध लगाने की कोशिश की है। दूसरी तरफ बसपा ने अपने उम्मीदवार की घोषणा न कर भाजपा के लिए मैदान खाली कर दिया है।

भीतरघात की संभावने भी दारा सिंह चौहान के साथ ही समाजवादी पार्टी (सपा) उम्मीदवार सुधाकर सिंह के लिए भी मुसीबत बन सकते हैं। अलग-अलग मतदाताओं का मानना है कि दारा सिंह को किसी विचारधारा से मतलब नहीं है। वह आए दिन पार्टी बदलते रहते हैं। जो कार्यकर्ता विधान सभा के आम चुनाव में उनका विरोध किये, वही फिर उनके प्रचार में लगें, यह काफी मुश्किल है।

बसपा की भी विधानसभा क्षेत्र में मजबूत पकड़ रही है। पिछली बार चुनाव में भी उसके उम्मीदवार वसीम इकबाल को 54,248 वोट मिले थे। ऐसे में बसपा से उम्मीदवार न उतारे जाने की स्थिति में उनके मतदाताओं का ज्यादातर भाजपा के साथ जाने की उम्मीद जतायी जा रही है।

सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी द्वारा प्रत्याशी उतारे जाने से दारा सिंह चौहान की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। वहीं दूसरी तरफ बसपा द्वारा उम्मीदवार की घोषणा न होने से सुधाकर सिंह की धड़कनें बढ़ रही हैं।

अभी तक मतदाता भी असमंजस में हैं, जो दोनों उम्मीदवारों की धड़कनों को और बढ़ा रहे हैं। वैसे पिछले चुनाव में दारा सिंह चौहान भाजपा से सपा में आ गये थे और घोसी से ही चुनाव लड़े थे। उस वक्त उन्हें 108,403 मत मिले थे। दूसरे स्थान पर रहे भाजपा उम्मीदवार विजय राजभर को 86,214 मत मिले थे। बसपा उम्मीदवार ने 54248 मत पाये थे।

इससे पीछे 2017 में फागू चौहान ने भाजपा से यहां विजय पताका लहराया था। इसके बाद उन्हें राज्यपाल बना दिया गया था, फिर 2019 में उप चुनाव हुए थे। तब भाजपा के उम्मीदवार विजय राजभर ने जीत हासिल की थी। सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र राजभर मऊ जिले के घोसी विधानसभा क्षेत्र के बगल के रतनपुरा ब्लॉक के रहने वाले हैं। महेंद्र राजभर 2017 यूपी विधानसभा चुनाव में बाहुबली मुख्तार अंसारी से महज 6000 वोटों से हारे थे। जमीनी स्तर पर गांव-गांव में इन नेताओं की काफी पकड़ है। ऐसे में यह राजभर वोटों को प्रभावित कर सकते हैं।

सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी के नेता अपने लोगों को यह समझाने में लगे हुए हैं कि दारा सिंह चौहान भले ही चुनाव हार जाएं लेकिन ओम प्रकाश राजभर का मंत्री बनना तय है। इस चुनाव से सरकार बनना या बिगड़ना नहीं है।

ऐसे में अपने बीच से और राजभर नेता निकलने चाहिए। यही समझा कर यह लोग एनडीए का चुनावी खेल बिगाड़ने पर लगे हुए हैं।

भाजपा नेता उत्पल राय का कहना है कि यहां कोई ताकत नहीं है, जो भाजपा उम्मीदवार को हरा सके। हर कार्यकर्ता जी-जान से दारा सिंह चौहान को जिताने में लगा हुआ है। गांव-गांव में लोग दारा सिंह चौहान की चर्चा कर रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के तत्वावधान में हुआ वन विहार कार्यक्रम

सोनभद्र। जनपद के कंचा गड़मा की फतहिया पहाड़ी पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का वन विहार कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम में सैकड़ों स्वयंसेवक बन्धु की सहभागिता रही संघ के आदर्शों के अनुकूल। कार्यक्रम में सह जिला कार्यवाह पंकज जी का बौद्धिक प्राप्त हुआ। मुख्य रूप से खण्ड संघचालक गोपी , जिला प्रचारक देवदत्त , खण्ड कार्यवाह विपिन तहसील प्रचारक आयुष ,खण्ड सेवा प्रमुख रामानन्द , डोमखरी मण्डल कार्यवाह रोहित समुपस्थित रहे।

कार्यक्रम में रमेश, व्यवस्था प्रमुख सुशील पाठक, सन्तोष पाण्डेय,सर्वेश पाठक , उमेश,अरुण कुमार धर्मजागरण प्रमुख घोरावल,सुग्रीव, दिवाकर, हिमांशु , कैलाश सिंह, दिलीप मौर्य, सुनील चौबे, लवकुश, विक्रम,सहित स्वयं सेवकों ने वन विहार कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

रॉबर्ट्सगंज में लहन के साथ अवैध शराब बरामद हुई

सोनभद्र । आबकारी आयुक्त उत्तरप्रदेश के आदेश एवं जिलाधिकारी सोनभद्र द्वारा निर्गत निर्देश के अनुपालन में जिलामुख्यालय रॉबर्ट्सगंज की संदिग्ध कंजड़ बस्ती में आबकारी महकमे ने दबिश दी । यहां से एक क्विंटल लहन के साथ अवैध शराब की बरामदगी करने में दस्ता कामयाब रहा । शराब बाईस लीटर बताई जा रही है जिसकी बरामदगी करने वालों में तीन आबकारी निरीक्षक रोहित कुमार , रविन्द्र गौड़ , अभय कृष्ण चौधरी के साथ अबकारीय पुलिस बल भी मौजूद रहा विशेष प्रवर्तन अभियान में जिसमें दो अभियोग पंजीकृत कराये गए।

श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव में श्याममय हुए श्रद्धालु

गाजियाबाद । स्थानीय क्रासिंग रिपब्लिक, गौर ग्लोबल विलेज परिसर प्रशाल में सामाजिक एवं धार्मिक संस्था जय श्री श्याम दीवाना मंडल के सौजन्य से बाबा खाटू श्याम को समर्पित सोलहवां संकीर्तन महोत्सव आयोजित किया गया। एक शाम श्याम प्रभु खाटू वाले के नाम संकीर्तन महोत्सव में सुप्रसिद्ध गायकों की सुमधुर सुर लहरी प्रवहमान हो उठी भजनों से । श्रद्धालु श्रोताओं ने भक्तिमय होकर आनंद उठाया विह्वलित भाव से । गायक कलाकारों की श्रृंखला में ओमी शर्मा, प्रवीण भाई एवं साथी कलाकार तथा सुबोध गोस्वामी ने एक से बढ़कर एक भजन की प्रस्तुति कर श्रोताओं को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। इस भक्तिमय

वातावरण में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हवन में भाग लिया। बाहर से आमंत्रित कलाकारों ने राधा-कृष्ण झांकी तथा कृष्ण-सुदामा झांकी के साथ नृत्य की शानदार प्रस्तुति की। हरियाली तीज के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में बाबा खाटू श्याम के लिए राजस्थान से विशेष झूला मंगाया गया था। सोसाइटी के कुल 53 बच्चों ने राधा और कृष्ण के पोशाक में सामूहिक नृत्य कर श्रद्धालुओं को सम्मोहित कर लिया शमाँ बाँध कर ।

विभिन्न प्रस्तुतियों में समाहित रहे विविध गीत जिसमें खाटू से आयो श्याम, काशी से आयो शंकर, सालासर से आयो रे अंजनी के लाल.., कि दीवाना दिल श्याम का हुआ, मेरे खाटू नरेश तूने भेजा संदेश, किस्मत का खोल देते हो ताला जी, सालासर वाले मेरे बालाजी.., आयो सांवरिया सरकार, झूले पे चढ़ केज., फूलों में सज बैठे हैं, जुल्म कर बैठे हैंज, मेरा दिल तो दीवाना हो गयाज, आदि भजनों पर तो श्रद्धालु घंटों थिरकते रहे। श्याम दीवानी मनीषा ने भी आई लव यू सांवरे तुमको सौ-सौ बार जैसे कई भजन-कीर्तन की मनोहारी प्रस्तुति दीं। कार्यक्रम के दौरान आयोजित श्याम रसोई भंडारे में श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद भी ग्रहण किया। जय श्री श्याम दीवाना मंडल, गौर ग्लोबल विलेज के पदाधिकारियों ने करने वाले श्याम, कराने वाले श्याम की भावना से कार्यक्रम का संयोजन किया।

राजीव गांधी के कार्यों के सहारे खड़गे का मोदी सरकार पर हमला

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी सरकार पर हमला करते हुए कहा है कि वह बहुमत के दम पर मनमानी कर रही है लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने प्रचंड बहुमत के बावजूद लोकतंत्र तथा संविधान के प्रति अपनी जवाबदेही को सर्वोपरि रखा।

खडगे ने रविवार को यहां राजीव गांधी राष्ट्रीय सद्भावना पुरस्कार कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सद्भावना पुरस्कार पाने के लिए वनस्थली यूनिवर्सिटी को बधाई दी और कहां की जो काम राजीव गांधी जी की अगुवाई में हुए थे वह हमेशा मिसाल बने रहेंगे।

उन्होंने कहा,आजकल कई लोग राजीव जी की उपलब्धियों को नजरअंदाज करने की कोशिश करते हैं लेकिन सच यह है कि उन्होंने देश के लिए जो काम किये है उनको कोई नकार नही सकता है।

भगवान बुद्ध के संदेश को उद्धृत करते हुए उन्होंने राजीव गांधी सरकार के कार्यकाल में हुए कार्यों की सराहना करते उन्होंने कहा,"भगवान बुद्ध कहते थे- 3 चीजें ज्यादा देर तक छिप नहीं सकतीं... सूर्य, चंद्रमा और सत्य। उसी तरह राजीव जी की सफलताओं को छिपाया नहीं जा सकता है।

उन्होंने कहा कि जब देश बुनियादी समस्याओं से जूझ रहा था, तब राजीव गांधी ने संचार क्रांति की ताकत को समझ लिया था। उस दौर में राजनीतिक दल इस बारे में सोचना तो दूर इस सोच का विरोध करते थे।आज इसका लाभ समाज के हर हिस्से को मिल रहा है और भारत एक मजबूत शक्ति के रूप में उभर आया है। इसी तरह उन्होंने दल बदल रोकने के लिए कानून बनाया जिससे भारतीय राजनीति में लंबे समय तक स्थिरता बनी रही लेकिन आज जिस तरह जनमत के साथ खिलवाड़ हो रहा है उसे देखते हुए इस कानून में और भी बदलाव करने की जरूरत है।

खड़गे ने कहा,आदिवासियों के बीच जाकर राजीव गांधी जी उनकी समस्याओं को देखा और जमीनी हालात के अनुसार योजनाएं बनाई। वे हर तरह की सांप्रदायिकता के खिलाफ थे। जब आंध्र प्रदेश में दंगे हुए तो उन्होंने अपने मुख्यमंत्री को नैतिक तौर पर इस्तीफा देने के लिए कहा था। उन्होंने ही यूनिवर्सल टीकाकरण की शुरुआत की थी। कई तरह के टीकों ने लाखों लोगों को नया जीवन दिया था। गंगा सफाई के लिए गंगा कार्य योजना की शुरुआत की थी। राष्ट्रीय बंजर भूमि विकास बोर्ड और पर्यावरण संरक्षण के लिए व्यापक कानून बनाया, जिन्हें आज कमजोर किया जा रहा है।

खड़गे की टिप्पणी राहुल की टीम के इशारे पर : भाजपा

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के उड़ान योजना पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट के हवाले से की गई टिप्पणी को संकीर्ण एवं राजनीतिक बताते हुए कहा कि यह टिप्पणी श्री राहुल गांधी की टीम के इशारे पर की गई है। भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के संयोजक अमित मालवीय ने ट्विटर पर कहा, राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए मनमाफिक तथ्यों को चुनना और पूरी तस्वीर को ग्रहण करना आपके कद के अनुरूप नहीं है खड़गे जी। मैं आपको कुछ स्पष्ट तथ्य बताना चाहता हूं, जिन्हें आपने जानबूझ कर नजरअंदाज कर दिया है। मालवीय ने कहा कि कैग की रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि यह योजना पर्यावरण-गुणक प्रभाव के साथ आम लोगों के लिए यात्रा के तेज, सुरक्षित और किफायती विकल्प के रूप में हवाई कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए एक अच्छी पहल है। उन्होंने कहा कि इस योजना के कारण 74 हवाई अड्डों/हेलीपोर्टों/जल हवाई अड्डों को पुनर्जीवित/उन्नयन और परिचालन में लाया गया है, जिससे कई टियर 2 और टियर 3 शहरों को पहली हवाई कनेक्टिविटी प्रदान की गई है।

विश्व हिंदू परिषद की जिला योजना बैठक सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल रमना पार्क में आयोजित किया

रमेश कुमार शर्मा/गौरवशाली भारत

बलरामपुर। विश्व हिंदू परिषद जनपद बलरामपुर की जिला योजना बैठक सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल रमना पार्क में आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अवध प्रांत कार्याध्यक्ष राजदेव सिंह एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में विभाग मंत्री सुबीर विशेष संपर्क प्रमुख कमलेश उपस्थित रहे बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव ने किया एवं संचालन जिला मंत्री दीपक चौधरी ने किया बैठक में संगठन द्वारा आयोजित बजरंग दल सौर यात्रा एवं काशी मथुरा पर चर्चा एवं तैयारी बैठक की गई जिसमे जनपद बलरामपुर के सभी प्रखंड अध्यक्ष,मंत्री,संयोजक एवं पालक उपस्थित रहे वही आज बैठक में कुछ लोगो को नवीन दायुत्व दिया गया जिसमे नारायण उपाध्याय को जिला उपाध्यक्ष ,विजय को जिला सहमंत्री, सूरज जिला सहसंयोजक, रोहित को जिला गौ रक्षा प्रमुख, श्रीदत्तगंज प्रखंड सहसंयोजक गोपी कश्यप, बलरामपुर देहात प्रखंड अजय शुक्ला प्रखंड उपाध्यक्ष, बलरामपुर नगर प्रखंड हरिहर जयसवाल नगर उपाध्यक्ष बलरामपुर,सुजीता शुक्ला नगर संयोजिका मातृशक्ति, तुलसीपुर प्रखंड से गणेश सोनी प्रखंड कार्याध्यक्ष गैसडी प्रखंड से सुरजीत जायसवाल को प्रखंड अध्यक्ष,पचपेड़वा प्रखंड से रिंकू चौधरी को प्रखंड कार्याध्यक्ष, गणेश मौर्या प्रखंड संयोजक,विजय विश्वकर्मा सहसंयोजक, रामसूरत यादव प्रखंड को मंत्री बनाया गया।

CMYK CMYK CMYK CMYK